శుభ్ లాభ్
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 23 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-233

स्वर्गवास

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमल जी बसईवाले)

का आकस्मिक निधन शुक्रवार, दि. 22.08.2025 को हुआ।

अंतिम यात्रा आज, शनिवार, दि. 23.08.2025 को

महेंद्रा हिल्स निवास स्थान से प्रातः 9.30 बजे पुरानापुल श्मशान वाटिका जाएगी।

: शोकाकुल :

सुरेश कुमार (भ्राता), रमेश कुमार, नंदलाल (अनुज),

मयूर, पियूष, मृदुल (पुत्र), नरेश, बजरंग, रवि, दिलिप, अनिल, अनूप, मोहित, लोकेश, प्रतियोध,प्रियांक (भतीजे),

कमल, नयन, रचित, आरुष, विहान, निश्चय, हृदय, प्रनव (पौत्र)

एवं समस्त प्राणसुख बसईवाला परिवार

फर्म : BASAI STEEL & POWER Pvt. Ltd.
RN METALS Pvt. Ltd.
DAILY SHUBH LABH (Hindi Daily)

निवास : मोती कुंज, प्लॉट नं.22, रोड नं. 5, महेंद्र हिल्स, सत्यनारायण मंदिर के समीप, नेहरू नगर, ईस्ट मारडपल्ली, सिकंदराबाद-500 026

पर्युषण पर्व सद्गुणों का सर्जन और दुर्गुणों का विसर्जन: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के प्रांगण में पर्युषण पर्व के तृतीय दिवस पर साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने पर्युषण महापर्व का महत्व बताते हुए कहा कि यह पर्व सद्गुणों के सर्जन का और दुर्गुणों के विसर्जन का पर्व है।

यह अहंकार को मिटाने का अवसर है, क्योंकि जब तक अहंकार है, मोक्ष की मंजिल दूर रहती है। शरीर को सजाने का काम तो सब करते हैं, पर हमें अपनी आत्मा को सजाना और निखारना है।

चेहरे को चमकाने का नहीं, बल्कि आत्मा को उज्ज्वल बनाने का पर्व है पर्युषण। आत्मा की साधना करने वाला ही प्रभु की आज्ञा का पालन कर सकता है। उन्होंने कहा कि इस पर्व का संदेश विषयों से विरक्ति है। कर्मों से मुक्ति, और धर्म में अनुरक्ति। महापुरुषों ने अपने कर्मों का क्षय कर भव बंधनों से मुक्ति पाई। वास्तव में यह संसार एक धर्मशाला है, एक रंगमंच है और हम सब कलाकार हैं, जो अपनी-अपनी भूमिकाएँ निभा रहे हैं। पर्युषण पर्व एक महासागर के समान है, जितनी डुबकी लगाओगे, उतना ही आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करोगे।

संसार का हर पल कर्मों पर आधारित है। बचपन चार पैरों से चलता है, जवानी दो पैरों से और बुढ़ापा तीन पैरों से चलता है। अतः जो भी सद्गुणों का कार्य करना है, उसे अभी कर लो। यही पर्युषण पर्व का सच्चा संदेश है। पूर्व में अंतकृत दशांक सूत्र का वांचन साध्वी ऋषिता ने किया और विवेचन साध्वी नंदिनी ने। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत अध्यक्ष प्रकाश बुरड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, महामंत्री नेमीचंद दलाल, राष्ट्रीय वैयावच्च योजना के महामंत्री रतनचंद सिंघी, राष्ट्रीय महिला प्रमुख मार्गदर्शिका आरती बुरड़, प्रांतीय उपाध्यक्ष किशोर दलाल, हस्तीमल बाफना, मंत्री विकास कोठारी, दिनेश पोरवाड़, सुनील लोढ़ा, अनिल बाफना, राकेश दलाल, जीवन प्रकाश योजना राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष रत्नीबाई मेहता, प्रांतीय वैयावच्च योजना महामंत्री प्रकाश बोहरा, प्रांतीय युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली, सुनील बंब, अजय धोका, राकेश लोढ़ा, मुकेश बाबेल, चेतन गन्ना, प्रांतीय मानव सेवा योजना अध्यक्ष सरला दुग्गड़ व अन्य तथा श्रीरामपुरम संघ, विजयनगर एवं विभिन्न संघों से भी सदस्य उपस्थित रहे।

ममता बागरेचा ने 15 उपवास, संदीप भुरट, रेणु सुरेश जैन ने 6 उपवास, विकास कोठारी ने 4 उपवास के पच्चखान लिए। श्री त्रिशला महिला मंडल, श्री त्रिशला बहु मंडल, राजाजीनगर युवा, ब्राह्मी कन्या मंडल , जिनेशवर युवा, भोजन समिति से शांतिलाल चाणोदिया व टीम, आवास निवास समिति के ज्ञानचंद लोढ़ा व टीम का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, सहमंत्री राकेश दलाल व कोषाध्यक्ष प्रसन भलगट ने आभार व्यक्त किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

कल्पसूत्र-जिनशासन का प्रमुख ग्रन्थ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित मुनिराज श्री मलयप्रभ सागर जी ने पर्युषण पर्व के तीतृय दिवस के अष्टान्हिका प्रवचन में कहा कि मंत्र, शास्त्र, पर्व और तीर्थ इन चार चीजों को प्रत्येक धर्म में बहुत ही प्रमुख स्थान दिया है। जैन धर्म में नवकार महामंत्र सर्वश्रेष्ठ मंत्र, कल्पसूत्र सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ, शत्रुंजय सर्वश्रेष्ठ तीर्थ और पर्वाधिराज पर्युषण सर्वश्रेष्ठ महापर्व माना गया है। परमात्मा महावीर के समय श्रुत परंपरा थी जिसमें शिष्य एक बार सुनते और उन्हें सारा ग्रंथ याद हो जाता था। उस समय लेखन की परंपरा नहीं थी। परमात्मा महावीर के निर्वाण के करीब 980 वर्ष पश्चात स्याही के प्रयोग से ग्रंथों का लेखन प्रारंभ हुआ। आज से करीब 1500 से अधिक वर्षों पूर्व से पर्युषण में कल्प सूत्र का वांचन प्रारंभ हुआ। कल्प सूत्र के प्रथम खंड में जिन चारित्र, दूसरे खंड में साधु पट्टावली और तीसरे खंड में साधु समाचारी है। जिन शासन में 45 आगम है इन आगमों में सबसे ज्यादा कल्पसूत्र का वांचन, श्रवण और लेखन हुआ है। कल्पसूत्र में

वर्णित दस कल्पों में प्रथम अचेलक कल्प जिसमें प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ और अंतिम तीर्थंकर प्रभु महावीर के साधु सफेद वस्त्र पहनते थे और अन्य बाईस तीर्थंकर के साधु मूल्यवान रंगीन वस्त्र पहनते थे। दूसरा औदेशिक कल्प यानि साधु को उद्देश्य में रखकर गोचरी नहीं बनाना चाहिए यह हमारे लिए और साधुओं के लिए भी खतरनाक है। हमारी आराधना का लक्ष्य दोषों का नाश होना चाहिए। हमें पुण्य के कार्य आज करना चाहिए और पाप के कार्यों को कल के लिए टालना चाहिए। तीसरा शैयातर पिंड इसमें साधु को केंद्र में रखकर बनाई हुई आराधना भवन नहीं होनी चाहिए जिसका आचार सभी तीर्थंकरों के साधुओं के लिए एक समान है। चौथा राजपिंड कल्प जिसमें राजा महाराजाओं के यहां बना हुआ भोजन साधु नहीं ग्रहण कर सकते हैं। पांचवां कृतिकर्म कल्प जिसमें दीक्षा पर्याय के अनुसार वंदन व्यवहार के बारे में बताया गया है। छठा महाव्रत कल्प, सातवां पुरुष ज्येष्ठ धर्म, आठवां प्रतिक्रमण कल्प, नवमां मास कल्प और दसवा पर्युषण महापर्व कप है जिसके बारे में कल्पसूत्र में बताया गया है। शनिवार को प्रवचन के दौरान परमात्मा महावीर का पालना घर ले जाकर भक्ति भावना करवाने का चढ़ावा बोलकर आदेश प्रदान किया जाएगा।

यह पर्व आध्यात्मिक यात्रा का पर्व: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने पर्युषण पर्व के तृतीय दिवस कहा कि यह पर्व आध्यात्मिक यात्रा का पर्व है। 2025 में हमारे सामने कई पर्व आए। कुछ एक दिन के लिए, कुछ दो दिन के लिए। कुछ पारिवारिक, कुछ राष्ट्रीय तो कुछ सामाजिक।

लगभग सभी में आसक्ति न हो, कर्तव्यों की पूर्ति हो, ऐसे संदेश दिए। अब ऐसा पर्व आया है जो अनासक्त होकर मुक्त होने का संदेश देता है। इस जीवन यात्रा में स्वयं से जुड़ने का अवसर आया है। एक या दो दिनों के लिए नहीं बल्कि पूरे आठ दिनों के लिए। यहां से कोई अपनी आध्यात्मिक यात्रा का प्रारंभ करेगा तो कोई आध्यात्मिकता को सुदृढ़ करेगा। ध्यान रहे, आध्यात्मिक ऊंचाई को प्राप्त करने वाले श्रमण भगवान महावीर का जीवन मात्र श्रवण नहीं करना है।

उनके जैसी साधना का प्रारंभ करना है। पर्युषण परंपरा को निभाने के लिए नहीं, पर्युषण कार्यक्रमों को करने के लिए नहीं बल्कि पर्युषण मुक्ति के लिए है। आध्यात्मिक शक्ति के लिए है। आत्म विकास के लिए है। पर्युषण दुःखों से मुक्त होने के लिए साधना का वह समय है जो हमें अपने लिए निकालना है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ उपाध्यक्ष राजेन्द्र पोरवाल ने बताया कि साध्वीवृंद के सानिध्य में सुखरुप से पर्युषण महापर्व कि आराधना चल रही है।

चारित्रवान मनुष्य प्रभु का भी होता है प्रिय: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि पर्वाधिराज के इस पावन प्रसंग पर सभी मोक्षगामी आत्माओं का वर्णन चल रहा है। हर भक्त की कामना होती है कि उसका कर्म घटे और वह कर्मों से मुक्त हो। जन्म जन्मांतर के दुखों से बच सके।

मनुष्य की यही कामना होती है कि उसको दुख न मिले। मनुष्य ने कभी भी सत्कर्म नहीं किया है और जब दुख आता है तो प्रभु से दुखों की दवा मांगता है। सौ रोगों की एक दवा प्रभु वाणी का श्रवण करना है। आगम में बताए मार्ग पर अगर मनुष्य चलेगा तो उसके कर्मों की निर्जरा हो जाएगी। कर्मों की निर्जरा होते की संसार के दुखों से मुक्ति मिल जाती है। मनुष्य का दुख सुख उसके चेहरे से ही दिख जाता है।

अगर मन दुखी है तो चेहरे पर नजर आ जाता है। जो माता पिता को सुखी करते हैं ऐसे बेटे बहुत दुर्लभ मिलते हैं। आज के समय में लोग अपना अपना देखने में मां बाप को भूल जाते हैं। मां बाप को दुखी करने वाले हमेशा परेशान रहते हैं। मां बाप का प्यार बच्चों के लिए भले कड़वा लगे लेकिन अंदर से वह कड़वा नहीं होता है।

देवता भी झुकता है लेकिन उन्हें झुकाने वाला चाहिए। अंतकृत दशांक सूत्र में उल्लेख है की जिसका मन, आत्मा पवित्र है ऐसे मनुष्य को दानव, देवता भी नमस्कार करते है। जिसकी नींद कम और रात दिन भगवान को याद करता है उसको भी भगवान मिलते है। कम से कम और नपा तोला बोलने वालों को भी देवता नमन करते है। गुरुदेव ने फरमाया कि मनुष्य अपनी तप तपस्या से किसी को भी अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। जिस मनुष्य ने क्रोध को बस में कर लिया उसका कल्याण निश्चित है। पार्युषण का तीसरा दिन मनुष्य को बताता है कि मोक्ष मोक्ष करने से मोक्ष नहीं मिलता है। इसके लिए ज्ञान, दर्शन चारित्र होना चाहिए। यह पर्व मनुष्य को अंदर की आंखे खोलने का मौका है। सिर्फ कहने से कुछ होना जाना नहीं है। यह अवसर मिला है तो बंद आंखों को खोल दो। तप तपस्या करके मोक्ष के मार्ग को मजबूत कर लेना चाहिए। यह मौका गया तो वापस आने वाला नहीं है। जीवन का मर्म क्या है उसको टटोल लेना चाहिए। ज्ञान को जानो दर्शन को मानो और चारित्र से करो। सिर्फ जानने से कुछ नहीं होगा। अगर जान लिया और माना नहीं तो भी कुछ नहीं होना है। जान भी लिया मान भी लिया लेकिन किया नहीं तो भी कुछ लाभ नहीं होगा। इसलिए कहते हैं पहले जानो फिर मानो और फिर उसको अमल करो। जिसने चारित्र और सत्य को संभाला उनका भगवान भी पालन करते हैं। ऐसा करने वालों का जीवन सफल हो जाएगा। सभा में जैन कांफ्रेंस के निवर्तमान अध्यक्ष पुखराज मेहता, वसंत राज रांका और सुरेश बोहरा की विशेष उपस्थिति रही। काफी लोगों ने तीन उपवास की तपस्या के पच्चखान किये। आगे भी तपस्या जारी रहेगी। संभावना सुरेश कुमार, आशीष कुमार दोसी की तरफ से रही। सभी का स्वागत संयोजक नेमीचंद लुंकड़ ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

खेल प्रतियोगिता का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गर्मी की छुट्टियों के बाद जब छात्र स्कूल जाना शुरू करते हैं और शैक्षणिक वर्ष शुरू होता है, तो शिक्षा विभाग उनके उत्साह और शारीरिक तंदुरुस्ती को बढ़ाने के लिए खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। दर्जनों स्कूलों की भागीदारी वाले संकुल स्तर पर आयोजित होने वाले इन खेलकूद प्रतियोगिताओं से बच्चों में शारीरिक गतिविधि के कारण एक नया उत्साह पैदा होता है और वे स्कूल आने के लिए आकर्षित होते हैं। ऐसी ही एक खेलकूद प्रतियोगिता हेसरघट्टा के निकट सोनेनहल्ली संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में, बेंगलूरु उत्तर क्षेत्र के चतुर्थ हेसरघट्टा स्थित सरकारी स्कूल के प्रांगण में आयोजित की गई। विजयनगर मारुति मेडिकल्स के गोसेवक महेंद्र मुणोत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और उन्होंने बच्चों को प्रमाण पत्र, पदक और पट्टिकाएँ वितरित कीं। मंच पर बोलते हुए मुणोत ने कहा खेल केवल हार जीत का खेल नहीं है, यह एक ऐसी गतिविधि है जो शारीरिक और मानसिक शक्ति को बढ़ाती है और साथ ही एक ऐसा कार्य है जो आपसी मित्रता और सह अस्तित्व को भी बढ़ाता है। शिक्षा अधिकारी वेंकटचल और अन्य शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

श्रीकृष्ण का जीवन चरित्र आज भी हमे देता है प्रेरणा: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित पर्युषण के तीसरे दिन प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन चरित्र आज भी हमे प्रेरणा देता है। वे तीन खंड के अधिपति होने के बावजूद नित्य प्रति अपनी माता के चरण स्पर्श करते थे। मां वात्सल्य की सजीव साक्षात मूर्ति होती है। मां के पास अपनी संतान के लिए आशीर्वाद का अनंत खजाना होता है। मां प्रकृति की अनमोल कृति होती है। मां हमारी पहली गुरु होती है। मां हमे नवकार सिखाती है। हमारा कर्तव्य है कि हम कुछ समय प्रतिदिन माता पिता के पास बैठे। उनके सुख दुख पूंछे। माता पिता हमसे समय के सिवाय कुछ नही मांगते हैं। माता पिता के चरणों में शीश झुकाने से जो उन्हें आनंद की अनुभूति होती है वह अन्य किसी प्रयास से नहीं हो सकती है। आशीर्वाद के बिना हम फूल तो सकते हैं किंतु फल नही सकते हैं। प्रकृति भी मां के साथ होती है। गर्भ में शिशु के आते ही ऐसी व्यवस्था हो जाती है कि बालक कभी भूखा नही रहे। श्रीकृष्ण ने अपनी माता को प्रसन्न करने के लिए तपस्या तक की थी। आज के प्रवचन विषय 'छोड़ सब जंजाल ' विषय पर महासती श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि इस संसार में दुख प्रचुर मात्रा में है। यह जगत जैसा दिखता है वैसा नहीं है। हम अपने आप को इतना सीमित कर लें कि हमारी दुर्गति नहीं हो। हम प्रतिक्रमण रोज करें। अन्तराय कर्म से बचें। धर्म, दान या दीक्षा लेने के इच्छुक के मार्ग में बाधक नहीं बने। इस अध्रुव अशाश्वत संसार में हालात बाद में खराब होते हैं, पहले अपने खयालात खराब होते हैं। अच्छे भाव से हम हम अपने भव को सुधारें। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने बताया कि शनिवार को अच्छा परिवार प्रवचन का विषय रहेगा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया।

पर्युषण के तृतीय दिवस अभिनव सामायिक का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पर्वाधिराज पर्युषण के तृतीय दिवस सामायिक दिवस के दिन अभातेयुप निर्देशित अभिनव सामायिक का आयोजन अर्हम भवन में साध्वी श्री संयमलता जी के पावन सानिध्य में अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में तेयुप विजयनगर, राजाजीनगर एवं हनुमंतनगर द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। सर्वप्रथम साध्वी ने नमस्कार महामंत्र द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की, सामायिक दिवस पर मंगलाचरण तीनों परिषद् द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। पवन मांडोत ने अभिनव सामायिक का महत्व बताते हुए सभी का स्वागत किया, तेयुप अध्यक्ष विकास बाँठिया एवं स्वरुप चोपडा ने अभिनव सामायिक की शुभकामनाएं दी। इसके पश्चात साध्वी मार्दव जी ने अभिनव सामायिक का प्रयोग करवाया। सर्वप्रथम त्रिपदी वंदना से अभिनव सामायिक की शुरूआत की गई। उसके पश्चात अ.सि.आ.उ.सा का जाप, दस मिनट ध्यान का प्रयोग, स्वाध्याय में अजितनाथ भगवान की गीतिका का संगान, त्रिगुप्ती साधना परमेष्ठी वंदना का संगान तथा अंत में एक बार फिर से त्रिपदी वंदना कर अभिनव सामायिक का प्रयोग संपन्न किया गया। साध्वी संयम लता जी ने फरमाया कि जैन साधना पद्धति का केंद्र बिंदु है सामायिक। इस अवसर पर अणु विभा राष्ट्रीय संगठनमंत्री राजेश चावत, राजाजीनगर सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, महिला मंडल विजयनगर अध्यक्षा महिमा पटावरी, तेयुप विजयनगर शाखा प्रभारी रोहित कोठारी, अर्हम मित्र मंडल मंत्री विनोद पारख, तेयुप विजयनगर, राजाजीनगर एवं हनुमंतनगर के पदाधिकारी तेयुप विजयनगर के चातुर्मास के दौरान कार्यशालाओं के प्रायोजक मनोहरलाल बाबेल एवं श्रावक श्राविका समाज की उपस्थिति रही।

कर्तव्य पलायन नहीं, किंतु कर्तव्य परायण बनें: आचार्यश्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विश्ववत्सल, अनंत उपकारी शास्त्रकार परमर्षि के वचनों को बताते हुए आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जीवन तब ही धर्ममय बनता है जब वह कर्तव्यों के पालन से अनुप्राणित हो। श्रावक जीवन में जैसे दैनिक व रात्रिकालीन कर्तव्य बताए गए हैं, वैसे ही वार्षिक कर्तव्यों का भी शास्त्रों में विस्तृत उल्लेख मिलता है। माधवनगर स्थित श्री वासुपूज्य स्वामी जैन मंदिर में अपने प्रातःकालीन प्रवचन में आचार्य श्री ने विशेष रूप से ग्यारह वार्षिक कर्तव्यों का विस्तृत वर्णन किया और उन्हें आत्मशुद्धि व मोक्ष मार्ग का सेतु बताया।

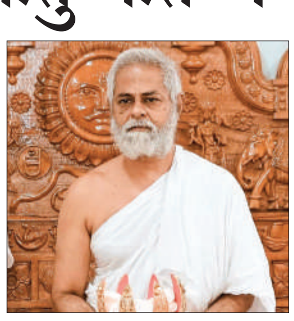

स्नात्र पूजा भगवान के जन्म कल्याणक का प्रतीक, आत्मा की मलिनता धोने का साधन है। देव द्रव्य वृद्धि देवकार्य हेतु धन समर्पण, प्राचीन तीर्थों के जीर्णोद्धार में अधिक पुण्यफल की प्राप्ति है। महापूजा समग्र जिन चैत्यालय की भव्य सजावट, जिससे दर्शनार्थी के हृदय में वीतराग प्रभु के प्रति गहन भाव जागृत हो। रात्रि जागरण विषय-विलास में न फँसकर प्रभुभक्ति, धर्मचिंतन व गुणगान में रात्रि का समर्पण है। श्रुत ज्ञान भक्ति शास्त्रों का लेखन, पठन-पाठन, संरक्षण व प्रचार-प्रसार है। इसी प्रकार से अन्य कर्तव्य होते हैं। आचार्य श्री ने कहा कि इन ग्यारह कर्तव्यों को मोक्षाभिलाषी आत्मा को वर्ष में कम से कम एक बार अवश्य आचरण में लाना चाहिए, तभी जीवन सफल और सार्थक बन सकता है।

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सवादत्ती येल्लम क्षेत्र के विकास के लिए 230 करोड़ रुपये की परियोजना... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 23 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-233

अखबार एवं व्यापार जगत के पुरोधा और प्रमुख समाजसेवी का महानिर्वाण

शुभ-लाभ प्रकाशन समूह के अभिभावक श्री गोपाल अग्रवाल नहीं रहे

हैदराबाद, 22 अगस्त (ब्यूरो)।

शुभ-लाभ प्रकाशन समूह के अभिभावक एवं आर.एन मेटल्स प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद, बसई स्टील्स पावर प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद एवं बेल्लारी और श्री खाटू श्याम इस्पात उद्योग एलएलपी हैदराबाद के कर्ताधर्ता श्री गोपाल अग्रवाल नहीं रहे। मात्र 68 वर्ष की उम्र में श्री अग्रवाल आज 22 अगस्त 2025 को दिवंगत हो गए। श्री गोपाल अग्रवाल के निधन पर समाजसेवियों, राजनीतिकों, व्यापारियों, पत्रकारों, अखबारकर्मियों और नागरिकों ने बड़ी संख्या में शोक ज्ञापित किया है। शनिवार प्रातः 9.30 बजे पुराना पुल श्मशान वाटिका में उनका अंतिम संस्कार सम्पन्न होगा।

सम्पूर्ण समाज में शोक व्याप्त, अंतिम संस्कार आज

स्व. श्री नथमल जी अग्रवाल और स्व. श्रीमती माली बाई के सुपुत्र श्री गोपाल अग्रवाल ने व्यापार के साथ-साथ सामाजिक जगत में अपना प्रतिष्ठापूर्ण स्थान बनाया और उन्हें सामाजिक, राजनीतिक और व्यापारिक जगत ने अशेष सम्मान दिया। महत्वपूर्ण हस्तियों ने श्री अग्रवाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और कहा कि उनके जाने से समाज को अपूरणीय क्षति पहुंची है। श्री गोपाल अग्रवाल के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में वरिष्ठ राजनेता हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय, मलकाजगिरी के सांसद श्री ईटेला राजेंद्र, कैंट के विधायक श्री गणेश, प्रख्यात चिकित्सक डॉ. मोहन गुप्ता, अर्थ विशेषज्ञ महेश कुमार बंग, जनसम्पर्क विशेषज्ञ डॉ. अजय अग्रवाल, कंपनी के निदेशक श्री अरुण कुमार, प्रमुख समाजसेवी एवं व्यापारी किरण तायल समेत तमाम पत्रकार, समाजसेवी और तेलंगाना एवं कर्नाटक के प्रमुख उद्योगपति शामिल हैं। ▶10 पर

टैरिफ विवाद पर चीन के राजदूत ने अमेरिका पर किया पलटवार

चुप रहे तो धमकी देने वालों को मिलेगी ताकत

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

चीन ने अमेरिका के टैरिफ नीति की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि वह इस प्रकार के टैरिफ का पूरी तरह से विरोध करता है। चीन का कहना है कि यह अमेरिका की एकतरफा और अनुचित व्यापार नीति है, जो वैश्विक व्यापार की व्यवस्था को नुकसान पहुंचा सकती है। अमेरिका के भारत पर लगाए गए दोगुने टैरिफ को लेकर अब चीन खुलकर भारत के पक्ष में खड़ा हो गया है। चीन ने भारत के समर्थन में एक सख्त और स्पष्ट संदेश दिया है। भारत में चीन के राजदूत शू फीहोंग ने कहा, अमेरिका लंबे समय से मुक्त व्यापार से लाभ उठाता रहा है, लेकिन अब वह टैरिफ को सौदेबाजी के हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे में चुप्पी केवल धमकाने वाले को और हिम्मत देती है। चीन भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।

नई दिल्ली के थिंक टैंक चिंतन रिसर्च फाउंडेशन और सेंटर फॉर ग्लोबल इंडिया इनसाइट्स की ओर से आयोजित कार्यक्रम में चीनी राजदूत फीहोंग ने कहा कि भारत और चीन प्रतिद्वंद्वी नहीं बल्कि साझेदार हैं। दोनों देशों को आपस में रणनीतिक विश्वास और सहयोग को बढ़ाना चाहिए। चीन ने अमेरिका के टैरिफ नीति की तीखी आल-ोचना करते हुए कहा कि वह इस प्रकार के टैरिफ का पूरी तरह से विरोध करता है।

चीन ने कहा, भारत-चीन प्रतिद्वंदी नहीं, साझेदार हैं

पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से बात की

चीन के राजदूत शू फीहोंग ने इस मुद्दे पर कहा कि अमेरिका विभिन्न देशों से अत्यधिक कीमतें वसूलने के लिए दबाव बना रहा है और भारत पर लगाए गए टैरिफ इसी नीति का हिस्सा है। राजदूत फीहोंग ने यह भी कहा कि वह विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) जैसे बहुपक्षीय व्यापार ढांचे की रक्षा के लिए भारत का समर्थन करेगा। यह बयान भारत और चीन के बीच बढ़ते सहयोग और रणनीतिक साझेदारी को भी दर्शाता है।

चीन सरकार की मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स अब भारत के साथ दोस्ती और विकास की बातें खुल कर करने लगा है। ट्रंप के टैरिफ के बीच चीन अब भारत के साथ अपनी दोस्ती पक्की करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता है। 6 अगस्त को ग्लोबल टाइम्स ने भारत-चीन रिश्ते को प्रगाढ़ करने वाला एक लेख प्रकाशित किया था। इसके अलावा भारत स्थित चीन के दूतावास की प्रवक्ता यू जिंग ने भी सोशल मीडिया पर उक्त लेख शेयर करते हुए उन्होंने हाथी और ड्रैगन की दोस्ती दिखाने वाली तस्वीर ▶10 पर

उपराष्ट्रपति पद के विपक्षी प्रत्याशी पर अमित शाह का प्रहार

सुदर्शन रेड्डी नक्सलवाद के समर्थक हैं

कोच्चि, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पूर्व न्यायाधीश बी सुदर्शन रेड्डी नक्सलवाद के समर्थक रहे हैं। नक्सलियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ में चले सलवा जुडूम अभियान पर अगर रेड्डी ने उस समय रोक नहीं लगाई होती तो देश से नक्सलवाद तभी समाप्त हो गया होता। गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रेड्डी पर करारा प्रहार करते हुए यह धमाकेदार बात कही। अमित शाह ने सलवा जुडूम पर 2011 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र करते हुए उन्हें आड़े हाथों लिया। शाह ने कहा कि सुदर्शन रेड्डी नक्सलवाद की विचारधारा से प्रेरित हैं। उन्होंने नक्सलवाद की मदद की है। विपक्ष ऐसे ही लोगों को पसंद करता है जो भारत को नापसंद करते हैं। अमित शाह ने कहा कि विपक्ष का काम केवल देश में अराजकता फैलाना रह गया है।

अमित शाह ने शुक्रवार को कोच्चि में एक मीडिया समूह के आयोजन में कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जिस तरह से उपराष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार का चुनाव किया है, उससे केरल में उसकी जीत की संभावना और कम हो गई है। अमित शाह ने कहा कि केरल ने नक्सलवाद का दंश झेला है। केरल की जनता निश्चित रूप से देखेगी कि कांग्रेस पार्टी, वामपंथी दलों के दबाव में, एक ऐसे उम्मीदवार को मैदान में उतार रही है, जो नक्सल विचारधारा से प्रेरित हैं।

पूर्व जस्टिस रेड्डी के फैसले से देश में नक्सलवाद फला-फूला

विपक्ष का काम केवल देश में अराजकता फैलाना रह गया है

अमित शाह ने संसद में पिछले दिनों पेश किए गए भ्रष्टाचार एवं अपराध विरोधी तीन विधेयकों का भी जिक्र किया और कहा, इन विधेयकों को लेकर कुछ और कहने की जरूरत नहीं है। मैंने संसद में देश की जनता से पूछा है कि क्या वे चाहते हैं कि प्रधानमंत्री जेल से सरकार चलाएं? यह कैसी बहस है? यह नैतिकता का सवाल है। अब वे पूछ रहे हैं कि इसे पहले संविधान में क्यों नहीं शामिल किया गया। जब संविधान का मसौदा तैयार किया गया था, तब यह अनुमान नहीं लगाया गया था कि जेल जा चुके लोग निर्वाचित पदों पर बने रहेंगे। अमित शाह ने कहा, बीते वक्त में ऐसी घटना हुई है, जिसमें एक मुख्यमंत्री ने जेल से सरकार चलाई। ऐसी स्थिति में क्या संविधान में संशोधन नहीं किया जाना चाहिए? उस समय भाजपा की सरकार भी सत्ता में थी, लेकिन हमें ऐसी स्थिति का सामना कभी नहीं करना पड़ा। ▶10 पर

वोटर सूची को लेकर विपक्षी दलों की ढिलाई पर सुप्रीम कोर्ट हैरान

विपक्ष की सारी सक्रियता केवल हो-हल्ला करने में

नई दिल्ली, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर हैरानी जाहिर की है कि राजनीतिक पार्टियां मतदाता सूची से बाहर किए गए 65 लाख लोगों के नामों पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए आगे नहीं आई। सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक पार्टियों की निष्क्रियता पर हैरानी जताई। सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने बताया कि 85 हजार नए मतदाता वोटर लिस्ट में जोड़े गए हैं। साथ ही चुनाव आयोग ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों के बूथ लेवल एजेंट्स के जरिए अभी तक सिर्फ दो आपत्ति दर्ज कराई गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एसआईआर के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई की। इस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर हुए हैं, वे ऑनलाइन तरीके से आवेदन कर सकते हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने आवेदनकर्ताओं को आधार कार्ड के साथ ही 11 अन्य दस्तावेजों के साथ आवेदन करने की मंजूरी दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कोई भी व्यक्ति खुद से या राजनीतिक पार्टियों के बूथ लेवल एजेंट्स की मदद से ऑनलाइन आवेदन कर सकता है और उन्हें भौतिक तौर पर फार्म जमा करने की जरूरत नहीं है। अदालत ने कहा कि आ-वेदन में फार्म 6 के साथ आवेदक आधार कार्ड समेत 11 दस्तावेजों में से कोई भी दस्तावेज जमा कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि बिहार की सभी 12 राजनीतिक पार्टियों को अपने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश जारी करने चाहिए कि वे लोगों की मदद करें, उन्हें जागरूक करें, ताकि लोग मतदाता सूची से नाम कटने की स्थिति में ऑनलाइन आवेदन कर सकें।

आधार कार्ड के साथ 11 अन्य दस्तावेज आवेदन के लिए जरूरी

पीठ ने कहा कि सभी राजनीतिक पार्टियों को अगली सुनवाई पर स्टेटस रिपोर्ट जमा करनी होगी, जिसमें उन्हें बताना होगा कि उन्होंने कितने लोगों की ऑनलाइन फॉर्म भरने में मदद की। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई अब 8 सितंबर को तय की है। पीठ ने चुनाव अधिकारियों से ये भी कहा कि बूथ लेवल एजेंट्स द्वारा आवेदन कराए जाने पर उन्हें एक पर्ची भी दी जाए। ▶10 पर

तृणमूल कांग्रेस पर प्रधानमंत्री मोदी का करारा हमला

बंगाल में केंद्र का पैसा टीएमसी कैडर पर खर्च होता है

बंगाल को 5,200 करोड़ की विकास परियोजनाओं का तोहफा

कोलकाता, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान टीएमसी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, राज्य में स्थिति पहले से भी बदतर हो गई है। बहन-बेटियों पर अत्याचार, अपराध, भ्रष्टाचार बढ़ गया है। जब तक बंगाल में टीएमसी की सरकार रहेगी, बंगाल का विकास बाधित रहेगा। पीएम मोदी ने कोलकाता मेट्रो के तीन नए रूट का शुभारंभ किया और इसके बाद जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने बंगाल को करीब 5,200 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का तोहफा दिया। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 1,02,300/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 1,16,022/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29^0

न्यूनतम : 22^0

असम में रोहिंग्या और बांग्लादेशियों की घुसपैठ पर सख्ती

अब 18 वर्ष से ऊपर वालों का नहीं बनेगा आधार कार्ड

गुवाहाटी, 22 अगस्त (एजेंसियां)।

असम में घुसपैठियों से निपटने के लिए सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। असम सरकार ने फैसला किया है कि 18 साल से अधिक उम्र के लोगों का अब आधार कार्ड नहीं बनाया जाएगा। कुछ समुदायों को कुछ समय के लिए इससे छूट दी गई है।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने बताया कि यह फैसला अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को आधार कार्ड मिलने से रोकने के लिए लिया गया है। यह निर्णय अक्टूबर के पहले सप्ताह से लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी का आधार कार्ड नहीं है तो वह सितंबर के महीने में इसके लिए आवेदन कर सकता है। वहीं, अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और चाय बागान समुदाय से जुड़े लोग अगले एक वर्ष तक आधार कार्ड बनवा सकेंगे।

सीएम हिमंत ने बताया कि राज्य में आधार सैचुरेशन 103 प्रतिशत हो गया है, जिसका मतलब है कि कोई भी 18 वर्ष से ऊपर का व्यक्ति बिना आधार कार्ड के नहीं बचा है। आधार सैचुरेशन 103 प्रतिशत होने का मतलब है कि अगर 100 लोगों की जनसंख्या है तो 103 आधार कार्ड जारी कर दिए गए हैं। इसमें बांग्लादेशी घुसपैठियों को भी आधार कार्ड दिए गए हैं। सीएम ने कहा कि एससी, एसटी और चाय बागान समुदायों को इससे छूट दी गई है क्योंकि उनके बीच आधार का सैचुरेशन 96 प्रतिशत है यानी 4 प्रतिशत लोगों को अभी भी कवर किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कोई भी अवैध विदेशी असम में प्रवेश करके आधार कार्ड प्राप्त न कर सके और भारतीय नागरिक होने का दावा न कर सके। हमने वह रास्ता पूरी तरह से बंद कर दिया है।

कुछ समुदायों को कुछ समय के लिए दी गई हैं छूट

सीएम हिमंत ने स्पष्ट कर दिया कि दुर्लभतम मामलों में जिला आयुक्त (डीसी) को आधार कार्ड जारी करने का अधिकार होगा। उन्होंने कहा, एक महीने के बाद उप जिला आयुक्त या सर्किल ऑफिसर आधार कार्ड जारी नहीं कर पाएंगे। केवल डीसी के पास यह अधिकार होगा। आधार कार्ड जारी करने से पहले डीसी को स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट और विदेशी न्यायाधिकरण की रिपोर्ट की जांच करनी होगी।

असम में बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ एक बड़ी समस्या है। घुसपैठिए स्थानीय लोगों की मदद से आधार कार्ड जैसे दस्तावेज बनवा लेते हैं और फिर उनका इस्तेमाल कर अन्य कागजात भी उन्हें मिल जाते हैं। सीएम हिमंत के इस फैसले के बाद अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के लिए असम में आधार कार्ड हासिल करना ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

सवादत्ती येल्लम क्षेत्र के विकास के लिए 230 करोड़ रुपये की परियोजना: एच.के. पाटिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पर्यटन मंत्री एच.के. पाटिल ने विधान परिषद को बताया कि राज्य के ऐतिहासिक बेलगावी जिले में स्थित सवदत्ती यल्लमा क्षेत्र के विकास के लिए 230 करोड़ रुपये की लागत से एक परियोजना तैयार की गई है, जो दिसंबर 2026 तक पूरी हो जाएगी। कर्नाटक पर्यटन व्यापार (सुविधा और विनियमन) अधिनियम विधेयक पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सवदत्ती यल्लमा राज्य का सबसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। देश-विदेश से श्रद्धालु यहाँ आते हैं। हमने आने वाले श्रद्धालुओं को न्यूनतम बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करने के लिए 230 करोड़ रुपये की परियोजना तैयार की है। जिला कलेक्टर के नेतृत्व में एक समिति का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही निविदाएँ आमंत्रित की जाएँगी। हमने सवदत्ती यल्लमा क्षेत्र के विकास के लिए धनराशि उपलब्ध कराने हेतु केंद्र सरकार को एक प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह परियोजना दिसंबर 2026 तक पूरी हो जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को लाभ होगा। इसी तरह, कोप्पल जिले के गंगावती तालुक में अंजनाद्री पर्यटन स्थल का विकास किया जाएगा। कुल 11 रोपवे (केबल कार) लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए एक कार्ययोजना तैयार की गई है। शक्ति योजना के बाद, पर्यटन स्थलों पर आने वाले लोगों की संख्या दोगुनी हो गई है। उन्होंने बताया कि महिलाएँ विशेष रूप से बड़ी संख्या में भाग ले रही हैं। हम केवल लाभ-हानि को ध्यान में रखकर पर्यटन स्थलों का विकास नहीं कर रहे हैं। बल्कि, हम कन्नड़ लोगों और बच्चों को पहले यहाँ के स्थलों को देखना चाहिए। बहुत से लोगों ने वे स्थान नहीं देखे हैं जिन्हें हमने देखा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अगर यहाँ के लोग पहले देखेंगे, तो विकास अपने आप हो जाएगा। गदग के कप्पाटगुड्डा में बुनियादी सुविधाएँ प्रदान करने के परिणामस्वरूप, अकेले रविवार को 4 लाख रुपये का पार्किंग शुल्क वसूला जाता है। पर्यटन विकास का मतलब समुद्र तटों और रेस्टोरेंट का विकास करना नहीं है। विदेशों की पर्यटन नीति अलग है।

हमारी पर्यटन नीति अलग है। वहाँ के लोगों के रीति-रिवाज, विचार और संस्कृति अलग हैं। यहाँ के रीति-रिवाज और विचार अलग हैं। उन्होंने कहा कि एक की दूसरे से तुलना करना उचित नहीं है।

पर्यटन से राजकोष को कोई बड़ा लाभ नहीं हुआ है। ज्यादा से ज्यादा 5 से 8 प्रतिशत का लाभ हो सकता है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि हमारे पर्यटन स्थल अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर हैं। इससे पहले, नवीन इवान डिसूज़ा, एच. विश्वनाथ, हेमलता नायक, बी.एच. पूजार और अन्य सदस्यों ने इस विधेयक पर अपनी बात रखी। बाद में, कर्नाटक पर्यटन व्यापार (सुविधा और विनियमन) विधेयक-2015, जिसका उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना और संयुक्त भागीदारी योजना के तहत एक व्यवस्था स्थापित करना है, को विधान परिषद ने मंज़ूरी दे दी। पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ, यह विधेयक पर्यटन स्थलों की स्वच्छता और सुरक्षा को भी प्राथमिकता देता है। पर्यटन स्थलों पर बहुभाषी विशेषज्ञता वाले गाइड नियुक्त किए जाएँगे। उन्हें उचित प्रशिक्षण दिया जाएगा। पर्यटन स्थलों के तत्काल विकास कार्यों के लिए संबंधित जिला कलेक्टरों के माध्यम से धनराशि भी जारी की जा रही है। इससे पहले, कर्नाटक पर्यटन व्यापार (सुविधा और विनियमन) विधेयक-2015 विधान परिषद में पारित किया गया था। इस विधेयक का उद्देश्य पर्यटन को बढ़ावा देना, सार्वजनिक-निजी भागीदारी को समर्थन देना और पर्यटन व्यापार को विनियमित करना है।

कर्नाटक सरकार ने लंबित यातायात जुर्माने पर 50 प्रतिशत छूट की घोषणा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लंबे समय से बकाया जुर्माने वाले वाहन मालिकों को राहत देते हुए, राज्य सरकार ने एक बार फिर यातायात उल्लंघन के जुर्माने में 50 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की है। एक आधिकारिक आदेश जारी कर सीमित अवधि के लिए यह छूट दी गई है। इससे पहले, सरकार ने इसी तरह की छूट योजना शुरू की थी, जिसके तहत बकाया जुर्माने की अच्छी-खासी राशि वसूल की गई थी। इसकी सफलता के बाद, सरकार ने अब इस योजना को फिर से शुरू किया है, जिससे वाहन चालक शनिवार से 9 सितंबर के बीच जुर्माने की आधी राशि का भुगतान करके अपना बकाया चुका सकते हैं। राज्य परिवहन विभाग की अवर सचिव पुष्पा वी.एस. द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, यह योजना 12 सितंबर तक प्रभावी रहेगी। आदेश में कहा गया है कि यह छूट केवल पुलिस विभाग की ई-चालान प्रणाली के तहत 11 फरवरी, 2023 तक दर्ज मामलों पर ही लागू होगी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह पेशकश उन लोगों के लिए है जिन्होंने कई वर्षों से अपना जुर्माना नहीं भरा है। 12 फरवरी, 2023 के बाद दर्ज किए गए उल्लंघनों के लिए, अगले वर्ष इसी प्रकार की छूट योजना पर विचार किया जा सकता है।

ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी से जुड़ा पीएमएलए मामला

कांग्रेस विधायक वीरेंद्र और अन्य पर ईडी की छापेमारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रवर्तन निदेशालय ने ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी से जुड़े पीएमएलए मामले में कर्नाटक कांग्रेस विधायक के.सी. वीरेंद्र और अन्य के परिसरों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार वीरेंद्र कर्नाटक विधानसभा में चित्रदुर्ग निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। माना जाता है कि विधायक की गोवा के कैसीनो व्यवसायों में हिस्सेदारी है, जिसमें पप्पीज अंदर बाहर कैसीनो भी शामिल है। वीरेंद्र ने 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान पहली बार चित्रदुर्ग सीट जीती थी। 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस में शामिल होने से पहले वह जद(एस) में थे। उन्हें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का करीबी माना जाता है। वह कन्नड़ फिल्म अभिनेता डोड्डना के दामाद हैं।

बेंगलूरु में 'बी' खातों को 5.5 प्रतिशत शुल्क के साथ 'ए' खातों में किया जाएगा परिवर्तित: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि राजधानी बेंगलूरु में 7.5 लाख बी खातों को 5.5 प्रतिशत ब्याज दर पर ए खातों में बदला जाएगा।

राज्य में विकास और धन आवंटन पर विधानसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि डेवलपर्स केवल भूखंडों का ही रूपांतरण कर रहे हैं। सड़कें और अन्य क्षेत्र भूमि के मूल मालिकों के नाम पर ही रहते हैं, जिससे भूखंड खरीदने वालों के लिए संपत्ति विवाद अक्सर समस्या बन जाते हैं। उनकी सरकार के सत्ता में आने के बाद, हमने बेंगलूरु की सभी सड़कों को सरकारी सड़कें घोषित कर दिया है। उन्होंने कहा कि विकास शुल्क वसूल कर 7.5 लाख बी खातों को ए खातों में बदला जाएगा। इस अवसर पर विधानसभा उपाध्यक्ष रुद्रप्पा लम्मानी, जो विधानसभा अध्यक्ष भी थे, ने सुझाव दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई समस्याएं हैं, इसलिए ए और बी खातों के बीच की उलझन को दूर किया जाना चाहिए। शहरी विकास मंत्री बैरती सुरेश ने हस्तक्षेप किया और कहा नगर पालिकाओं और नगर परिषदों में बी खाते वितरित करने के लिए मंत्री ईश्वर खंड्रे की अध्यक्षता में एक मंत्रिमंडलीय उप-समिति का गठन किया गया है। पंजीकृत संपत्तियों को बी खाते प्रदान करने और भवन निर्माण योजनाओं को मंज़ूरी देने के लिए विधि विभाग की राय मांगी गई है। उन्होंने कहा कि वहाँ से सलाह मिलने के बाद बी खातों की व्यवस्था की जाएगी। उत्तर देते हुए डी.के. शिवकुमार ने कहा कि न केवल शहरी स्थानीय निकायों में, बल्कि पंचायत स्तर पर भी बी खातों की व्यवस्था की जाएगी। बेंगलूरु के विकास में उल्लेखनीय सुधार किए जा रहे हैं। सभी दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। शहर में 25 लाख संपत्तियाँ हैं और उन सभी को आधार संख्या से जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में पंजीकरण के लिए आधार लिंकिंग अनिवार्य होगी। ई-खाता आंदोलन अभी भी जारी है। पिछले जुलाई से चल रहे ई-खाता आंदोलन में अब तक 7.2 लाख खाते वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में ई-खाते घर के मालिकों के घर तक पहुँचाए जाएँगे। पूर्व में स्व-घोषित संपत्ति कर प्रणाली में खामियाँ थीं। इसे दूर करने के लिए, उन्होंने कहा कि कर प्रणाली को कम्प्यूटरीकृत किया जाएगा और लीकेज को रोका जाएगा। इन दस्तावेजों में भवन की तस्वीरें और मालिक की तस्वीरें कम्प्यूटरीकृत दस्तावेजों में शामिल की जाएँगी। आने वाले दिनों में कोई भी नकली दस्तावेज बनाकर धोखाधड़ी नहीं कर पाएगा। जो लोग घर बनाने जा रहे हैं, उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे बचने के लिए, सूचीबद्ध इंजीनियरों और वास्तुकारों को भवन निर्माण के लिए प्रमाणित मानचित्र ऑनलाइन जमा करने की अनुमति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि अब तक 9,000 योजनाओं को मंज़ूरी दी जा चुकी है।

पर्युषण पर्व में आत्मा को सजाना है: मुनिराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चिकपेट श्रीसंघ में विराजित परम पूज्य मुनिराज श्री आर्यशेखरविजयजी ने पर्युषण महापर्व के तीसरे दिन साधर्मिक भक्ति एवं क्षमापना पर कहा कि दीपावली में हम घर को सजाते हैं, रंगोली करते हैं ठीक वैसे ही पर्युषण पर्व में आत्मा को सजाना है। तपस्या की रंगोली करनी है। जिनेश्वर के भक्ति की रंगोली करनी है। पर्व के तीसरे दिन के प्रवचन में लक्ष्मीसुरीजी महाराजा ने साधर्मिक भक्ति की बात करते हुए बताया कि एक पलड़े में सारे धर्म रखें जिन पूजा, सामायिक, जीवदया, अनुकंपा, प्रतिक्रमण और दूसरे पलड़े में केवल साधर्मिक भक्ति को रखेंगे तो साधर्मिक भक्ति वाला पलड़ा झुक जायेगा। महाराजा भरत चक्रवर्ती 365 दिन साधर्मिक भक्ति करते थे। एक गांव की बात है करोड़ पतियों का गांव था। एक सेठ ने भगवान से पूछा मुझे आपके सभी साधु भगवंत की भक्ति करनी है मुझे यह लाभ कैसे मिलेगा? भगवान ने कहा कच्छ भद्रेश्वर में विजयसेठ और विजया सेठानी हैं उनकी भक्ति करें उतना ही लाभ मिल जाएगा। जीवन में सुखानुबंध, ऋणानुबंध से भी अधिक लाभ गुणानुबंध में है। दूसरों के गुणों का अनुबंध करें। शास्त्रों के अनुसार श्रेष्ठ दानों में अभयदान, सुपात्रदान, अनुकंपादान बताए गए हैं, परंतु साधर्मिक के लिए दान शब्द का उपयोग नहीं बल्कि भक्ति करने को कहा है।

सागर का पानी खारा होता है, लेकिन सूर्य की गर्मी से ऊपर चढ़कर बादल बनता है और फिर से नीचे मीठा बनकर बरसता है। वैसे हमे भी अपनी लक्ष्मी को अच्छे कामों में खर्च करनी चाहिए। श्री संघ में कल्पसूत्र के चढ़ावे हुए।

मनोहरमल घेवरचंद श्रीश्रीमाल परिवार के घर पर सरत वालो के घर पर वाजते गाजते चतुर्विध संघ साधु साध्वीजी के साथ ले जाया गया।

कर्नाटक विधानसभा सत्र : सीएम सिद्धरामैया ने भाजपा शासित राज्यों में हुई 20 भगदड़ की घटनाओं को याद किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को भाजपा शासित राज्यों में हुई 20 भगदड़ की घटनाओं को याद किया और 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ पर चर्चा के दौरान इस घटना के लिए 'सामूहिक उन्माद' को जिम्मेदार ठहराया। इस भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई थी। मुख्यमंत्री ने भगदड़ की घटनाओं की सूची पढ़ी, जिसमें 3 अगस्त, 2008 को हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिले के नैना देवी मंदिर में हुई भगदड़ शामिल थी, जब प्रेम सिंह धूमल मुख्यमंत्री थे। इसके बाद 2008 में जोधपुर में हुई भगदड़ का ज़िक्र किया गया, जिसमें 250 लोग मारे गए थे। गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा कि अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी आईपीएल विजेताओं को सम्मानित किया है और ट्रॉफी प्रदान की है। उन्होंने जिन अन्य भगदड़ की घटनाओं का ज़िक्र किया, उनमें 2013 में रतनगढ़, 2021 में हरिद्वार, 2023 में मध्य प्रदेश के सीहोर और 2024 में उत्तर प्रदेश के हाथरस में हुई भगदड़ शामिल हैं, जिनमें 121 लोग मारे गए थे। उन्होंने इस साल जनवरी में कुंभ मेले के दौरान प्रयागराज में हुई भगदड़ का भी ज़िक्र किया, जिसमें 39 लोगों की जान चली गई थी।

मुख्यमंत्री ने 2022 में गुजरात के मोरबी पुल के ढहने की घटना का भी ज़िक्र किया, जिसमें 135 लोग मारे गए थे। मुख्यमंत्री ने कहा मेरे 42 साल के राजनीतिक जीवन में ऐसी घटना कभी नहीं हुई। मैंने कभी भगदड़ में 11 लोगों को मरते नहीं देखा। मुझे बहुत दुख हुआ है। मैंने उसी दिन अपना दुख व्यक्त किया था। उन्होंने कहा कि लोगों ने आईपीएल मैच में आरसीबी की जीत को बेंगलूरु का गौरव माना। भगदड़ के पीछे इसी से पैदा हुआ जन उन्माद था। सिद्धरामैया ने कहा लोकतंत्र में हमें कभी-कभी लोगों की उम्मीदों के आगे झुकना पड़ता है। यही लोकतंत्र की निशानी है। उन्होंने बताया कि उन्हें आरसीबी के विजय समारोह में शामिल होना था।

महेश शेट्टी की जमानत याचिका खारिज 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ब्रह्मवार तालुका मजिस्ट्रेट अदालत ने गुरुवार को कार्यकर्ता महेश शेट्टी की जमानत याचिका खारिज कर दी और उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

उन्हें उडुपी जिले के हिरियाडका उप-कारागार में रखा गया है, जहाँ अगली सुनवाई 23 अगस्त को होगी।

शेट्टी को ब्रह्मवार पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में उनके आवास से गिरफ्तार किया गया था, जिसमें उन पर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन सचिव बी.एल. संतोष के खिलाफ एक सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए भड़काऊ बयान देने का आरोप है। उडुपी ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष राजीव कुलाल ने शिकायत दर्ज कराई थी।

जब उन्हें बेल्टांगडी से ब्रह्मवार लाया जा रहा था, तो रास्ते में समर्थक जमा हो गए और उनके समर्थन में नारे लगाने लगे। उन्होंने करकला तालुका कार्यालय के पास सर्वज्ञ सर्कल के पास प्रदर्शन भी किया। अदालत में पेश किए जाने से पहले, शेट्टी को मेडिकल जाँच के लिए ब्रह्मवार तालुका अस्पताल ले जाया गया। उनकी हिरासत के बाद तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए, उडुपी के डिप्टी कमिश्नर ने किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ब्रह्मवार पुलिस स्टेशन के आसपास निषेधाज्ञा लागू कर दी।

मेंगलूरु में सड़क दुर्घटनाओं और अपराध के मामलों में गिरावट: डीसीपी रविशंकर

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस उपायुक्त रविशंकर ने कहा कि पिछले एक साल में मेंगलूरु शहर में सड़क दुर्घटनाओं और अपराध के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जो एक सकारात्मक प्रगति है। वे यहां दक्षिण कन्नड़ वर्किंग जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन द्वारा दक्षिण कन्नड़ बस मालिक संघ के सहयोग से आयोजित पत्रकारों के लिए निःशुल्क निजी बस पास वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा पत्रकारों को अपने पेशेवर जीवन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। फिर भी, मैंने देखा है कि वे समाज की आवाज बनकर और लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी भूमिका निभाते हुए सत्य और न्याय की रक्षा करते रहते हैं। यह सराहनीय है कि जिले के पत्रकार उन मामलों की रिपोर्टिंग में भी सावधानी बरतते हैं जिनका समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

शुभ लाभ DAILY

लखनऊ एयरपोर्ट पर पकड़ी गई ब्लैकलिस्टेड थाई महिला, फर्जी पासपोर्ट से कर रही थी सफर

लखनऊ , 22 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई हुई। इमीग्रेशन अधिकारियों ने भारत यात्रा के लिए ब्लैकलिस्टेड थाई नागरिक को हिरासत में ले लिया। सुबह करीब 8 बजे बैंकॉक जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स-106 के लिए यात्री जांच चल रही थी। इसी दौरान एक थाई महिला संदिग्ध दस्तावेजों के साथ पकड़ी गई। जांच में सामने आया कि महिला फर्जी पासपोर्ट का इस्तेमाल कर रही थी जो पहले से ही भारत में प्रवेश पर प्रतिबंधित थी।

इमीग्रेशन अधिकारी गौतम हंस श्रीवास्तव ने बताया कि पकड़ी गई महिला का नाम डारिन चोकथनपत

(फर्जी पहचान) है। उसके पासपोर्ट का नंबर एडी 2175735 है। पूछताछ में पता चला कि यह महिला 27 जुलाई, 2024 को पहले भी भारत आ चुकी है। उस समय वह थोंगफुन चयाफा नाम और पासपोर्ट संख्या एसी4874944 से यहां आई थी। वीजा नियमों का उल्लंघन करने के चलते उसे भारत सरकार ने ब्लैकलिस्ट कर दिया था। मार्च 2025 में उसे एक्जिट परमिट के आधार पर भारत छोड़ना पड़ा था।

पूछताछ के दौरान महिला ने स्वीकार किया कि जसविंदर सिंह नामक व्यक्ति ने उसे नया फर्जी पासपोर्ट बनवाने में मदद की। इस पासपोर्ट में उसका नाम और माता-पिता का नाम बदलकर दर्ज किया गया। इसके बाद वह 31 जुलाई 2025 को रक्सौल बॉर्डर से नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई। तब से वह लखनऊ के सरोजनी नगर स्थित जसविंदर सिंह के घर में रह रही थी। 13 अगस्त 2025 को ही यह जानकारी एफआरओ लखनऊ, डीसीपी इंटेलिजेंस और एडीजी इंटेलिजेंस यूपी को मिल चुकी थी। इसी आधार पर सरोजनी नगर पुलिस ने महिला और जसविंदर सिंह को हिरासत में भी लिया था। लेकिन पुलिस ने बिना मामला दर्ज किए उसे भारत छोड़ने दिया। इसके बावजूद महिला ब्लैकलिस्टेड होने के चलते जैसे ही हवाई अड्डे पर पहुंची, इमीग्रेशन अधिकारियों ने उसे रोक लिया और जांच शुरू कर दी।

थाई महिला की पूछताछ में और भी चौंकाने वाली जानकारी सामने आई। उसने बताया कि जसविंदर सिंह के साथ-साथ नवेन्दु मित्तल और शुवेन्दु निगम ने भी उसके लिए कई फर्जी पासपोर्ट तैयार करवाने में मदद की। यही लोग नेपाल के रास्ते उसके भारत आने की सुविधा भी मुहैया कराते रहे। जांच में पता चला कि महिला के पास तीन अलग-अलग पासपोर्ट हैं - एडी2175735, एसी4874944 और एडी2048560।इस मामले में एसीपी विकास पांडेय ने कहा कि इमीग्रेशन अधिकारी गौतम हंस श्रीवास्तव की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फिलहाल मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस और इंटेलिजेंस एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि फर्जी दस्तावेजों और अवैध प्रवेश के इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है।

बढ़ई के बेटे ने जल-क्रीड़ा में गोल्ड मेडल जीता

जम्मू, 22 अगस्त (ब्यूरो)। बढ़ई का काम करने वाले पिता के 17 वर्षीय बेटे मोहसिन अली कंद ने खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 में पहला स्वर्ण पदक जीता। डल झील में शिकारा चलाने से लेकर मोहसिन ने राष्ट्रीय स्तर पर इतिहास रचने तक का जज्बा दिखाया।

एसपी हायर सेकेंडरी स्कूल के कक्षा 12 के छात्र मोहसिन ने गुरुवार को खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2025 का पहला स्वर्ण पदक जीता। उसने पुरुषों की 1000 मीटर कयाकिंग स्पर्धा को 4.12.717 मिनट में पूरा किया। जैसे ही मोहसिन डल झील के पानी से बाहर निकले, उनकी आंखों से आंसू बह निकले और उन्होंने अपनी कोच, पूर्व अंतरराष्ट्रीय और ओलंपिक जज बिलकिस मीर को गले लगा लिया।

गुरेज में पर्यटकों की रिकार्ड आमद

2025 में 29,000 से ज्यादा पर्यटक आए

जम्मू, 22 अगस्त (ब्यूरो)। उत्तरी कश्मीर के बांदीपोरा जिले की सुदूर गुरेज वैली, जिसे कभी तनावपूर्ण सीमा क्षेत्र माना जाता था, भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम समझौते के बाद एक उल्लेखनीय बदलाव का गवाह बन रही है। एलओसी पार से गोलाबारी बंद होने से लंबे समय से प्रतीक्षित शांति लौट आई है, जिससे क्षेत्र में पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक पुनरुत्थान का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

बांदीपोरा जिला प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों से पता चलता है कि इस साल 26,234 स्थानीय और 3,245 गैर-स्थानीय पर्यटकों सहित कुल 29,479 पर्यटक गुरेज आए, जिससे 2025 घाटी के लिए एक रिकार्ड तोड़ मौसम बन गया है। दशकों में पहली बार, गुरेज कश्मीर के सबसे जीवंत पर्यटन स्थलों में से एक के रूप में उभरा है, जो न केवल स्थानीय लोगों को बल्कि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को भी आकर्षित कर रहा है।

कुछ महीने पहले ही, नियंत्रण रेखा पर लगातार गोलाबारी के कारण गुरेज के निवासियों को भूमिगत बंकरों में रातें बिताने के लिए मजबूर होना पड़ा था। भय के माहौल में दुकानें और बाजार बंद रहे। हालांकि, आज स्थिति पूरी तरह बदल गई है। जनजीवन सामान्य हो रहा है और अपनी प्राचीन सुंदरता के साथ यह घाटी अब हजारों पर्यटकों को आकर्षित कर रही है। पर्यटक गुरेज के मनमोहक दृश्यों, बर्फ से ढके पहाड़ों और सांस्कृतिक समृद्धि की प्रशंसा कर रहे हैं। किशनगंगा नदी के किनारे शिविरों और ट्रैकिंग ट्रेल्स ने घाटी को साहसिक उत्साही और शांति चाहने वालों, दोनों के लिए एक केंद्र बना दिया है। गुरेज के लोग अब सतर्क आशावाद के साथ आगे देख रहे हैं, उम्मीद करते हैं कि एलओसी पर नाजुक शांति बनी रहेगी, जिससे घाटी अपने निवासियों के लिए एक शांतिपूर्ण घर और यात्रियों के लिए एक फलते-फूलते गंतव्य के रूप में फल-फूल सकेगी।

आतंकियों से संबंध : दो और सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

जम्मू, 22 अगस्त (ब्यूरो)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आतंकियों से संबंध रखने वाले दो और सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया। बर्खास्त हुए कर्मियों में कुपवाड़ा के करनाह निवासी शिक्षक खुर्शीद अहमद राथर और केरन निवासी सहायक पशुपालक सियाद अहमद खान शामिल हैं। खुर्शीद और सियाद आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के लिए काम कर रहा था। कानून प्रवर्तन और खुफिया एजेंसियों को इन दोनों के खिलाफ काफी सबूत मिले हैं।

खुर्शीद अहमद राथर को साल 2003 में स्कूल शिक्षा विभाग में रहबर-ए-तालीम के पद पर नियुक्त किया गया था। साल 2008 में उसे शिक्षक के रूप में स्थायी किया गया। वह अब तक सरकारी प्राथमिक विद्यालय मैन्डपोरा नवा गबरा कुपवाड़ा में तैनात था। साल 2024 की जनवरी में उसे गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद से वह निलंबित हैं और कुपवाड़ा की जिला जेल में बंद है। जबकि जिला कुपवाड़ा में केरन का रहने वाला सियाद अहमद खान भेड़ प्रजनन एवं पशुपालन विभाग में सहायक स्टाकमैन के पद पर कार्यरत था।

पुलिस रिकार्ड में खुर्शीद अहमद को प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के एक आतंकवादी ओवर ग्राउंड वर्कर के रूप में लिस्ट किया गया था। शिक्षा विभाग में नियुक्त होने और सरकार की तरफ से सम्मानजनक सैलरी मिलने के बावजूद उसने देश के भरोसे को तोड़ा और गुप्त रूप से लश्कर से जुड़ने का फैसला किया। जम्मू कश्मीर के दूरदराज के जिलों के बच्चों को शिक्षा देने के अपने कर्तव्यों को पूरा करने के बजाय, वह राज्य को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से आतंकवादी गतिविधियों में एक्टिव हो गया। इसी के साथ वह लश्कर-ए-तैयबा द्वारा प्रायोजित आतंकवादी गतिविधियों का सक्रिय माध्यम बन गया। खुर्शीद अहमद की गतिविधियां केवल निष्क्रिय या आकस्मिक नहीं थीं। बल्कि उसने एक आतंकवादी नेटवर्क के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने में जानबूझकर और खतरनाक भूमिका निभाई। उसने क्षेत्र को अस्थिर करने की कोशिश की।

राहुल गांधी का लालू यादव संग रहकर बिहार में कोई भविष्य नहीं : अशोक चौधरी

दरभंगा , 22 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा शुक्रवार को हायाघाट और कुशेश्वरस्थान विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान मंत्री अशोक चौधरी ने कांग्रेस और लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोला। इस मौके पर समस्तीपुर की सांसद शाम्भवी चौधरी भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में कुल 131 करोड़ रुपये की लागत से 122 किलोमीटर लंबाई वाली 84 सड़कों का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए

मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि बिहार में जब तक कांग्रेस पार्टी का गठबंधन लालू यादव के साथ रहेगा, तब तक कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है। इसी कारण उन्होंने कांग्रेस पार्टी से अलग होने का निर्णय लिया था। उन्होंने राहुल गांधी पर अप्रत्यक्ष निशाना साधते हुए कहा कि लालू यादव जैसे नेताओं के साथ खड़े रहकर कांग्रेस बिहार में कभी जनाधार खड़ा नहीं कर सकती।

अशोक चौधरी ने लालू यादव के हालिया बयानों और उनके राजनीतिक तौर-तरीकों पर तंज कसा कि 'पिंडदान करना, लौंडा नाच करवाना, लाठी में तेल पिलाना' यही उनका कल्चर रहा है। जबकि हमारी और हमारी सरकार की संस्कृति केवल विकास की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार हर वर्ग के लोगों के लिए काम कर रही है, चाहे वे लोग वोट दें या न दें।

जनसंवाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए और सड़कों के निर्माण कार्यों के शिलान्यास और उद्घाटन के गवाह बने। इस मौके पर समस्तीपुर सांसद शाम्भवी चौधरी ने भी ग्रामीणों को संबोधित किया और कहा कि यह सड़कें क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होंगी।

कार्यक्रम के अंत में अशोक चौधरी ने दोहराया कि बिहार की राजनीति अब पिछड़े और परंपरागत तौर-तरीकों से आगे बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता केवल विकास है और यही सरकार का मूल मंत्र भी है। वहीं, कांग्रेस और लालू यादव पर वार करते हुए उन्होंने इसे पिछड़ेपन की राजनीति करार दिया।

तेज प्रताप यादव ने लगाया बड़ा आरोप

पांच लोगों ने भाजपा-आरएसएस से पैसे लेकर बर्बाद की मेरी जिंदगी

पटना , 22 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पांच लोगों ने मिलकर उनकी जिंदगी पूरी तरह से बर्बाद करने की साजिश रची। इन लोगों ने मेरी जिंदगी को तहस-नहस करने का काम किया। यह पांचों जयचंदों के अलावा हैं। जैसे जयचंदों ने मेरे करियर को बर्बाद करने का काम किया उसी तरह इन पांच लोगों ने मेरी जिंदगी के साथ खिलवाड़ किया। इनलोगों ने साजिश रचकर मेरे राजनीतिक करियर पर दाग लगा दिया। इसीलिए अब मैं कोर्ट जाऊंगा और इन्हें खिलाफ केस दर्ज करवाऊंगा।

पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने कहा कि मुझे लगता है कि इन लोगों ने आरएसएस और भाजपा से पैसे लिए और मेरी छवि खराब करने की कोशिश की, क्योंकि चुनाव नजदीक हैं और युवाओं में मेरे प्रति क्रेज बढ़ रहा है। इसीलिए बहुत जल्द फोटो के साथ इन पांच परिवार के लोगों को बेनकाब करूंगा।

तेज प्रताप यादव ने आगे कहा कि वह जल्द ही उन पांच परिवारों के नाम सार्वजनिक करेंगे। उनके मुताबिक, ये साजिशकर्ता पटना से लेकर दिल्ली तक सक्रिय हैं। तेज प्रताप ने आरोप लगाया कि इनमें से कई लोग कभी राजद में थे, लेकिन अपनी करतूतों के चलते पार्टी से निकाले जा चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन लोगों का और कोई काम नहीं है, सिर्फ सोशल मीडिया पर सक्रिय रहकर दूसरों की छवि धूमिल करना। मैं अब एक एक लोगों का पर्दापाश करूंगा। यह लोग जयचंद और भाजपा आरएसएस से पैसे लेकर मेरी छवि को धूमिल करने की कोशिश की गई।

नालंदा के स्कूलों से लापता हुई थीं 8 छात्राएं

पटना के गांधी मैदान से पुलिस ने लिया हिरासत में

पटना, 22 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा में दो अलग-अलग स्कूल की आठ छात्राएं रहस्यमय ढंग से लापता हो गई थी। मामला राजगीर प्रखंड अंतर्गत राजकीय कृत प्लस टू उच्च विद्यालय बेलदार बीघा एवं मध्य विद्यालय बरैनी स्कूल का है। सभी छात्राएं घर से स्कूल जाने के लिए निकली थी। लेकिन वह स्कूल नहीं पहुंची और लापता हो गई। ये छात्राएं छबीलापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बरैनी और नेकपुर गांव की हैं।

घर से स्कूल जाने के लिए निकली छात्राएं अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक समेत अन्य दस्तावेज लेकर निकली थी, जिससे यह आशंका जाहिर की जा रही है कि पूर्व से ही प्लानिंग के तहत लापता हुई हैं। हालांकि, राहत वाली खबर यह है कि पटना के गांधी मैदान से पुलिस ने इन्हे हिरासत में ले लिया है। छात्राओं का टूरिस्ट गाड़ी में बैठते हुए का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। लापता छात्राएं +2 उच्च विद्यालय और मध्य विद्यालय का इनमें सुहानी कुमारी, धनमती कुमारी, सोनी कुमारी, पार्वती कुमारी, अन्नू कुमारी, चांदनी कुमारी एवं सुहानी कुमारी +2 स्कूल की हैं। जबकि

श्रृष्टी कुमारी मध्य विद्यालय की छात्रा है। सभी छात्राएं 10 वीं, 9 वीं और 7 वीं क्लास में पढ़ती हैं।

सुहानी की मां ने बताया घर से बेटी आधार कार्ड, बैंक पासबुक और माता-पिता का फोटो लेकर निकाली थी। बेटी ने बताया था कि स्कूल में दसवीं का रजिस्ट्रेशन हो रहा है। जब शाम हो गई और बेटी घर नहीं लौटी, तो खोजबीन की जाने लगी। तब पता चला कि बेटी न तो स्कूल गई थी और न ही कोचिंग। करीब 3:00 बजे स्कूल से छुट्टी के बाद बेटी कोचिंग पढ़ने के लिए जाती थी। जहां से 5:00 बजे तक घर आ जाती थी। लेकिन वह समय बीत जाने के बाद भी नहीं लौटी। अन्नू, सोंनी और श्रृष्टी तीनों आपस में चचेरी बहन है।

प्लस टू राजकीय कृत उच्च विद्यालय की प्रिंसिपल संजू कुमारी ने कहा कि सभी बच्चियां गुरुवार को स्कूल पढ़ने नहीं आई थी। गुरुवार की शाम ग्रामीणों के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि स्कूल की 7 छात्राएं लापता हैं। जिसके बाद अटेंडेंस को चेक किया गया ,तो पता चला कि वे स्कूल आई ही नहीं थी। 6 बच्चियां 10 वीं क्लास में जबकि 1 बच्ची 9 वीं क्लास में पढ़ाई करती है। स्कूल की सभी छात्राएं राजगीर बस स्टैंड में 12:00 बजे के करीब टूरिस्ट बस में सवार होते हुए दिख रही हैं। उसके पहले से भी लड़कियां अपने चेहरे को ढकते हुए भी दिख रही है।

अन्नू के चाचा विकास कुमार ने बताया कि शुक्रवार की सुबह फोन कर अन्नु ने बताया कि उनलोगों को एक अंधेरे कमरे में बंद कर दिया गया है। उनलोगों को नहीं पता की वह कहाँ आई हुई है। वह कह रही थी कि उसे वापस घर ले चलिए। वह यहाँ आकर फंस गई है। इसके बाद स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी गई।

पटना पुलिस ने सभी लड़कियों को गांधी मैदान के गेट नंबर 8 से पकड़ कर हिरासत में लिया है। राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि लड़कियों को हिरासत में लिया गया। छबीलापुर पुलिस पूरे मामले में जुटी हुई है।

लखीमपुर खीरी में ड्रोन की दहशत ने उड़ाई नींद, पुलिस बोली-

अफवाहों पर ध्यान न दें लोग, गश्त तेज

लखीमपुर खीरी, 22 अगस्त (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी के रमियाबहेड़ थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात करीब आधा दर्जन गांवों में ड्रोन उड़ने की तस्वीरें वायरल होने से सनसनी फैल गई। आसमान में रोशनी वाली वस्तु उड़ता देख लोग तरह-तरह के कयास लगाते रहे। कुछ लोगों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किए हैं।

पढुआ थाना क्षेत्र के गांव सेमरी, जोधापुरवा, नैनापुर, खेसवाही, अभयपुर, गौरिया में अचानक ड्रोन उड़ते देख लोगों में भय फैल गया। धीरे-धीरे गांव में शोर होने लगा और ग्रामीण एकत्रित हो गए। ग्रामीणों के मुताबिक, रहस्यमयी तीन ड्रोन ने जमीन से 50 से 60 मीटर की ऊंचाई पर उड़ कर गांव के कई चक्कर लगाए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ड्रोन में लाल और हरे रंग की लाइट थी।

घटना बुधवार की रात करीब 11 बजे की है। ड्रोन गांव में उड़ने की सूचना ग्रामीणों ने पढुआ पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे दरोगा ब्रम्हानंद यादव के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल राजेंद्र गंगवार, लोकेश पांडेय, प्रकाश द्विवेदी हमराहियों के साथ गश्त करने लगे। पुलिस को गांव में गश्त करते देख ग्रामीण भी साथ में शामिल हो गए।

पढुआ थानाध्यक्ष विवेक उपाध्याय ने बताया कि ड्रोन प्रकरण की जांच कराई जा रही है। कई जगहों से ड्रोन उड़ने की सूचना सामने आई है। लोग जागरूक रहें, अफवाहों पर ध्यान न दें, पुलिस लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही है। कोई डरे न, संयम बनाए रखे, सहयोग करे।

बेहजम क्षेत्र के गांवों में शाम होते ही ड्रोन उड़ते देख ग्रामीण घबरा गए। गांव बढरिया, गुलचौरा व फरधान थाना क्षेत्र गांव रुकनापुर में रात लगभग 9.30 अचानक गांव में ड्रोन उड़ते हुए दिखाई दिए जिन्हें देखकर ग्रामीण दहशत में आ गए। आनन-फानन डायल 112 पुलिस को सूचना दी, लगभग आधे घंटे में पुलिस मौके पर पहुंची और खोजबीन शुरू की। पुलिस के पहुंचते ही ड्रोन आसमान से गायब हो गए।

गोला गोकर्णनाथ इलाके में अफवाहें लोगों को रात में सोने नहीं दे रहीं। अभी कुछ दिन पूर्व ग्राम पंचायत पुनर्भू ग्रंट के गांव भवानी गंज, नौतला, डल्लापुरवा, गदियाना, द्वारिकागंज ग़ल्ला मंडी के पीछे, नई बस्ती जिन्दबाबा कॉलोनी के इर्द-गिर्द संदिग्धों को देखे जाने की चर्चा रही थी। इसका सीसीसीवी कैमरे का वीडियो भी वायरल हुआ था।

बुधवार की रात शोर मचने पर मोहल्ला तीर्थ के सभासद राजेश अवस्थी लोगों के साथ हाथों में डंडे लेकर दस्त करने निकल पड़े। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। प्रभारी निरीक्षक अंबर सिंह ने बताया कि अलग-अलग टीम बनाकर नगर और क्षेत्र में गश्त तेज कर दी गई है।

रामपुर की मस्जिद में चल रहा था बड़ा सेक्स रैकेट

मस्जिद का इमाम हथियारों के साथ गिरफ्तार

रामपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। रामपुर की एक मस्जिद में सेक्स रैकेट चलाने का मामला सामने आने के बाद पुलिस ने मस्जिद के इमाम रहीस अहमद को गिरफ्तार कर लिया। रामपुर पुलिस ने रहीस अहमद के पास से हथियार भी बरामद किए हैं। जेके पैसेल रोड की नदराबाग जीनत मस्जिद से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था, जिसमें एक लड़की इमाम पर सेक्स रैकेट चलाने के गंभीर आरोप लगा रही थी। वायरल वीडियो में लड़की की आवाज भी सुनी जा सकती है, जिसमें वह साफ तौर पर आरोप लगा रही है। इसके बाद रामपुर पुलिस हरकत में आई और जांच शुरू की। 20 अगस्त 2025 को वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की।

क्षेत्राधिकारी नगर की अगुआई में एक टीम बनाई गई, जो मस्जिद में जाकर जांच करने लगी। गहन जांच के बाद 21 अगस्त 2025 को पुलिस ने रहीस अहमद को गिरफ्तार किया। रहीस अहमद शफी अहमद का बेटा है और परचई कुम्हरिया, अजीमनगर का रहने वाला है। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से 2 तमंचे 12 बोर, 4 जिंदा कारतूस और एक मोबाइल बरामद हुआ। पुलिस ने बताया कि रहीस अहमद पर धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश और अश्लील वीडियो वायरल करने का आरोप है। इस मामले में कई और लोगों के शामिल होने की बात सामने आ रही है, लेकिन अभी उनकी पहचान छिपाई गई है। रामपुर पुलिस ने बताया कि कार्रवाई जारी है और जल्द ही बाकी आरोपियों को भी पकड़ा जाएगा।

स्थानीय लोग इस घटना से काफी नाराज हैं और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो से इमाम द्वारा धर्मांतरण कराने, अश्लीलता फैलाने और सेक्स रैकेट चलाने का खुलासा हुआ था। अपर पुलिस अधीक्षक अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार, 20 अगस्त को एक पीड़ित युवती ने मस्जिद के पूर्व इमाम रहीस अहमद का सोशल मीडिया पर एक कमरे का कथित वीडियो वायरल किया था, जिसमें महिला के साथ नाजायज असलहा एवं अश्लील सामग्री के साथ इमाम को देखा गया था। इस संबंध में थाना सिविल लाइन पुलिस ने धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम, धारा 66 आईटी एक्ट और अश्लीलता फैलाने के आरोप में केस दर्ज किया था। मामले में सिविल लाइन थाना प्रभारी ने आज अजीमनगर थाना अंतर्गत ग्राम परचई कुम्हरिया निवासी आरोपित इमाम रहीस अहमद को गिरफ्तार कर लिया।

उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले में छांगुर उर्फ जलालुद्दीन को युवती का जबरन कन्वर्जन कराने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने छांगुर की जांच में अवैध कन्वर्जन का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क के साथ विदेशी फंडिंग और 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की अवैध संपत्ति का खुलासा किया। फिलहाल छांगुर जेल में है। अब रामपुर जिले में इमाम रहीस को गिरफ्तार किया गया है। उसकी जांच में भी कई खुलासे होंगे।

प्रदेशभर में गूंजेगा नेशनल स्पेस डे

विज्ञान और प्रौद्योगिकी की जानकारी पाएंगे छात्र

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों और नई पीढ़ी को विज्ञान-प्रौद्योगिकी से जोड़ने की दिशा में योगी सरकार ने एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्रदेशभर के विद्यालयों में 23 अगस्त को द्वितीय नेशनल स्पेस डे मनाया जाएगा।

इस अवसर पर एनसीईआरटी द्वारा तैयार नया मॉड्यूल इंडिया- ए राइजिंग स्पेस पावर भी लॉन्च होगा। परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, कम्पोजिट व केजीबी विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के लिए विशेष गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इस सम्बन्ध में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि अंतरिक्ष विज्ञान में भारत की लगातार बढ़ती उपलब्धियां नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

चंद्रयान, आदित्य-एल1 और गगनयान जैसे मिशनों की जानकारी देकर ही हम उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जोड़ सकते हैं। इस प्रयास के माध्यम से सरकार बच्चों में शोध और नवाचार की भावना को प्रबल करने की कोशिश कर रही है। यह योगी सरकार के समग्र शिक्षा, समग्र विकास के लक्ष्य को भी नई गति प्रदान करेगी।

इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में अंतरिक्ष विज्ञान व प्रौद्योगिकी के प्रति जिज्ञासा और अभिरुचि पैदा करना है, ताकि वे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में करियर की ओर प्रेरित हों। इसी लक्ष्य के लिए विद्यालयों में विशेष सभाएं, प्रदर्शनी, कार्यशालाएं और विशेषज्ञों के साथ ऑनलाइन/ऑफलाइन सेशन आयोजित होंगे।

महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्रीमती कंचन वर्मा ने बताया कि बच्चों को अंतरिक्ष अन्वेषण की उपलब्धियों से अवगत कराने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने दीक्षा, निष्ठा, एनसीईआरटी वेबसाइट और भारत ऑन द मून पोर्टल जैसे संसाधन उपलब्ध कराए हैं, जिन पर अंतरिक्ष से जुड़ी समसामयिक गतिविधियां नियमित रूप से अपडेट होती रहती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने नवाचार और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पहले ही स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, ड्रोन और रोबोटिक्स लैब जैसी पहलें शुरू की हैं। अब नेशनल स्पेस डे पर होने वाले कार्यक्रम यूपी के परिषदीय विद्यालयों को 21वीं सदी की शिक्षा से लैस करने की दृष्टि को और बल देंगे।

एटीएस ने नसीम-शाकिब समेत 8 को दबोचा

रोहिंग्या-बांग्लादेशियों के लिए बनाते थे फर्जी आधार कार्ड

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। रोहिंग्या-बांग्लादेशी को घुसपैठ में सहायता करने वाले गिरोह का यूपी एंटी टेररिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने पर्दाफाश किया है। यह गिरोह फर्जी आधार कार्ड बनाकर नेपाल, बांग्लादेशी और विदेशी नागरिकों को भारत में अवैध तरीके से नागरिकता दिलाता था। यह गिरोह आधार कार्ड बनाने के लिए रजिस्टर्ड जन सेवा केंद्रों का दुरुपयोग कर रहा था। वीपीएन और रिमोट सिस्टम से आधार डेटा में गड़बड़ी करता था। इसके अलावा आधाक कार्ड से पासपोर्ट और अन्य फर्जी पहचान पत्र बनाए जाते थे। गिरोह के पास से हाईटेक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, फिंगरप्रिंट स्कैनर, लैपटॉप और कई मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। यह गिरोह बंगाल के मुर्शिदाबाद और कोलकाता, बिहार के लखीसराय और कटिहार और दिल्ली एनसीआर के कुछ इलाकों में सक्रिय था।

एटीएस ने आजमगढ़, गाजियाबाद, औरैया, गोरखपुर और मऊ में छापेमारी कर गिरोह के सदस्यों को पकड़ा है। इनमें मोहम्मद नसीम, मोहम्मद शाकिब, विशाल कुमार, हिमांशु राय, मृत्युंजय गुप्ता, सलमान अंसारी, गौरव कुमार और राजीव तिवारी को गिरफ्तार किया गया है। अब एटीएस ने गिरोह के सदस्यों से पूछताछ कर पूरे नेटवर्क को खंगालना शुरू कर दिया है। इसके अलावा संदिग्ध जन सेवा केंद्रों की भी जांच की जा रही है।

पूर्वांचल और बुंदेलखंड में चमकेगा फुटवियर-लेदर उद्योग

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर और नॉन-लेदर क्षेत्र विकास नीति 2025 का सबसे बड़ा फोकस प्रदेश के अपेक्षाकृत पिछड़े क्षेत्रों-मध्यांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड पर है। योगी सरकार ने इन इलाकों में उद्योगों को प्रोत्साहन देने के लिए भूमि लागत अनुदान और पूंजीगत सब्सिडी में विशेष रियायतें दी हैं। इसका सीधा असर यहां के औद्योगिक विकास, रोजगार और निवेश पर पड़ेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्पष्ट विजन है कि औद्योगिक विकास केवल पश्चिमी यूपी तक सीमित न रहे, बल्कि पूर्वी यूपी और बुंदेलखंड भी देश-विदेश में औद्योगिक मानचित्र पर अपनी अलग पहचान बनाएं।

नई नीति के तहत, स्टैंड अलोन फुटवियर, लेदर उत्पाद और मशीनरी इकाइयों को मध्यांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड में 35 प्रतिशत तक भूमि लागत अनुदान मिलेगा, जबकि पश्चिमांचल क्षेत्र में यह 25 प्रतिशत होगा।

वहीं, मेगा एंकर यूनिट और क्लस्टर को इन क्षेत्रों में 80 प्रतिशत तक भूमि लागत अनुदान का लाभ मिलेगा, पश्चिमांचल के लिए यह 75 प्रतिशत होगा। यह लाभ विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इन इलाकों में उद्योगों की स्थापना की लागत अपेक्षाकृत अधिक मानी जाती है। भूमि सब्सिडी का फायदा सिर्फ उसी जमीन पर मिलेगा जो औद्योगिक प्राधिकरण, राज्य सरकार के संस्थान या इस नीति के तहत बने क्लस्टर से ली गई हो। सब्सिडी की रकम जमीन के वास्तविक आवंटन मूल्य पर तय होगी, लेकिन इसमें स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस नहीं जोड़ी जाएगी। अगर कोई इकाई भूमि सब्सिडी लेती है, तो आगे मिलने वाली पूंजीगत सब्सिडी की गणना करते समय जमीन की कीमत नहीं गिनी जाएगी।

लेदर और फुटवियर बनाने वाली कंपनियों को ज्यादा फायदा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार, केंद्र सरकार की मदद के अलावा अतिरिक्त पूंजी निवेश सब्सिडी भी देगी।

इसके तहत, स्टैंड अलोन इकाइयों को मध्यांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड में 30 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी, अधिकतम 45 करोड़ (5 वर्षों में) मिलेगी। पश्चिमांचल के लिए यह 20 प्रतिशत और अधिकतम 30 करोड़ रुपए (5 वर्षों) तक का लाभ मिलेगा। इसी तरह, एलाइड लेदर यूनिट को पूरे प्रदेश में 25 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी मिलेगी, लेकिन इन क्षेत्रों में इसे और ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी। मेगा एंकर यूनिट और क्लस्टर को यहां 35 प्रतिशत पूंजीगत सब्सिडी, अधिकतम 700 करोड़ रुपए (5 वर्षों में) तक मिलेगी। एक इकाई को सालाना 140 करोड़ रुपए से अधिक लाभ नहीं मिलेगा। वहीं, पश्चिमांचल के लिए यह लाभ 120 करोड़ रुपए सालाना होगा।

योगी सरकार का लक्ष्य इन क्षेत्रों को नए निवेश और उद्योगों का गढ़ बनाना है। राजधानी लखनऊ समेत कानपुर, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, झांसी, चित्रकूट, आजमगढ़ और बांदा जैसे जिलों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इस नीति से जहां एक ओर स्थानीय स्तर पर लाखों युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर प्रदेश की वैश्विक पहचान फुटवियर और लेदर उत्पादों के प्रमुख निर्यातक के रूप में बनेगी।

योगी आदित्यनाथ पर बनी फिल्म पहले बॉम्बे हाईकोर्ट देखेगा

लखनऊ/मुंबई, 22 अगस्त (एजेंसियां)। योगी आदित्यनाथ पर बनी फिल्म रिलीज होने की अनुमति से पहले बॉम्बे हाईकोर्ट फिल्म देखेगा। बॉम्बे हाईकोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर आधारित फिल्म देखेगा और उसके निर्माताओं की याचिका पर फैसला सुनाएगा। फिल्म के निर्माताओं ने केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड पर प्रमाणन में देरी और इन्कार का आरोप लगाया गया है।

अदालत ने फिल्म निर्माताओं को निर्देश दिया कि वे फिल्म की एक कॉपी जमा करें जिसमें उन दृश्यों या अंशों को चिन्हित किया गया हो जिन पर सीबीएफसी ने आपत्ति जताई है। फिल्म अजय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी के निर्माता सम्राट सिनेमैटिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने पिछले महीने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। याचिकाकर्ता ने कहा था कि शांतनु गुप्ता द्वारा लिखित किताब द मॉन्क हू बिकेम चीफ मिनिस्टर से प्रेरित यह फिल्म 1 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। निर्माताओं ने यह भी तर्क दिया था कि जिस पुस्तक से फिल्म को प्रेरणा मिली है, उसे यूपी के मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा आधिकारिक रूप से समर्थन दिया गया है।

याचिकाकर्ता ने पिछले महीने दायर याचिका में आरोप लगाया कि सीबीएफसी ने फिल्म, टीजर, ट्रेलर और प्रचार के लिए उनके आवेदन पर कार्रवाई करने में अनुचित तरीके से देरी की है। उन्होंने दावा किया कि जब उन्होंने 5 जून को फिल्म के प्रमाणन के लिए आवेदन किया था तो सीबीएफसी को सात दिनों के भीतर उनके आवेदन की जांच करने और 15 दिनों के भीतर इसे स्क्रीनिंग के लिए भेजने की आवश्यकता थी। हालांकि, लगभग एक महीने तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

सीबीएफसी को फिल्म देखने और प्रमाणन पर निर्णय लेने के लिए 1 अगस्त को हाईकोर्ट के निर्देश के बाद, बोर्ड ने 6 अगस्त को एक आदेश पारित किया, जिसमें फिल्म को प्रमाणित करने से इनकार कर दिया गया। आदेश में कहा गया कि यह सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए फिल्मों के प्रमाणन के दिशानिर्देशों का उल्लंघन करती है। 7 अगस्त को, न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति नीला के गोखले की पीठ ने याचिकाकर्ता को सीबीएफसी की पुनरीक्षण समिति के समक्ष आवेदन दायर करने का निर्देश दिया और बोर्ड से कहा कि वह 11 अगस्त तक याचिकाकर्ता को फिल्म की आपत्तिजनक सामग्री या संवादों के बारे में सूचित करे। याचिकाकर्ता से यह भी पूछा गया कि क्या निर्माता फिल्म के कुछ हिस्सों को हटाना या उनमें बदलाव करना चाहते हैं।

विकसित होंगी नगर पालिकाएं, गौरव पथ

स्मार्ट क्लास रूम व ईवी स्टेशन के साथ बढ़ेंगी डिजिटल सेवाएं: सीएम

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को नगर विकास विभाग की समीक्षा की। उन्होंने जिला मुख्यालयों स्थित नगर पालिकाओं को स्मार्ट और विकसित बनाने की योजना के क्रियान्वयन के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि स्मार्ट-विकसित नगर पालिका योजना का उद्देश्य पालिकाओं को आधुनिक, आत्मनिर्भर और नागरिक-केंद्रित रूप में विकसित करना है। इस योजना के तहत नगर पालिकाओं में गौरव पथ, पिंक टॉयलेट, शहरी सुविधा केंद्र, स्मार्ट क्लास रूम व आंगनबाड़ी, थीम आधारित पार्क, ऐतिहासिक धरोहर संरक्षण, जलाशयों का पुनर्जीवन, ईवी चार्जिंग स्टेशन, ग्रीन क्रेमेटोरियम और डिजिटल सेवाओं जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके साथ ही स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त करने के लिए उत्सव भवन, सामुदायिक केंद्र और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' आधारित ढांचे भी स्थापित किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि इस योजना को हब-एंड-स्पोक मॉडल पर लागू किया जा सकता है। उदाहरण के लिए लखनऊ और गोरखपुर स्थित एकीकृत कमांड एवं कंट्रोल सेंटर से समीपवर्ती जिलों की नगर पालिकाओं को जोड़ा जा सकता है। इससे सुरक्षा, निगरानी और शिकायत निवारण जैसी सेवाओं में आधुनिकता आएगी। साथ ही संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सकेगा।

अधिकारियों ने बताया कि नगर निकायों को चार करोड़ से 10 करोड़ रुपये तक का अनुदान देने का प्रस्ताव है। यह उनकी जनसंख्या और कार्य दक्षता पर आधारित होगा। बैठक में लखनऊ और कानपुर में 200 इलेक्ट्रिक बसों को नेट कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मोड पर संचालित करने तथा अन्य नगरों में 650 बसों की प्रत्यक्ष खरीद का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रिक बसों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इसके लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर भी शीघ्र तैयार किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 74वें संविधान संशोधन की भावना के अनुरूप नगर निकायों को अधिक वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार मिलने चाहिए। लखनऊ में शहीद चंद्रशेखर आजाद अंतरराष्ट्रीय शूटिंग रेंज एवं बहुउद्देश्यीय खेल परिसर की स्थापना के भी निर्देश दिए। उन्होंने इन परियोजनाओं को पीपीपी मोड पर प्राथमिकता के साथ शुरू करने के लिए कहा।

राहुल गांधी की सुरक्षा बढ़ाई जाए: कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ, 22 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेजा है। इसमें लोकसभा में नेता प्रति पक्ष राहुल गांधी की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। भेजे गए पत्र में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा है कि दो दिन पूर्व दिल्ली राज्य की मुख्यमंत्री के साथ एक व्यक्ति ने हाथापाई की। उनको व्यक्तिगत रूप से चोट पहुंचाने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री के साथ यह घटना उस समय हुई जब वह जन-सुनवाई कर रही थीं।

जन-प्रतिनिधि को अपने राजनीतिक और सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए जन-सामान्य और समर्थकों से संवाद के लिए सदैव उपलब्ध रहना पड़ता है। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की व्यक्तिगत सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। राहुल गांधी कांग्रेस और भारत की राजनीति के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेताओं में से एक हैं। उन्होंने विगत वर्षों में जनता से सीधे संवाद स्थापित करते हुए अनेक कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है, जिसमें भारत जोड़ो यात्रा और लोक सभा चुनाव प्रचार इत्यादि प्रमुख हैं। वर्तमान समय में राहुल गांधी बिहार में जन-अधिकार यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसमें उनके विचारों को सुनने और देखने के लिए लाखों नागरिक जुट रहे हैं। इन परिस्थितियों में उचित होगा कि राहुल गांधी को बिना चूक वाली उच्चतम स्तर की व्यक्तिगत सुरक्षा प्रदान की जाए। राहुल गांधी के प्रिय परिजन आतंकी हिंसा का शिकार हुए हैं, जिनमें सुरक्षा चूक एक प्रमुख कारक रही है इसलिए उनकी सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जाए।

संपादकीय

केंद्र 'पुलिस स्टेशन' नहीं

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संविधान के 130वें संशोधन वाले विधेयक लोकसभा में पेश किए। उनमें गंभीर और विवादास्पद प्रावधान किए गए हैं। दरअसल संविधान का बुनियादी सिद्धांत है कि जब तक किसी आरोपित को अदालत अपराधी या दोषी करार न दे, तब तक आरोपित व्यक्ति 'मासूम' है, 'निर्दोष' है, लेकिन प्रस्तावित बिल का विषय है कि कोई प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्य सरकार का मंत्री 30 दिन हिरासत में रहता है, तो 31वें दिन वह संवैधानिक पद के 'अयोग्य' हो जाएगा। उसे इस्तीफा देना पड़ेगा अथवा बर्खास्त कर दिया जाएगा। इन प्रावधानों को विपक्ष ने संविधान-विरोधी, न्याय-विरोधी और मौलिक अधिकार-विरोधी करार दिया है, लिहाजा कुछ विपक्षी सांसदों ने बिल की प्रतियां फाड़ी हैं और उन्हें सत्ता पक्ष की तरफ फेंका है। इसे 'राक्षसी बिल' भी करार दिया गया है। गृहमंत्री की दलील है कि यह बिल सरकार और राजनीति में नैतिकता और शुद्धिकरण के मद्देनजर लाया गया है। यह अद्र्धसत्य है, क्योंकि भाजपा में ऐसे कई नेता शामिल किए गए, जिन पर गंभीर आपराधिक मामले चल रहे थे, लेकिन बाद में एजेंसियों ने उन्हें धूमिल कर दिया। ऐसे नेता मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक हैं। बहरहाल संसद में हंगामे और विरोध को देखते हुए संविधान संशोधन बिल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की घोषणा की गई। समिति में 21 सांसद लोकसभा और 10 सांसद राज्यसभा के होंगे। बेशक अधिक सांसद सत्ता पक्ष के होंगे, लिहाजा बुनियादी बिल में ज्यादा संशोधनों की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। जेपीसी को संसद के शीत सत्र के पहले दिन तक रपट सौंपने को कहा गया है। विषय का विश्लेषण करने से पूर्व एडीआर की रपट गौरतलब है कि 2024 के संसदीय चुनाव में जो सांसद लोकसभा के लिए चुने गए थे, उनमें से करीब 46 फीसदी पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2009 में यह औसत 30 फीसदी था। सर्वोच्च अदालत के 'न्यायालय मित्र' ने उसे बताया है कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ करीब 5000 आपराधिक मामले अब भी लंबित हैं। इस डाटा के मद्देनजर भी ऐसा संविधान संशोधन बिल संसद में पेश करना अपेक्षित और स्वीकार्य नहीं है। दरअसल केंद्र और राज्य सरकारों की अलग-अलग भूमिकाएं संविधान में तय की गई हैं। उनके अधिकार भी तय किए गए हैं। संघीय ढांचे पर आघात नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार 'पुलिस स्टेशन' की भूमिका में नहीं आ सकती। संभव है कि बिल बनाते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल का उदाहरण केंद्र सरकार और अधिकारियों के मानस में रहा होगा! केजरीवाल को 177 दिन तक जेल में रखा गया। उनके खिलाफ न तो आरोप अदालत में तय हुए और न ही किसी अदालत ने उन्हें 'दोषी' करार दिया। ऐसे कानूनों में संशोधन किया जाना चाहिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 5 माह तक जेल में बंद रखा गया। अंततः उन्हें जमानत मिली, लेकिन आज तक उनके खिलाफ कोई भी आरोप साबित नहीं किया जा सका है। दिल्ली सरकार के मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन को 2 साल से अधिक समय तक जेल में रखा गया। अंततः सीबीआई ने उनके मामले में क्लोजर रपट अदालत में पेश की और जैन को बिल्कुल बरी कर दिया गया। इन जेलबंद नेताओं की 'निर्दोषता' की भरपाई कौन करेगा? केजरीवाल ने जेल में रहते हुए मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ा और जेल से ही सरकार चलाते रहे। संविधान में ऐसी व्याख्या ही नहीं है कि जेल में रहने वाले मुख्यमंत्री और मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए अथवा राज्यपाल द्वारा उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। सरकार ने प्रस्तावित बिल में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री को भी जोड़ा है। यह ड्रामा है। सवाल है कि कितने प्रधानमंत्री 30 दिन तक हिरासत में रखे गए हैं? प्रधानमंत्री रहते हुए पीवी नरसिम्हा राव को अदालत ने 'अभियुक्त' करार दिया था। उन्हें जेल क्यों नहीं भेजा गया? इंदिरा को जेल जाना पड़ा। कानून लागू हो जाता है, तो किसी भी विपक्षी दल की सरकार ढहाई जा सकती है।

विपक्ष ने संविधान-विरोधी, न्याय-विरोधी और मौलिक अधिकार-विरोधी करार दिया है, लिहाजा कुछ विपक्षी सांसदों ने बिल की प्रतियां फाड़ी हैं और उन्हें सत्ता पक्ष की तरफ फेंका है। इसे 'राक्षसी बिल' भी करार दिया गया है। गृहमंत्री की दलील है कि यह बिल सरकार और राजनीति में नैतिकता और शुद्धिकरण के मद्देनजर लाया गया है। यह अद्र्धसत्य है, क्योंकि भाजपा में ऐसे कई नेता शामिल किए गए, जिन पर गंभीर आपराधिक मामले चल रहे थे, लेकिन बाद में एजेंसियों ने उन्हें धूमिल कर दिया। ऐसे नेता मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक हैं। बहरहाल संसद में हंगामे और विरोध को देखते हुए संविधान संशोधन बिल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की घोषणा की गई। समिति में 21 सांसद लोकसभा और 10 सांसद राज्यसभा के होंगे। बेशक अधिक सांसद सत्ता पक्ष के होंगे, लिहाजा बुनियादी बिल में ज्यादा संशोधनों की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। जेपीसी को संसद के शीत सत्र के पहले दिन तक रपट सौंपने को कहा गया है। विषय का विश्लेषण करने से पूर्व एडीआर की रपट गौरतलब है कि 2024 के संसदीय चुनाव में जो सांसद लोकसभा के लिए चुने गए थे, उनमें से करीब 46 फीसदी पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

कुछ अलग

गणेश जी का चालान

मुम्बई की अंधेरी वेस्ट की सडक़ पर गणेश-विसर्जन के अवसर पर लोग नाच-गा रहे हैं। 'आयो रे-आयो रे, म्हारो गणेश जी आयो रे।...गणपति बाप्पा मोरया।...अगले बरस तू जल्दी आ।' 'कह दिया न कि अब नहीं आऊंगा, धरती पर तुम्हारी।' गणेश जी रुआंसे होकर उस दिन कुछ ऐसा ही कह रहे थे। चालान का नोटिस तभी नारद जी ने पकड़ाया। गणेश जी का वाहन घोड़ा सरीखा हिनहिनाया। मूषक जी कुछ रुके। गणेश जी कुछ सहमे। 'क्या हुआ मेरी गाड़ी को? आगे न बढ़ती...बढ़ भैया मूषक मेरे। एक्सयूवी थ्रीओओ मेरे लेटेस्ट मॉडल।' मूषक ने गर्दन मारी। 'पहले नोटिस पढ़ो। मुझे पता था यही होगा। तुम्हें जाना है जेल, तो जाओ। पर मुझे न तरसाओ।...कितनी बार कहा था आगे की सीट पर बैठे हो, सीट बेल्ट लगा लो। तब बोले विघ्नहर्ता हूं। मेरा कोई कुछ न बिगाड़ेगा। पर श्रीमान गणेश जी! ट्रैफिक नियम तो सबके लिए हैं। आप कोई लाट साहब थोड़े ही लगे हो।...बिना बेल्ट के चलोगे तो 2500 तो अब भरने ही होंगे।...मैं तो न जाऊंगा कस्टडी में।...चूहा हूं तो क्या हुआ। आखिर मेरी भी तो कोई इज्जत है कि नहीं...उतरो आप इधरिच। नहीं तो लुढक़ा दूंगा।' गणेश जी घबराए। अपने विघ्न को दूर करने के लिए अब किस विघ्नहर्ता का आवाहन करूं? यह भी सोच रहे हैं कि अब अपनी सूंड मटकाऊं या लटकाऊं? ...कान पकड़े भैया, अब कभी बिना सीट बेल्ट लगाए, मूषक छोड़ो, चींटी तक की सवारी नहीं करूंगा।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इसने रूस को रोकने के बजाय उसे नए बाजारों की ओर मोड़ दिया

अमेरिका, भारत-रूस और तेल व्यापार : इसे इस नजरिए से भी दखिए !

आज की दुनिया में ऊर्जा सिर्फ एक वस्तु नहीं है, बल्कि हर देश की आर्थिक रीढ़ और सामरिक शक्ति का आधार है। तेल और गैस वैश्विक राजनीति के सबसे अहम औज़ार बन चुके हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए, लेकिन इसने रूस को रोकने के बजाय उसे नए बाज़ारों की ओर मोड़ दिया। भारत और चीन जैसे बड़े उपभोक्ता देशों के लिए यह एक अवसर बनकर आया। भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, उसने रूस से रिकॉर्ड स्तर पर सस्ता कच्चा तेल खरीदना शुरू किया। आज यही बात अमेरिका को खटक रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25% से बढ़ाकर 50% तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, सिर्फ इसलिए कि भारत अपनी जनता और उद्योग को रूस से सस्ता तेल खरीदकर राहत दे रहा था। जबकि चीन, जो रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर अमेरिका ने अपेक्षाकृत नरमी बरती। यही नहीं, चीन के रिफाइनर रूस से पश्चिमी हिस्से का यूराल तेल खरीदकर और भी फायदा उठा रहे हैं। अगस्त 2025 के आँकड़ों के अनुसार, चीन ने लगभग 75,000 बैरल प्रतिदिन यूराल तेल खरीदा, जबकि उसका औसत पहले 40,000 बैरल था। दूसरी तरफ, भारत का आयात घटकर 4 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जबकि पहले यह 11.8 लाख बैरल प्रतिदिन था। आज भारत के लिए रूस से तेल खरीदने के पीछे दो प्रमुख कारण हैं। पहला, कीमत। जब पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाए, तो रूस ने तेल पर भारी छूट देनी शुरू की। 2022–23 में रूस भारत को 20 लाख बैरल प्रतिदिन तक तेल बेच रहा था, और यह तेल मध्य पूर्व की तुलना में 20–30 डॉलर प्रति बैरल सस्ता था। दूसरा कारण है ऊर्जा सुरक्षा। भारत की कुल ऊर्जा खपत का 85% हिस्सा आयात से आता है। ऐसे में सस्ती सप्लाई पाना भारत के लिए सिर्फ विकल्प नहीं बल्कि आवश्यकता थी। अगर अमेरिका यह कहता है कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर मुनाफा कमा रहा है, तो इसमें गलत क्या है? क्या अमेरिका की तेल कंपनियाँ केवल मानव सेवा के लिए काम करती हैं? क्या अमेरिकी शेल

भारत और चीन जैसे बड़े उपभोक्ता देशों के लिए यह एक अवसर बनकर आया। भारत, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है, उसने रूस से रिकॉर्ड स्तर पर सस्ता कच्चा तेल खरीदना शुरू किया। आज यही बात अमेरिका को खटक रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25% से बढ़ाकर 50% तक अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, सिर्फ इसलिए कि भारत अपनी जनता और उद्योग को रूस से सस्ता तेल खरीदकर राहत दे रहा था। जबकि चीन, जो रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है, उस पर अमेरिका ने अपेक्षाकृत नरमी बरती। यही नहीं, चीन के रिफाइनर रूस से पश्चिमी हिस्से का यूराल तेल खरीदकर और भी फायदा उठा रहे हैं।

ऑयल इंडस्ट्री सिर्फ घाटे में चलाने के लिए बनाई गई है? बिल्कुल नहीं। दुनिया का हर देश और हर कंपनी मुनाफे के लिए ही काम करती है, फिर भारत के मुनाफे पर अमेरिका की आपत्ति क्यों? व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो ने भारत की तेल खरीद को "opportunistic and very bad" कहा। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने तो यहाँ तक कह दिया कि भारत रूसी तेल खरीदकर सिर्फ अमीर भारतीय परिवारों को फायदा पहुँचा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत ने 16 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त मुनाफा कमाया है। लेकिन अगर यही तर्क मान लिया जाए, तो अमेरिका की शेल गैस कंपनियाँ, तेल निर्यातक, हथियार निर्माता और फार्मा कंपनियाँ भी तो मुनाफा ही कमा रही हैं। तो फिर भारत के मुनाफे पर इतनी तकलीफ क्यों? असलियत यह है कि अमेरिका दुनिया की ऊर्जा राजनीति पर अकेले अपना दबदबा बनाए रखना चाहता है। यहाँ यह भी समझना जरूरी है कि भारत की रूस पर निर्भरता कोई स्थायी नहीं है, बल्कि व्यावहारिक है। भारत 2021 तक रूस से अपनी ज़रूरत का केवल 1% से भी कम तेल खरीदता था। लेकिन पश्चिमी प्रतिबंधों के बाद रूस ने डिस्काउंट देना शुरू किया और भारत ने इसका फायदा उठाया। इससे भारतीय जनता को महंगे पेट्रोल-डीज़ल से कुछ राहत मिली और रिफाइनरी कंपनियों को भी प्रतिस्पर्धी बढ़त मिली। लेकिन जैसे ही अमेरिका ने दबाव बनाया और टैरिफ बढ़ाया, भारत की खरीद कम हो गई। परिणाम यह हुआ कि चीन ने यह अवसर तुरंत लपक लिया और रूस से ज्यादा तेल खरीदना शुरू कर दिया। क्या अमेरिका को इस पर आपत्ति है? नहीं। क्यों? क्योंकि चीन से टकराने की अमेरिका की हिम्मत नहीं है। अमेरिका की नीति का एक और पहलू यह है कि वह भारत पर दबाव डालकर अपने तेल को बेचने का रास्ता साफ करना चाहता है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली छमाही में भारत का अमेरिका से तेल आयात 51% बढ़कर 2.71 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुँच गया था, सबसे बड़ी बात यह है कि यह वृद्धि 2024 की पहली छमाही में 1.8 लाख बैरल प्रति दिन की तुलना में काफी अधिक है, फिर भी उसका मन नहीं भर रहा है। यानी, अमेरिका चाहता है कि भारत किसी भी सूरत में रूस से तेल न खरीदे और मजबूरी में उससे खरीदे। यह एक प्रकार का आर्थिक ब्लैकमेल है। भारत को सस्ते विकल्प छोड़कर महंगे विकल्प अपनाने के लिए मजबूर करना किसी भी तरह न्यायसंगत नहीं कहा जा सकता। भारत सरकार ने अमेरिका की इस नीति का विरोध भी किया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत की तेल खरीद जरूरत के हिसाब से है, और पश्चिमी देश खुद भी रूस से कुछ व्यापार जारी रखे हुए हैं। यानी, जो काम अमेरिका और यूरोप खुद करें तो सही, लेकिन भारत करे तो गुनाह। भारत ने साफ कर दिया है कि वह अपनी जनता को सस्ता ऊर्जा स्रोत देने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। यही भारत का अधिकार है और यही किसी भी संप्रभु राष्ट्र की स्वतंत्रता का हिस्सा है। आज जिस तरह के आंकड़े सामने आ रहे हैं, उससे पता चलता है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज और अन्य निजी कंपनियाँ भी रूस से तेल खरीदकर अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में पेट्रोलियम उत्पाद बेच रही हैं। इससे भारत को विदेशी मुद्रा आय हुई है। अगर चीन यही काम करे तो उसे "व्यापारिक चतुराई" कहा जाता है, लेकिन भारत करे तो उसे "खतरनाक" कहा जाता है। यह भेदभाव अब दुनिया की नज़र से छिपा नहीं है। वस्तुतः अमेरिका यह चाहता है कि ऊर्जा संसाधनों का उपयोग उसकी विदेश नीति के औज़ार के रूप में हो। रूस को कमजोर करना, चीन को नियंत्रित करना और भारत को अपने खेमे में बनाए रखना, यह उसकी रणनीति है। लेकिन नया विश्व, जिसे हम Global South कहते हैं, अब इस दबाव को स्वीकार करने की स्थिति में नहीं है। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका जैसे देश अब बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं। इन देशों की आवाज़ अब संयुक्त राष्ट्र और जी-20 जैसे मंचों पर गूंज रही है। तेल पर प्रतिबंध लगाना या टैरिफ के माध्यम से दबाव बनाना वास्तव में विकासशील देशों को पीछे धकेलना है। ऊर्जा के बिना विकास असंभव है। यदि भारत को सस्ता तेल रूस से मिलता है, तो इससे उद्योग को राहत मिलेगी, महंगाई नियंत्रित होगी और विकास तेज़ होगा। अमेरिका का यह कहना कि भारत मुनाफा कमा रहा है, दरअसल उसकी अपनी खीझ का परिणाम कहा जा सकता है। अमेरिका को आज यह स्वीकार करना होगा कि हर देश अपने हित में काम करता है। भारत का रूस से तेल खरीदना न तो अनुचित है और न ही गैरकानूनी। यह पूरी तरह व्यावहारिक और आवश्यक कदम है। इसलिए अमेरिका को भारत की तेल खरीद पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

देश दुनिया से

न्याय के मार्ग में बाधक न बन पाए बेंच हंटिंग

कानूनी दुनिया में 'बेंच हंटिंग' शब्द इन दिनों सुर्खियों में है, खासकर 16 वकीलों को बार काउंसिल द्वारा मिले नोटिस के बाद। यह केवल एक कानूनी शब्दावली नहीं, बल्कि हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता और अखंडता पर एक चिंता पैदा करती है। यह न्याय को प्रभावित करने और अपनी सुविधानुसार परिणाम प्राप्त करने का एक सीधा प्रयास है, जो न्यायिक नैतिकता के खिलाफ है। बेंच हंटिंग न केवल न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता को खतरे में डालती है, बल्कि आम जनता के न्याय प्रणाली में विश्वास को भी गहरी चोट पहुंचाती है। यह प्रथा न्याय के मार्ग को बाधित करती है। सरल शब्दों में, बेंच हंटिंग का मतलब है किसी खास मामले की सुनवाई के लिए अपनी पसंद के जज या पीठ (बेंच) की तलाश करना। वकील या उनके मुवक्किल ऐसे जज के सामने अपना मामला ले जाने की कोशिश करते हैं जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे उनके पक्ष में फैसला दे सकते हैं, या ऐसे जज से बचने की कोशिश करते हैं जिनके बारे में उन्हें लगता है कि वे उनके खिलाफ जा सकते हैं। यह अक्सर कानूनी दांव-पेंच का हिस्सा बन जाता है, जहां मामले को सूचीबद्ध कराने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए जाते हैं, जैसे कि बार-बार मामले को वापस लेना और फिर से दायर करना, या फिर मामले को इस तरह से प्रस्तुत करना कि वह एक विशिष्ट बेंच के सामने आ जाए। यह न्यायपालिका के 'रैंडम एलोकेशन' सिद्धांत का सीधा उल्लंघन है, जिसके तहत मामलों को बेतरतीब ढंग से न्यायाधीशों को सौंपा जाना चाहिए। यह न्यायिक प्रक्रिया का एक अनुचित और अनैतिक हेरफेर है, जो न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। बेंच हंटिंग पर बढ़ती चर्चा के मुख्य कारणों में से एक डिजिटलीकरण और सूचना की सुलभता है। अदालती कार्यवाही और न्यायाधीशों के पिछले फैसलों से जुड़ी जानकारी अब आसानी से उपलब्ध है, जिससे वकीलों के लिए न्यायाधीशों के रुझानों को समझना आसान हो गया है। हालांकि, यह पारदर्शिता के लिए अच्छा है, लेकिन इस जानकारी का दुरुपयोग बेंच हंटिंग के रूप में भी हो सकता है। न्यायपालिका पर बढ़ता दबाव और कानूनी पेशे में तीव्र प्रतिस्पर्धा भी एक अहम कारक है। मुवक्किलों से अनुकूल

परिणाम हासिल करने के दबाव में, कुछ वकील अनैतिक तरीकों का सहारा लेने पर मजबूर हो रहे हैं। सोशल मीडिया और मीडिया कवरेज ने इस मुद्दे को घर-घर तक पहुंचाया है। उच्च-प्रोफाइल मामलों में बेंच हंटिंग के आरोपों पर त्वरित बहस और विश्लेषण होता है, जिससे यह मुद्दा तेजी से फैलता है और आम जनता के बीच कानूनी जागरूकता को भी बढ़ाता है। भारत में 'बेंच हंटिंग' के आरोप कई बार सामने आए हैं, हालांकि किसी विशेष मामले में इसे सीधे तौर पर साबित करना अक्सर चुनौतीपूर्ण होता है। जस्टिस चेलामेश्वर बनाम भारत संघ (2018), हालांकि यह मामला सीधे तौर पर बेंच हंटिंग का नहीं था, लेकिन इसने न्यायपालिका के भीतर 'मास्टर ऑफ रोस्टर' की शक्ति और उसके संभावित दुरुपयोग पर एक महत्वपूर्ण चर्चा छेड़ दी थी। चेन्नई वाटर केस के मामले में, एक पार्टी ने लगातार अलग-अलग याचिकाएं दायर कीं ताकि मामला एक विशेष न्यायाधीश के सामने आ सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसे स्पष्ट रूप से बेंच हंटिंग माना और इसकी कड़ी आलोचना की। प्रशांत भूषण बनाम भारत संघ मामले में इस अवमानना मामले की सुनवाई के दौरान, ऐसी चर्चाएं उठी थीं कि प्रशांत भूषण अपनी पसंद की बेंच के सामने मामले की सुनवाई करवाना चाहते थे। कोर्ट ने इस पर सख्त रुख अपनाया और स्पष्ट किया कि कोई भी वकील या पक्षकार अपनी पसंद की बेंच नहीं चुन सकता। एक अन्य दिलचस्प घटना तब हुई जब एक वकील ने बार-बार एक ही मामले को अलग-अलग तारीखों पर सूचीबद्ध करवाने की कोशिश की, जिस पर एक तत्कालीन न्यायमूर्ति ने मज़ाकिया अंदाज़ में टिप्पणी की थी, 'वकील साहब, क्या आप अपनी पसंद की बेंच का 'स्वयंवर' कर रहे हैं?' विभिन्न देशों की न्यायिक प्रणालियों से हम भारत की न्यायपालिका में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण सबक ले सकते हैं। अमेरिकी न्याय प्रणाली में कंप्यूटरीकृत आवंटन प्रणाली और हितों के टकराव को रोकने के लिए सख्त नियम बेंच हंटिंग को कम करते हैं, जिससे हमें स्वचालित प्रणालियों और न्यायाधीशों की स्व-निवृत्ति के महत्व का पता चलता है। यूनाइटेड किंगडम (यूके) न्यायाधीशों के लिए पूर्वाग्रह की आशंका होने पर खुद को अलग करने को अनिवार्य करता है, जो नैतिक प्रशिक्षण और सख्त निगरानी की आवश्यकता पर जोर देता है। वहीं, कनाडा का मॉडल निष्पक्ष आवंटन और न्यायिक आचरण पर कड़ी निगरानी के माध्यम से न्यायिक स्वतंत्रता को बनाए रखता है, जो एक मजबूत निगरानी तंत्र के महत्व को दर्शाता है। इन मॉडलों को अपनाकर भारत अपनी न्यायिक प्रक्रिया में ईमानदारी और निष्पक्षता को मजबूत कर सकता है। न्यायिक प्रणाली में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए कई ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। अदालतों में मामलों के आवंटन के लिए पूरी तरह से कंप्यूटरीकृत और रैंडम प्रणाली अपनाई जानी चाहिए, जिससे मानवीय हस्तक्षेप कम हो और पक्षपात की संभावना नगण्य हो जाए। काउंसिल को बेंच हंटिंग में शामिल वकीलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। वकीलों की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वे न्याय प्रक्रिया का सम्मान करें। जैसा कि सर्वोच्च न्यायालय मानता है, यह न्यायिक प्रक्रिया की शुचिता और विश्वसनीयता को गंभीर रूप से कमजोर करता है।

आप का नजरिया

पंजाब में फंस रही है आम आदमी पार्टी

आम आदमी पार्टी पंजाब में लगता है दिन-प्रतिदिन दलदल में धंसती जा रही है। दिल्ली का अड्डा उखड़ जाने के बाद केजरीवाल ने अपने कुछ गिने चुने साथियों के साथ पंजाब में ही डेरा जमा लिया था। लेकिन केजरीवाल की लालसा दिल्ली, पंजाब से संतुष्ट होने वाली तो है नहीं। वे अपनी पार्टी को क्षेत्रीय पार्टी भी नहीं मानते। उनकी दृष्टि में भाजपा के बाद उनकी पार्टी ही एक मात्र राष्ट्रीय पार्टी है। वे राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं। इस लिहाज से वे मोदी की टक्कर के नेता हैं। उन्हें भारत का प्रधानमंत्री बनना है। इसके लिए उन्हें और उनकी पार्टी को पैसे की जरूरत थी। दिल्ली में इसके लिए विशेष शराब नीति बनाई गई। एक बोतल के साथ दूसरी बोतल मुफ्त। लेकिन जब हो हल्ला हुआ तो नीति को बीच रास्ते छोड़ दिया गया। यह हो हल्ला कानून का ही था। कानून का हो हल्ला खतरनाक होता है। बीच रास्ते नीति छोड़ देने के बाद भी होता रहता है। यही कारण है कि केजरीवाल और उनके दूसरे साथी मनीष सिसोदिया को लंबे अरसे तक जेल में रहना पड़ा। अभी भी जमानत पर ही छूटे हुए हैं। इससे भी ज्यादा नुकसान तो तब हुआ जब इस शराब घोटाले के कारण दिल्ली विधानसभा का चुनाव तक हार गए। उस हार की वजह से केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने पंजाब में डेरा जमा लिया। पहले केजरीवाल दिल्ली से छलांग लगा कर प्रधानमंत्री बनना चाहते थे और अब पंजाब से छलांग लगा कर प्रधानमंत्री का सपना पालने लगे। लेकिन दिल्ली में लगी पैसे की लत छूट नहीं रही थी। उसके लिए कोई रास्ता निकालना जरूरी था। पंजाब में इसके लिए एक नई नीति बनाई गई जिसका नाम रखा गया 'लैंड पूलिंग नीति'। इस नई नीति के अनुसार सरकार को पांच-छह जिलों के किसानों की 65 हजार से भी ज्यादा उपजाऊ जमीन पंजाब सरकार ने काबू करनी थी। यह जमीन किसानों से लेकर बिल्डर्स को नई-नई कालोनियां बनाने के लिए दी जाने वाली थी। लेकिन ख़ूबसूरती यह थी कि इसके लिए किसानों को कोई मुआवजा नहीं दिया जाना था। किसानों को दिल्ली की शैली में समझाने की कोशिश की जा रही थी कि आपको जमीन के बदले में एक या दो प्लाट दिए जाएंगे। यानी मेरी एक एकड़ जमीन लेकर मुझे उसी जमीन में से एक प्लाट दिया जाएगा। इस प्लाट पर मैं दुकान खोल सकता था, घर बना सकता था। सरकार का कहना था कि इन प्लाटों की कीमत एक एकड़ की कीमत से कहीं ज्यादा होने वाली थी, क्योंकि अब यह प्लाट किसी विकसित कालोनी का हिस्सा बनने वाले थे। यानी सरकार का कहना था कि यह खेती बेकार का काम था, किसानों को चाहिए कि वे नई विकसित कालोनियों में अपनी दुकानें खोलें और ख़ूब पैसा कमाएं। यह आम आदमी पार्टी की पंजाब में किसानों की भलाई के लिए लागू की जाने वाली किसान भलाई स्कीम थी। दिल्ली में शराबियों के लिए 'शराब भलाई स्कीम' के फेल हो जाने के बाद पंजाब में यह नई 'किसान भलाई स्कीम' लागू की गई थी। लेकिन भीतर की बात जानने का दावा करने वाले कह रहे थे कि 'शराब भलाई स्कीम' की तरह ही यह पंजाब में बिल्डर्स माफिया से पैसा वसूलने का केजरीवाल का तरीका है। लेकिन मान लो किसान अपनी जमीनें सरकार को देकर, खेती का काम छोड़ कर दुकानें भी खोल लें तो भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न बचता था। गांव में इस जमीन पर मजदूरी का काम काम करके आजीविका चलाने वाला भी एक वर्ग होता है। इसी जमीन के लिए किसानों की अन्य जरूरतें पूरी करने वाले कुछ बढ़ई, लोहार इत्यादि भी होते हैं। किसान तो जमीन देकर दुकानदार बन जाएगा लेकिन किसान की जमीन पर आश्रित ये बाकी लोग कहां जाएंगे? इसका उत्तर देने की जरूरत शायद केजरीवाल जरूरी नहीं समझते। लेकिन पंजाब के किसान शायद केजरीवाल की इस किसान भलाई स्कीम को समझ नहीं पाए। वैसे भी केजरीवाल की स्कीमों को समझने के लिए बुद्धि से ज्यादा चतुराई चाहिए। केजरीवाल को प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, कुमार विश्वास व डां आनंद कुमार जैसे लोग नहीं समझ पाए थे। जब तक समझ पाते तब तक वे इन सभी को पार्टी से बाहर निकाल चुके थे। जिस केजरीवाल की भीतरी चतुराइयों को अन्ना हजारे नहीं समझ पाए, उसे पंजाब के सीधे-साधे निश्छल किसान कहां समझ पाएंगे? यही सोच कर भगवंत मान की सरकार ने किसानों पर लैंड पूलिंग पालिसी का जाल फेंका था। लेकिन पंजाब का किसान समझ गया कि शिकारी ने जाल फेंका है। पंजाब का किसान एक बार इस जाल में फंस चुका था और केजरीवाल को पंजाब में विधानसभा की 92 सीटें दे दी थीं। परंतु काठ की हांडी चूल्हे पर एक बार चढ़ती है, बार-बार नहीं चढ़ती। किसानों ने गांव के बाहर जगह-जगह बोर्ड लगा दिए, केजरीवाल की पार्टी का कोई आदमी गांव में न आए। उनका प्रवेश वर्जित है। भगवंत मान अपने चुटकुले सुना कर किसानों को धोखा देने की कोशिश करते करते स्वयं ही चुटकुला बनने की स्थिति में पहुंचने लगे। पहले तो वे अपने गांव की कहानियां सुनाया करते थे कि किसान अपनी जमीन की रक्षा के लिए कत्ल करने से भी नहीं चूकता, लेकिन अब वे यह समझाने लगे कि दुकानदारी के क्या क्या फायदे हैं। यह फायदे शायद उन्हें केजरीवाल ही बताते होंगे, क्योंकि भगवंत मान तो आज तक भी यही समझाते रहते थे कि किसान खेती कैसे करता है। लेकिन अब वे पंजाब के किसानों को नया पाठ पढ़ा रहे थे। यह वह पाठ था जिसे याद करने में शायद भगवंत मान के भी पसीने छूट रहे थे। लेकिन किस्सा कोताह यह कि अंत में दिल्ली की शराब नीति की तरह पंजाब में यह किसान भलाई नीति भी सरकार को वापस लेनी पड़ी।

दृष्टि कोण

सरकाघाट खेल मैदान से अब बजरी तो हटवा दो

हिमाचल प्रदेश का अधिकांश भूभाग पर्वतीय होने के कारण यहां खेल मैदान तैयार करने के लिए पहाड़ काट कर जमीन समतल करने पर बहुत अधिक धन खर्च हो जाता है, तो फिर प्लेट फील्ड बनाने के लिए उस योजना में धन कम पड़ता है। इसलिए भी हिमाचल प्रदेश में खेल मैदानों की योजनाओं को पूरा नहीं किया जा सका है। हिमाचल प्रदेश में शिक्षा संस्थानों के पास खेल मैदानों का अभाव है। यही सबसे बड़ी कमी है कि हम पहाड़ी दमखम में अव्वल होते हुए भी खेलों में वह सब नहीं कर पाए हैं जो कर सकते हैं। खेल मैदान और पार्क में क्या अंतर है, यह समझने में सरकारें अभी भी नाकाम हैं। लगातार हो रही बरसात के कारण आगामी पंद्रह अगस्त की परेड व झंडा सलामी के लिए सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल सरकाघाट के खूबसूरत मैदान में कई ट्रक बजरी डालकर कार्यक्रम को सफल भी बना लिया है। अच्छा होगा सरकार कार्यक्रम के बाद अब मैदान से बजरी-पत्थर निकाल कर अच्छी बिना कंकड़ व पत्थर वाली साफ मिट्टी से समतल करवाएं ताकि वहां हाकी, फुटबॉल व अन्य खेल हो सकें। प्रदेश के पास आज से दो दशक पहले तक खेल ढांचे के नाम पर सैंकड़ों साल पहले राजा महाराजाओं द्वारा मेले व उत्सवों के लिए बनाए गए चंद, मगर बेहतरीन मैदान चंबा, मंडी, नादौन, सुजानपुर, जयसिंहपुर, कुल्लू, अनाडेल, रोहड़ू, रामपुर, सोलन, चैल, नाहन आदि जगहों पर थे। इन मैदानों पर हिमाचल प्रदेश की खेल गतिविधियां कई दशकों से मेलों-उत्सवों व राजनीतिक रैलियों से बचे समय में चलती रही हैं। इन पुराने व ऐतिहासिक मैदानों का हाल कुछ ठीक नहीं है। कहीं अतिक्रमण व कहीं पर अव्यवस्था का बोलबाला साफ नजर आता है। वैसे तो हिमाचल प्रदेश की तरक्की में विभिन्न सरकारों का योगदान रहा है, मगर हिमाचल प्रदेश में पहली बार नई सदी के शुरुआती वर्षों में प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल की सरकार ने राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल ढांचे को

खड़ा करने की शुरुआत की और आज हिमाचल प्रदेश में कई खेलों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्ले फील्ड एथलेटिक्स, क्रिकेट, हाकी, तैराकी व इंडोर खेलों के लिए उपलब्ध है। क्रिकेट में अनुराग ठाकुर के प्रयासों ने हिमाचल प्रदेश को क्रिकेट के अंतरराष्ट्रीय प्ले फील्ड बनवाई है। बिलासपुर के लुहणू का खेल परिसर पूर्व मंत्री ठाकुर रामलाल के प्रयत्नों से सामने आया है। एथलेटिक्स सभी खेलों की जननी है, इसी से सब खेल निकले हैं और इसके प्रशिक्षण के बिना किसी खेल में दक्षता नहीं मिल सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज हमीरपुर, बिलासपुर व धर्मशाला में तीन सिंथेटिक ट्रैक बन कर तैयार हैं। शिलारू के साई सेंटर में दो सौ मीटर का प्रैक्टिस ट्रैक बन कर तैयार है। सरस्वतीनगर में काम हो रहा है। किसी किसी राज्य के पास अभी तक एक भी ट्रैक नहीं है। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर व धर्मशाला सिंथेटिक ट्रैकों पर लोग टहलते नजर आते हैं। धर्मशाला की तरह हमीरपुर में भी खिलाडियों के लिए पहचान पत्र बनाना होगा। भर्ती के लिए बाहर कच्चे पर केवल ट्रायल के लिए स्वीकृत किया जा सकता है। शेष ट्रेनिंग बाहर के अन्य मैदानों व सडक़ों पर हो सकती है। सिंथेटिक ट्रैक पार्क बन चुके हैं। वहां आम लोगों का प्रवेश वर्जित कर देना चाहिए, केवल एथलीट के लिए ही प्रवेश रखना चाहिए। तभी इन प्ले फील्ड को लंबे समय तक खिलाडियों के लिए उपलब्ध करवाया जा सकता है। कल जब हिमाचल प्रदेश के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर के एथलीट होंगे और प्रशिक्षण के लिए उखड़ा हुआ ट्रैक होगा, तो फिर पहाड़ की संतान को राज्य से पलायन या फिर पिछडऩे का दंश झेलना पड़ेगा। इसलिए इस बरबादी को अभी से रोकना होगा, तभी हम अपनी आने वाली पीढियों से न्याय कर सकेंगे। इस कॉलम के माध्यम से इस विषय पर बार-बार लिखने के बाद भी हिमाचल सरकार इन विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं पर ध्यान नहीं दे रही है। हिमाचल में ट्रेनिंग कर पहाड़ की संतानों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए कुछ लोगों के जुनून के कारण बिना सुविधाओं के मिट्टी पर ट्रेनिंग कर राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दी थी, तभी यह अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधा आने वालों को मिल पाई है। हिमाचल प्रदेश में इस समय हर जिला स्तर सहित कई जगह उपमंडल स्तर पर भी इंडोर स्टेडियम बन कर तैयार हैं, मगर उन स्टेडियमों में बनी प्ले फील्ड का उपयोग प्रशिक्षण के लिए खिलाडियों को ठीक से करना नहीं मिल रहा है। वहां पर अधिकतर शहर के लाला व अधिकारी अपनी फिटनेस करते हैं।

नेपाल में मधेश आंदोलन के दौरान हुए 400 से अधिक पुलिस इनकाउंटर की जांच का आदेश

काठमांडू,22 अगस्त (एजेंसियां)।

नेपाल में लोकतंत्र पुनर्बहाली के बाद शुरू हुए मधेश आंदोलन के दौरान पुलिस द्वारा किए गए 400 से अधिक इनकाउंटर की जांच का आदेश दिया गया है। 9 साल पहले कोर्ट में दायर एक याचिका पर फैसला देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी इनकाउंटर की निष्पक्ष जांच करने का आदेश दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों के बेंच ने सन 2006 से लेकर 2015 के बीच मधेश के जिलों में पुलिस द्वारा विशेष सुरक्षा अभियान के नाम पर किए गए इनकाउंटर की जांच करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील रंजन सिंह के द्वारा दायर किए गए रिट पर कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए के केन्द्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) से इन सभी इनकाउंटर की जांच करने को कहा है।

2016 में अधिवक्ता सुनील रंजन सिंह ने कोर्ट में याचिका दायर करते हुए सरकार के विशेष सुरक्षा योजना के तहत पुलिस द्वारा 400 से अधिक फेक इनकाउंटर कर निर्दोष नागरिकों की हत्या करने का आरोप लगाते हुए इसकी जांच की मांग की थी। अब 9 साल बाद सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज केसी और हरि फ़ुयाल की बेंच ने सभी घटनाओं की निष्पक्ष जांच का आदेश दिया है।

भारतीय सीमावर्ती क्षेत्र मधेश के जिलों में अपने संवैधानिक अधिकार और सामाजिक पहचान को लेकर आंदोलन शुरू किया। इसी बीच कई संगठनों ने सशस्त्र आंदोलन भी शुरू किया था। इनमें माओवादी से अलग हुए मधेशी नेताओं ने सशस्त्र विद्रोह करने की घोषणा की थी। इससे निबटने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल ने नेपाल पुलिस को विशेष सुरक्षा योजना के तहत इन सशस्त्र विद्रोहियों के साथ निबटने का विशेषाधिकार दिया था।

नेपाल पुलिस ने मधेश के 22 जिलों में विशेष सुरक्षा योजना के तहत कई इनकाउंटर किए जिसमें 400 से अधिक नागरिकों की मौत हो गई। याचिकाकर्ता का आरोप है कि नेपाल पुलिस ने अधिकांश फेक इनकाउंटर कर निर्दोष लोगों की हत्या की है। इसमें अधिकांश निर्दोष लोग मारे हैं जिन पर सशस्त्र समूहों के साथ मिले होने का आरोप लगा था। कोर्ट के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अधिवक्ता सुनील रंजन सिंह ने कहा कि अदालत का फैसला स्वागतयोग्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अदालत के आदेश के बाद सीआईबी इन घटनाओं की निष्पक्ष जांच करेगी दोषी पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि वैसे तो रिट में इन घटनाओं की न्यायिक जांच के आदेश देने की मांग की गई थी लेकिन कोर्ट ने उसे नहीं माना।

न्यूज ब्रीफ

ओली सरकार के संसद में विश्वास मत हासिल न करने के मामले में सुनवाई करेगा नेपाल सुप्रीम कोर्ट

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार को समर्थन देने वाले दो दलों के समर्थन वापस लेने के बाद भी संवैधानिक प्रावधानों के तहत सदन में विश्वास का मत नहीं लेने के मामले में उच्चतम न्यायालय में सुनवाई की जाएगी। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार से नागरिक उन्मुक्ति पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी नेपाल ने 45 दिन पहले ही अपना समर्थन वापस ले लिया था। इनमें नागरिक उन्मुक्ति पार्टी सरकार में शामिल थी तो जनता समाजवादी पार्टी बाहर से समर्थन दे रही थी। नेपाल के संविधान में प्रावधान है कि यदि सरकार में शामिल कोई दल समर्थन वापस लेता है तो ऐसे में प्रधानमंत्री को 30 दिन के भीतर सदन में विश्वास मत हासिल करना होगा, लेकिन 45 दिन के बाद भी ऐसा न होने पर उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गई है, जिस सुनवाई शुरू हो रही है। यूएमएल पार्टी के महासचिव शंकर पोखरेल ने कहा कि सरकार बनाने का दावा पेश करते समय सिर्फ नेपाली कांग्रेस और यूएमएल पार्टी के समर्थन से सरकार का गठन किए जाने का पत्र दिया गया था इसलिए बाकी दलों के समर्थन देने या वापस लेने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। याचिका दायर करने वाले अधिवक्ता वीरेन्द्र केसी का तर्क है कि नेपाल के संविधान में प्रावधान है कि जब सरकार में शैल कोई दल सरकार से बाहर हो जाता है या समर्थन वापस ले लेता है, तो ऐसी परिस्थिति में प्रधानमंत्री को 30 दिनों के भीतर ही सदन में विश्वास मत लेना होगा।

नेपाल के शुक्लाफांटा राष्ट्रीय उद्यान में इस वर्ष मिले 19 दुर्लभ प्रजातियों के पक्षी

काठमांडू। नेपाल के शुक्लाफांटा राष्ट्रीय उद्यान में इस वर्ष 19 दुर्लभ प्रजातियों के पक्षी पाए गए हैं। इन

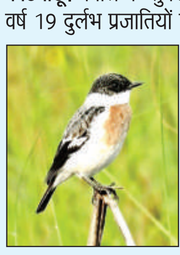

दुर्लभ पक्षियों में छोटी टाइट, सारस, काले पैर वाले ईगल, काले पैर वाले गिद्ध और छोटे भूरे रंग के गिद्ध, सुनहरे गिद्ध, भीमकाय बाज, लुप्तप्राय बाज़, सफेद गले वाले तीतर और कई अन्य प्रजातियां शामिल हैं। शुक्लाफांटा राष्ट्रीय उद्यान 465 दुर्लभ प्रजातियों के पक्षियों का घर है, जिनमें से इस वर्ष 19 को दुनिया भर में दुर्लभ माना गया है। नेपाल की बर्ड कंजर्वेशन सोसाइटी (बीसीएन) के पक्षी विज्ञानी हिरुलाल डगौरा के अनुसार इनमें से सबसे अधिक लुप्तप्राय ग्रेट इंडियन बस्टर्ड है। यह ऐसा पक्षी है, जो घास के मैदानों में रहता है और शुक्लाफांटा की पहचान से निकटता से जुड़ा हुआ है। पार्क में इसकी जनसंख्या बहुत कम है। शुक्लाफांटा के लिए अद्वितीय सुनहरे कैनन पक्षी को लालपानी, मोहनपुर और सिंहपुर जैसे घास के मैदानों में देखा जा सकता है। यह पक्षी आर्द्रभूमि और घास के मैदानों के पास कांटेदार पेड़ों में घोंसला बनाता है, जिसमें कभी-कभी एक ही पेड़ में दर्जनों घोंसले पाए जाते हैं। इस उद्यान में सफेद गले वाले तीतर जैसे प्रवासी पक्षी सर्दियों में आते हैं, जबकि सारस अक्सर झीलों में आते हैं। इस उद्यान में विभिन्न गिद्ध भी रहते हैं। शुक्लाफांटा गिद्धों की आठ प्रजातियों का घर है, जिनमें से चार सेबल गिद्ध, कम धूसर गिद्ध, सुनहरा गिद्ध और सफेद गिद्ध गंभीर रूप से लुप्तप्राय हैं। डगौरा के अनुसार यहां सेबल गिद्धों की आबादी थोड़ी बढ़ी है, लेकिन अन्य प्रजातियों की संख्या बहुत कम है। यहां की सभी गिद्ध प्रजातियां प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईयूसीएन) की रेड लिस्ट में सूचीबद्ध हैं। यह उद्यान सर्दियों में प्रवासी पक्षियों के लिए भी एक प्रमुख गंतव्य है।

ब्रिटेन ने ईरानी तेल कारोबारी और चार कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध

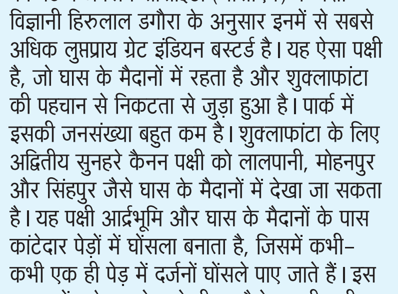

लंदन। ब्रिटेन ने गुरुवार को ईरानी तेल कारोबारी मोहम्मद हुसैन शमखानी और चार कंपनियों पर तेहरान की विदेशी गतिविधियों को समर्थन देने वाले नेटवर्क का हिस्सा होने का आरोप लगाते हुए प्रतिबंध लगाया है। इनमें यूक्रेन और इजराइल में अस्थिरता फैलाना भी शामिल है। ब्रिटिश विदेश मंत्रालय ने कहा कि इन प्रतिबंधों में शमखानी पर संपत्ति फ्रीज और यात्रा प्रतिबंध तथा शिपिंग, पेट्रोकेमिकल और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों पर संपत्ति फ्रीज शामिल है। ब्रिटेन के मध्य पूर्व मामलों के मंत्री हैमिश फाल्कनर ने कहा, ईरान की व्यापारिक नेटवर्क और संबद्ध संगठनों से होने वाली आमदनी उसे अस्थिर करने वाली गतिविधियों को अंजाम देने, क्षेत्रीय प्रॉक्सी और साझेदारों को समर्थन देने और ब्रिटेन में राज्य-प्रायोजित खतरों को सक्षम करने में मदद करती है। ईरानी दूतावास ने इन प्रतिबंधों को एकतरफा और अवैध कदम बताते हुए खारिज किया और इसे निराधार आरोप करार दिया।

अमेरिका के पहले सरकारी अप्रवासी हिरासत केंद्र को जज ने दिया ढहाने का आदेश, ट्रंप प्रशासन फैसले के खिलाफ करेगा अपील

वाशिंगटन,22 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका के मियामी स्थित संघीय जिला न्यायालय की न्यायाधीश कैथलीन एम. विलियम्स ने गुरुवार को आदेश दिया कि अप्रवासी बंदियों की हिरासत के लिए बनाए गए देश के पहले सरकारी केंद्र (फ्लोरिडा एवरग्लेड्स स्थित हिरासत केंद्र) का अधिकांश हिस्सा दो माह में ध्वस्त कर दिया जाए। साथ ही इस केंद्र में कोई नया बंदी भी न भेजा जाए। ट्रंप प्रशासन ने फैसले को चुनौती देने की घोषणा की है। इस केंद्र को आव्रजन निरोध केंद्र और एलीगेटर अल्काट्राज के नाम से भी जाना जाता है। खबर के अनुसार, न्यायाधीश कैथलीन एम. विलियम्स ने फैसले में राज्य और संघीय सरकारों को एलीगेटर अल्काट्राज नामक इस केंद्र के निर्माण से पहले संभावित पर्यावरणीय क्षति पर विचार न करने के लिए फटकार भी लगाई है। उन्होंने सरकार के दोनों विभागों को मौजूदा बंदियों को हटाने और बाड़, प्रकाश व्यवस्था, बिजली जनरेटर और अन्य सामग्री हटाने के लिए 60 दिन का समय दिया है। आदेश में उस स्थान पर किसी भी नए निर्माण पर भी रोक लगाई गई है। न्यायाधीश कैथलीन एम. विलियम्स का मानना है कि राज्य और संघीय सरकारों ने निर्माण परियोजना से पहले पर्यावरणीय समीक्षा न कर संघीय कानून का उल्लंघन किया है। न्यायाधीश विलियम्स ने पर्यावरणविदों और मिकोसुकी जनजाति के सदस्यों के आग्रह को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि यह केंद्र संरक्षित भूमि से घिरा हुआ है। यह संवेदनशील एवरग्लेड्स पारिस्थितिक तंत्र का हिस्सा है। उन्होंने फैसले में टिप्पणी की है कि यह केंद्र आर्द्रभूमि और यहां रहने वाले मिकोसुकी जनजाति समुदाय के लिए जोखिम पैदा करता है। यह समुदाय अपनी जलापूर्ति के लिए एवरग्लेड्स पर निर्भर हैं। उन्होंने लिखा, यह परियोजना क्षेत्र में लुप्तप्राय प्रजातियों के आवास के नुकसान और मृत्यु दर में वृद्धि के रूप में अपूरणीय क्षति पहुंचाती है। ट्रंप प्रशासन ने तर्क दिया था कि राष्ट्रीय पर्यावरण नीति अधिनियम के तहत समीक्षा लागू नहीं होती, क्योंकि केंद्र में संघीय आव्रजन बंदियों को रखा जाता है, लेकिन इसका संचालन राज्य करता है। वहीं, गवर्नर रॉन डेसेंटिस के प्रशासन ने तर्क दिया कि हिरासत केंद्र को संचालित करने का अधिकार संघीय सरकार के साथ एक समझौते से प्राप्त हुआ है। इसके लिए फ्लोरिडा को कुछ आव्रजन प्रवर्तन शक्तियां सौंपी गईं।

अमेरिका से 7000 नेपाली नागरिकों के निर्वासन के फैसले पर संघीय अदालत में मुहर लगाई

काठमांडू। संयुक्त राज्य अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने नेपाल के नागरिकों के लिए अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) को समाप्त करने का रास्ता साफ कर दिया है। इसके साथ ही इस सुविधा के तहत अमेरिका में रह रहे 7000 नेपाली नागरिको को अब देश छोड़ना ही होगा। ताजा आदेश के कारण अमेरिका में रहे रहे 7000 नेपाली नागरिकों को अगस्त के अंतिम सप्ताह तक अमेरिका छोड़ कर जाना होगा। पिछले महीने ही, एक निचली अदालत ने तीन देशों नेपाल, निकारागुआ और होंडुरास के लिए टीपीएस रद्द करने के होमलैंड सुरक्षा विभाग के कदम पर नवंबर के मध्य तक रोक लगा दी थी। लेकिन ट्रंप प्रशासन ने इसे ऊपरी अदालत में चुनौती दी थी जिसके बाद यह ताजा फैसला आया है। अमेरिका की अपील न्यायालय के फैसले के अनुसार, जिन लोगों के पास कानूनी दर्जा नहीं है, जैसे कि ग्रीन कार्ड या शरणार्थी का दर्जा, वे टीपीएस लाभ खोने के बाद कानूनी रूप से काम करने के पात्र नहीं होंगे और उन्हें सरकार द्वारा तय समय सीमा के भीतर देश छोड़ कर जाना होगा। पिछले महीने के आदेश से पहले, ट्रम्प प्रशासन ने 5 अगस्त को नेपाल के लिए तथा सितंबर की शुरुआत में निकारागुआ और होंडुरास के नागरिकों के लिए टीपीएस को समाप्त करने का आदेश दिया था। अमेरिका की होमलैंड सुरक्षा विभाग ने गुरुवार के अपील न्यायालय के फैसले को महत्वपूर्ण कानूनी जीत बताया। होमलैंड डिपार्टमेंट की सहायक सचिव ट्रिशिया मैक्लेलन ने कहा, यह ट्रम्प प्रशासन, कानून के शासन और अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक और बड़ी कानूनी जीत है। अस्थायी संरक्षित दर्जा हमेशा अस्थायी होता है।

रिपब्लिकन गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने कहा कि उनका प्रशासन जैक्सनविले के पश्चिम में एक खाली राज्य जेल में दूसरा आव्रजन निरोध केंद्र खोलने की योजना बना रहा है। जज विलियम्स के फैसले से पहले ही डेसेंटिस ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि यह फैसला उनके प्रशासन के खिलाफ जाएगा। अपने 82 पृष्ठ के फैसले में जज विलियम्स ने आव्रजन कानूनों को लागू करने में सरकार की महत्वपूर्ण रुचि को स्वीकार किया है। उन्होंने महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि राज्य और संघीय सरकारों ने एवरग्लेड्स में एक हिरासत केंद्र बनाने की आवश्यकता के बारे में बहुत कम या कोई सबूत नहीं दिया। उन्होंने लिखा, यह स्पष्ट है कि हिरासत शिविर बनाने की जल्दबाजी में राज्य ने वैकल्पिक स्थानों पर विचार नहीं किया।

पुतिन से मुलाकात के बाद डॉ. जयशंकर ने कहा-दूसरे विश्वयुद्ध के बाद भारत रूस संबंध दुनिया में सबसे स्थिर

मास्को,22 अगस्त (एजेंसियां)।

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने गुरुवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से अहम मुलाकात की।डॉ. जयशंकर ने दोनों देशों के संबंधों की मजबूती के साथ राष्ट्रपति पुतिन की इस साल के अंत में प्रस्तावित भारत यात्रा के विभिन्न पहलुओं को अंतिम रूप देने पर भी चर्चा की। रूस की तीन दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को यहां पहुंचे डॉ. जयशंकर की पुतिन से यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने क्रेमलिन में राष्ट्रपति पुतिन से मुलाकात की। इससे पहले एस जयशंकर ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और प्रथम उप-प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव से भी मुलाकात की। इन मुलाकातों की तस्वीरें डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की हैं। रूसी एजेंसी तास के मुताबिक पुतिन से मुलाकात के बाद डॉ. जयशंकर ने सर्गेई लावरोव के साथ साझा संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दूसरे विश्व युद्ध के बाद भारत-रूस संबंध सबसे मजबूत और स्थिर रिश्तों में से एक रहा है। रूस के साथ रक्षा और सैन्य सहयोग मजबूत है। रूस संयुक्त उत्पादन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सहित भारत के %मेक इन इंडिया% लक्ष्यों का समर्थन करता है। लावरोव ने कहा कि वार्ता में आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई जिसमें इस साल के अंत में होने वाली रूस के राष्ट्रपति की भारत यात्रा की तैयारी भी शामिल है। लावरोव ने रूस-भारत संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी बताया। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन संकट को लेकर 18 अगस्त को राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन कर अलास्का में हुई रूस-अमेरिका सम्मेलन को लेकर बातचीत की। इससे पहले 7 अगस्त को पुतिन ने भारतीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मिले। ये मुलाकातें ऐसे समय में हो रही हैं जब अमेरिका ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि रूस से कच्चा तेल खरीद कर भारत अप्रत्यक्ष रूप से यूक्रेन युद्ध में मदद कर रहा है।

इजराइल गाजा युद्ध खत्म करने और बंधकों की रिहाई के लिए वार्ता शुरू करेगा: नेतन्याहू

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को घोषणा की कि उनकी सरकार गाजा में दो साल से जारी युद्ध को समाप्त करने और सभी बंधकों की रिहाई के लिए तत्काल वार्ता शुरू करेगी, बशर्ते यह समझौता इजराइल के लिए स्वीकार्य हो। गाज़ा में तैनात सैनिकों से बात करते हुए नेतन्याहू ने कहा, मैंने बंधकों की रिहाई और युद्ध समाप्त करने के लिए तत्काल वार्ता शुरू करने के निर्देश दिए हैं। हम अब निर्णय लेने के चरण में हैं। इस दौरान उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सेना गाजा सिटी पर कब्जे और हमास को परास्त करने की योजना को आगे बढ़ा रही है। इस बीच, इजराइली सेना ने 60,000 रिजर्व सैनिकों को बुलाने का आदेश दिया, जिससे संकेत मिलता है कि सरकार सैन्य दबाव बनाए रखते हुए कूटनीतिक प्रयासों को आगे बढ़ा रही है। इससे पहले, मध्यस्थ देशों ने एक अस्थायी युद्धविराम का प्रस्ताव रखा, जिसे हमास ने स्वीकार कर लिया है। इस प्रस्ताव में 60 दिन का युद्धविराम, 10 जीवित बंधकों और 18 शवों की रिहाई के बदले में इजराइल द्वारा लगभग 200 लंबे समय से कैद फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई शामिल है। हालांकि, इजराइल का कहना है कि गाजा में मौजूद सभी 50 बंधकों को एक साथ रिहा किया जाना चाहिए।

यूरोपीय संघ और अमेरिका ने 15 प्रतिशत टैरिफ वाले व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया

वाशिंगटन,22 अगस्त (एजेंसियां)।

आखिरकार यूरोपीय संघ और अमेरिका ने 15 प्रतिशत टैरिफ वाले अपने व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे दिया। पिछले महीने यूरोपीय संघ और अमेरिका ने एक टैरिफ समझौते की घोषणा करके व्यापार युद्ध से दूरी बनाई थी। तब यह सिर्फ एक औपचारिक समझौता था। कई हफ्तों से वार्ताकार इसके विवरण पर विचार-विमर्श कर रहे थे। उन्होंने गुरुवार को इसका विस्तृत विवरण दुनिया के सामने साझा किया।

खबर के अनुसार, इस समझौते तहत अमेरिका को होने वाले अधिकांश यूरोपीय निर्यात पर 15 प्रतिशत की स्पष्ट अधिकतम टैरिफ दर लागू होगी। संयुक्त बयान में दोनों देशों ने यूरोपीय कारों, दवाओं और लकड़ी पर लागू टैरिफ को कम करने पर सहमति व्यक्त की। लेकिन यूरोप के प्रमुख वाइन और स्पिरिट क्षेत्र सहित अन्य प्रमुख निर्यातक शून्य टैरिफ रियायत पाने में विफल रहे और अब उन्हें बढ़ी हुई लागत का बोझ अमेरिकी उपभोक्ताओं पर डालना पड़ रहा है। दोनों पक्षों के अनुसार यह समझौता दुनिया के सबसे मूल्यवान आर्थिक संबंधों को प्रभावित करेगा, जिसका मूल्य प्रति वर्ष 1.6 ट्रिलियन यूरो (2.8 ट्रिलियन डॉलर) है।

यह समझौता पिछले महीने यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुए समझौते पर आधारित है। वॉन डेर लेयेन ने कहा, चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करते हुए हमने अपने सदस्य देशों और उद्योग जगत के लिए काम किया है और ट्रान्साटलांटिक (अटलांटिक महासागर के उस पार) व्यापार में स्पष्टता और सुसंगतता बहाल की है। यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक ने कहा कि अमेरिका के साथ यह समझौता किसी भी व्यापारिक साझेदार को दिया गया सबसे अनुकूल है। सेफ्कोविक ने कहा कि इस समझौते से अमेरिका को यूरोपीय कार निर्यात पर टैरिफ की दर 27.5 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि फ्रांस और इटली के प्रमुख उत्पादकों के प्रयासों के बावजूद वाइन और स्पिरिट पर शून्य प्रतिशत टैरिफ लगाने का प्रयास विफल रहा।

यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक ने कहा, बावजूद इसके ये दरवाजे हमेशा के लिए बंद नहीं हुए हैं। ये टैरिफ सालाना 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक के आयात को प्रभावित करेंगे और अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए फ्रांसीसी शैंपेन, आयरिश व्हिस्की और इतालवी प्रोसेको की कीमतें बढ़ा देंगे। फ्रांस के वाइन और स्पिरिट्स फेडरेशन के प्रमुख गेब्रियल पिकार्ड ने कहा कि 15 प्रतिशत टैरिफ ने इस क्षेत्र को बेहद निराश किया है। उन्होंने कहा, हमें यकीन है कि इससे वाइन और स्पिरिट्स क्षेत्र के लिए बड़ी मुश्किलें पैदा होंगी। फ्रांसीसी व्यापार मंत्री लॉरेंट सेंट-मार्टिन ने कहा कि उनकी सरकार व्यापार समझौते में अतिरिक्त छूट की मांग करेगी।

ट्रंप की पूर्व वकील अलीना हब्बा के न्यूजर्सी के अमेरिकी अटॉर्नी के रूप में काम करने पर जज ने उठाया सवाल

वाशिंगटन,22 अगस्त (एजेंसियां)।

पेन्सिलवेनिया के मध्य जिले के न्यायाधीश मैथ्यू डब्ल्यू. ब्रैन ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप की पूर्व वकील अलीना हब्बा के न्यूजर्सी के अमेरिकी अटॉर्नी के रूप में काम करने पर सवाल उठाया है। न्यायाधीश ब्रैन ने गुरुवार को फैसले में कहा, हब्बा ने बिना किसी कानूनी अधिकार के अमेरिकी अटॉर्नी के रूप में काम किया है। वकीलों ने सवाल उठाया था कि क्या ट्रंप की वफादार अलीना हब्बा को न्यूजर्सी में अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय चलाने का कानूनी अधिकार है। इस फैसले से राष्ट्रपति ट्रंप के शीर्ष संघीय अभियोजकों को चुनने के अधिकार पर संभावित रूप से सीमाएं लग सकती हैं।

संघीय न्यायिक प्रणाली अव्यवस्थित हो गई – खबर के अनुसार, संघीय न्यायाधीश ने मैथ्यू डब्ल्यू. ब्रैन ने कहा कि हब्बा के बिना किसी कानूनी अधिकार के अमेरिकी अटॉर्नी के रूप में काम करने से राज्य की पहले से ही पंगु संघीय न्यायिक प्रणाली और भी अधिक अव्यवस्थित हो गई। न्यायाधीश ब्रैन ने लिखा, क्या हब्बा न्यूजर्सी जिले के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के अटॉर्नी के कार्यालय के कार्यों और कर्तव्यों का वैध रूप से पालन कर रही हैं: मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि वह ऐसा नहीं कर रही हैं।

किसी भी मामले में भाग लेने से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए – उन्होंने फैसले में टिप्पणी की, चूंकि वह वर्तमान में कार्यकारी क्षमता में कार्यालय के कार्यों और कर्तव्यों का पालन करने के योग्य नहीं हैं, इसलिए उन्हें किसी भी चल रहे मामले में भाग लेने से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। लेकिन न्यायाधीश ने अपने ही फैसले के व्यावहारिक प्रभाव को टाल दिया। इससे सरकार को संघीय अपील अदालत में हब्बा की ओर से पैरवी करने का मौका मिलेगा। अखबार का कहना है कि फिर भी, यह फैसला न्याय विभाग के लिए एक उल्लेखनीय फटकार है।

कार्यकाल बढ़ाने से इनकार – 41 वर्षीय हब्बा राष्ट्रपति ट्रंप की निजी वकील रही हैं। उन्हें मार्च में 120 दिन के लिए अंतरिम अमेरिकी अटॉर्नी के रूप में नियुक्त किया गया था। हालांकि ट्रंप ने उन्हें स्थायी रूप से इस पद के लिए नामित किया था, लेकिन न्यूजर्सी के सीनेटरों ने संकेत दिया था कि वे उनका कार्यकाल नहीं बढ़ाएंगे। हुआ भी यही। पिछले महीने संघीय न्यायाधीशों के एक पैनल ने उनका कार्यकाल बढ़ाने से इनकार कर दिया और अनुभवी अभियोजक डेजीरी एल. ग्रेस को इस पद का कार्यभार सौंपा।

...तो पदोन्नत कर दिया गया– अमेरिकी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया की। जवाब में उन्होंनेसार्वजनिक रूप से न्यायाधीशों की निंदा की और सुश्री ग्रेस को बर्खास्त कर दिया। इस दौरान कानूनी दांवपेंचों की एक जटिल प्रक्रिया को पूरा कर हब्बा को कार्यवाहक अमेरिकी अटॉर्नी के पद पर पदोन्नत कर दिया गया। इसके फौरन बाद बाद हब्बा की नियुक्ति की वैधता को चुनौती देते हुए दो याचिकाएं दायर की गईं।

वकीलों ने अदालत के फैसले को सराहा – हब्बा को पदोन्नत करने के खिलाफ याचियाएं दायर करने वाले वकील जेराल्ड क्रोवाटिन और वकील एब्बे डी. लोवेल ने संयुक्त बयान में कहा कि वे पेन्सिलवेनिया के मध्य जिले के न्यायाधीश मैथ्यू डब्ल्यू. ब्रैन की अदालत के फैसले की सराहना करते हैं। उन्होंने कहा, अभियोजकों के पास बहुत अधिक शक्ति होती है और इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी आती है कि वे योग्य हों और उचित तरीके से नियुक्त हों।

एशियाई चैंपियनशिप में एलावेनिल वलारिवन ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता स्वर्ण

शिमकेंट (कजाकिस्तान) ,22 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय निशानेबाज एलावेनिल वलारिवान ने शुक्रवार को 16वीं एशियाई चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। प्रतियोगिता में शामिल एक अन्य भारतीय मेहुली घोष आठ निशानेबाजों के फाइनल में 208.9 अंक हासिल करने के बाद चौथे स्थान पर रहीं।

तमिलनाडु की 26 वर्षीया खिलाड़ी ने विश्व कप में कई स्वर्ण पदक जीते हैं और विश्व चैंपियनशिप में भी शीर्ष स्थान पर रही हैं। उन्होंने फाइनल में 253.6 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। चीन की शिनलू पेंग ने 253 के स्कोर के साथ रजत पदक जीता, जबकि कोरिया की यूंजी क्वोन (231.2) ने कांस्य पदक जीता। यह वलारिवन का मौजूदा प्रतियोगिता में पहला व्यक्तिगत पोडियम स्थान था, इससे पहले उन्होंने टीम स्पर्धाओं में एक रजत और एक कांस्य पदक जीता था।

वालारिवन ने 630.7 अंकों के साथ आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। घोष पहले 630.3 अंकों के साथ दसवें स्थान पर रही थीं, लेकिन दो अन्य उच्च रैंकिंग वाली भारतीय – आर्या बोरसे (633.2) और सोनम मस्कर (630.5) के केवल रैंकिंग अंकों के लिए प्रतिस्पर्धा करने के कारण प्रतियोगिता से बाहर होने के कारण फाइनल में जगह नहीं बना पाईं। वालारिवन का पदक इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत के लिए दूसरा सीनियर व्यक्तिगत स्वर्ण पदक था, जहाँ देश अपने जूनियर निशानेबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत शीर्ष पर है।

अनंतजीत सिंह नरुका ने पुरुषों की स्कीट स्पर्धा में भारत का पहला सीनियर स्वर्ण पदक जीता था। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था।

स्टेट क्लोज्ड स्क्वैश चैंपियनशिप 29 से, छत्तीसगढ़ के 80 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

रायपुर। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ स्क्वैश एसोसिएशन व रायपुर डिस्ट्रिक्ट स्क्वैश एसोसिएशन द्वारा स्टेट क्लोज्ड स्क्वैश चैंपियनशिप का आयोजन रायपुर में किया जा रहा है। इस चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों के 80 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। एसोसिएशन दवारा दी गई जानकारी के अनुसार चैंपियनशिप की शुरुआत 29 अगस्त को सुबह 10 बजे से होगी, जो 31 अगस्त तक चलेगी। इंडियन स्क्वैश रैकेट फेडरेशन की ओर से संचालित स्टेट क्लोज्ड स्क्वैश चैंपियनशिप देश के सभी संबद्ध राज्य ईकाइयों द्वारा हर साल एक बार आयोजित की जाती है। इसमें शामिल होने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग मिलती है।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपन 2025 : निक किर्गियोस ने पुरुष एकल से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई टेनिस स्टार निक किर्गियोस लगातार तीसरे साल यूएस ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे।

टूर्नामेंट आयोजकों ने गुरुवार को उनके नाम वापसी की पुष्टि की। 30 वर्षीय किर्गियोस पिछले कुछ सालों से पैर, घुटने और कलाई की चोटों से जूझ रहे हैं। इस सीजन में उन्होंने केवल पांच एकल मुकाबले खेले हैं, जिनमें से चार में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। किर्गियोस का करियर का सबसे सफल वर्ष 2022 रहा था, जब वे विंबलडन फाइनल तक पहुंचे थे और न्यूयॉर्क में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि चोटों के कारण उनका करियर लगातार प्रभावित होता रहा। उन्होंने 2023 में सिर्फ एक मैच खेला, जबकि 2024 पूरा साल मिस किया। इस साल भी मार्च में मियामी ओपन की दूसरी राउंड हार के बाद से उन्होंने कोई एकल मैच नहीं खेला है। किर्गियोस की जगह मुख्य ड्रॉ में एक 'लकी लूजर' को शामिल किया जाएगा। यूएस ओपन के इस साल के अंतिम ग्रैंड स्लैम के एकल मुकाबले रविवार से शुरू होंगे।

कांबली का भाई बोला, सचिन फोन कर उनके हाल-चाल पूछते रहते हैं

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली की तबियत खराब है और वह ठीक से बोल तक नहीं पा रहे हैं। ब्रेन में क्लॉट के बाद से ही उनकी हालत लगातार खराब होती गयी है। उनका इलाज अब घर पर ही चल रहा है। उनके छोटे भाई वीरेंद्र कांबली ने कहा कि वह अभी ठीक से बोल नहीं पा रहे और उन्हें ठीक होने में समय लगेगा। वीरेंद्र ने बताया है कि उनके पुराने साथी और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर भी फोन कर उनके स्वास्थ के बारे में जानकारी लेते रहते हैं। उन्होंने साथ में यह भी कहा कि उनके भाई ने कभी ये नहीं कहा था किव सचिन से ज्यादा प्रतिभाशाली थी। सचिन और कांबली बचपन के दोस्त हैं। साल 1980 के दशक के अंत और 90 के दशक की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट में दोनो आये थे पर दोनों के करियर में जमीन आसमान का फर्क रहा। जहां सचिन क्रिकेट इतिहास के महानतम खिलाड़ी बन गए वहीं कांबली केवल 17 टेस्ट और 104 एकदिवसीय ही खेल पाये। कांबली ने एक साक्षात्कार में कहा, 'दोनों में एक जैसी प्रतिभा थी। आप यह नहीं कह सकते कि मेरा भाई सचिन से बेहतर था या सचिन उससे बेहतर थे। दोनों एक जैसे थे। मैंने कभी नहीं सुना कि मेरे भाई ने कहा हो कि वह सचिन से बेहतर था।' उन्होंने बताया कि उनके भाई और सचिन की दोस्ती अब भी बहुत मजबूत है। उन्होंने बताया, सचिन दादा ने हमेशा विनोद का समर्थ किया है। उनकी दोस्ती अब भी बहुत ही गहरी है। सचिन फोन पर उनकी सेहत की जानकारी लेते रहते हैं। वह अभी वह घर पर ही हैं। उनकी हालत स्थिर हो रही है पर उन्हें ठीक होने में समय लगेगा।

रिंकू सिंह के तूफान में उड़ा गोरखपुर लॉयन्स, मेरठ मेवरिक्स ने 6 विकेट से दर्ज की जीत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश टी20 लीग 2025 के नौवें मुकाबले में मेरठ मेवरिक्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोरखपुर लॉयन्स को 6 विकेट से पराजित कर दिया। यह मुकाबला रिंकू सिंह की विस्फोटक शतकीय पारी के नाम रहा, जिन्होंने मात्र 48 गेंदों में नाबाद 108 रन ठोके। पहले बल्लेबाजी करते हुए गोरखपुर लॉयन्स ने 20 ओवर में 167 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान ध्रुव ज्युरेल ने 38 रन (32 गेंद) बनाए, जबकि निशांत कुशवाहा ने 24 गेंदों में 37 रन जोड़े। अक्षदीप नाथ ने भी 16 गेंदों में 23 रन का योगदान दिया। हालांकि लॉयन्स की टीम बड़ी साझेदारियां नहीं कर पाई और अंत में 9 विकेट खोकर 167 पर रुक गई। मेरठ मेवरिक्स के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। विशाल चौधरी और विजय कुमार ने 3-3 विकेट चटकाए, जबकि जीशान अंसारी ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेवरिक्स की शुरुआत साधारण रही, लेकिन रिंकू सिंह ने आते ही मैदान पर तूफान मचा दिया और देखते ही देखते मैच का रुख बदल गया। रिंकू ने अपनी नाबाद 108 रनों की पारी में 10 छक्के और 7 चौके जड़े। उनके साथ सहाब युवराज सिंह ने 22 रनों का योगदान दिया।

किराक हैदराबाद ने रोहतक रौडीज को हराकर प्रो पंजा लीग सीजन 2 का जीता खिताब

ग्वालियर,22 अगस्त (एजेंसियां) ।

किराक हैदराबाद ने ग्वालियर में गुरुवार रात हुए फाइनल में रोहतक रौडीज को 30-18 से हराकर प्रो पंजा लीग सीजन 2 का खिताब जीत लिया है।

विजेता टीम को प्रो पंजा लीग की ओर से 20 लाख रुपये का इनाम भी मिला है। रोहतक रौडीज की निर्मल देवी को प्लेयर ऑफ द डे का पुरस्कार दिया गया। किराक हैदराबाद के सतनाम सिंह को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट घोषित किया गया। स्टीव थॉमस ने बादशाहों का बादशाह का खिताब जीता।

किराक हैदराबाद पूरे टूर्नामेंट में अंकों के मामले में आगे रहे और अंतिम दिन अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप प्रदर्शन करते हुए एक सुयोग्य और शानदार जीत दर्ज की। पिछले सीजन के उपविजेता, जो सिर्फ एक अंक से चैंपियनशिप से चूक गए थे, इस बार ट्रॉफी उठाई और इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया।

किराक के स्टीव थॉमस ने दीपांकर मेच को सिर्फ 0.09 सेकंड में पिन करके प्रो पंजा लीग का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जो सचिन गोयल के 0.10 सेकंड के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ता है।

कार्यक्रम में प्रो पंजा लीग के सह-संस्थापक परविन दबास और प्रीति झांगियानी उपस्थित थे। आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह तोमर, हॉकी इंडिया के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य डॉ. नरिंदर ध्रुव बत्रा, पेशेवर पहलवान सौरव गुर्जर और पूर्व कबड्डी खिलाड़ी राहुल चौधरी भी उपस्थित थे। ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व मुक्केबाज विजेंदर सिंह टीम एंबेसडर के रूप में रोहतक रौडीज का समर्थन करने के लिए उपस्थित थे।

फाइनल में, दोनों टीमों ने कुल 10 मैच खेले, अंडरकार्ड में चार और मेन कार्ड में छह, प्रतिष्ठित मुकुट के लिए लड़ने के लिए अब तक लीग में देखी गई हर श्रेणी में एक खिलाड़ी भेजा।

अंडरकार्ड पूरी तरह से किराक हैदराबाद का रहा क्योंकि उन्होंने प्रतियोगिता की शुरुआत में रोहतक रौडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप का आनंद लिया। अविलिये जुयी ने 90 किग्रा मुकाबले में अर्शदीप सिंह पर 2-0 से शानदार जीत के साथ टोन सेट किया। नवीन एमवी ने 60 किग्रा श्रेणी में निखिल सिंह को 2-0 से हराकर बढ़त को दोगुना कर दिया, इससे पहले रचना जाटव ने 55 किग्रा प्रतियोगिता में कराबी सोनोवाल के खिलाफ एक और साफ 2-0 जीत के साथ फायदा बढ़ाया और अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। रौडीज के बिल्ला ताजामुल ने अपनी टीम को जीवित रखने के लिए कड़ी लड़ाई लड़ी, लेकिन अनुभवी कप्तान आस्कर अली ने मेन कार्ड मैचों से पहले अपनी टीम को आरामदायक स्थिति में रखने के लिए 80 किग्रा मुकाबले में 2-0 से जीत हासिल की।

मेन कार्ड में, विशेष रूप से सक्षम मैच में विश्व चैंपियन श्रीनिवास बीवी ने रोहतक रौडीज के लिए शुरुआती अंक हासिल किए क्योंकि उन्होंने किराक हैदराबाद के चंदन कुमार बेहरा को 5-0 से हराया। निर्मल देवी ने रोहतक रौडीज के लिए गति बनाए रखी क्योंकि उन्होंने चैलेंजर राउंड को सक्रिय किया और 65+ किग्रा श्रेणी में जिंसी जोस के खिलाफ 10-0 की निर्दोष जीत हासिल की। 18 वर्षीय आभास राणा ने 100+ किग्रा डिवीजन में अमित चौधरी को 5-0 से हराकर एक रोमांचक मुकाबले में किराक हैदराबाद की ओर रुख वापस कर दिया। किराक हैदराबाद की माधुरा केएन ने 65 किग्रा मुकाबले में रिबासुक लिंगदोह को 5-0 से हराया। माधुरा ने पहले दो राउंड में दो फ्लैशपिन के साथ अपना दबदबा स्थापित किया। रिबासुक ने तीसरे राउंड में अपने प्रतिद्वंद्वी को रोकने की कोशिश की लेकिन अपने प्रतिद्वंद्वी को रोक नहीं सके, किराक हैदराबाद को महत्वपूर्ण अंक दे दिए।

ट्रॉफी दांव पर लगने के साथ, हैदराबाद के स्टीव थॉमस ने 70 किग्रा मुकाबले में दीपांकर मेच के खिलाफ 10-0 से जीतकर सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया। स्टीव ने चैलेंजर राउंड को शानदार अंदाज में जीता, अपने प्रतिद्वंद्वी को सिर्फ 0.09 सेकंड में पिन करके एक मैच शेष रहते ही किराक हैदराबाद के लिए खिताब का दावा किया। खिताब से चूकने के बावजूद, रोहतक रौडीज के दारा सिंह ने अपना उत्साह नहीं खोया और रात का समापन करने के लिए 100 किग्रा श्रेणी में किराक हैदराबाद के जगदीश बरुआ को 3-2 से हराया।

हाई-ऑक्टेन, एड्रेनालिन से भरपूर सीजन एक शानदार नोट पर अपने अंत तक पहुंचा, जब किराक हैदराबाद ने प्रतिष्ठित प्रो पंजा लीग सीजन 2 ट्रॉफी उठाकर अपने शानदार अभियान को समाप्त किया।

सिंकफील्ड कप : गुकेश ने चौथे राउंड में वाचियर लाग्रेव से ड्रॉ खेला

सेंट लुइस (अमेरिका) ,22 अगस्त (एजेंसियां) ।

प्रज्ञानानंद ने सेवियन को बराबरी पर रोका

सिंकफील्ड कप के चौथे दौर में भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद को अमेरिका के सैमुअल सेवियन ने आसान ड्रॉ पर रोक दिया, जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के साथ मुकाबला बराबरी पर रहा।

अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने दिन के एकमात्र निर्णायक मैच में उज़्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर दो दिनों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। अन्य मैचों में अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिज़्सटॉफ़ के साथ ड्रॉ खेला और फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरूज़ा ने वेस्ली सो के साथ अंक बांटे। अभी पांच राउंड बाकी हैं, कारुआना चार मैचों में तीन अंकों के साथ एकल बढ़त पर हैं और उनके बाद प्रज्ञानानंद और अरोनियन 2.5-2.5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। पांच खिलाड़ियों का एक समूह वेस्ली, फ़िरोज़ा, वाचियर-लाग्रेव, सेवियन और गुकेश दो-दो अंक लेकर संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। डूडा उनसे आधा अंक पीछे हैं, जबकि अब्दुसत्तोरोव सिर्फ़ आधा अंक लेकर तालिका में सबसे नीचे हैं।

प्रज्ञानानंद ने सफ़ेद मोहरों के साथ क्वीन्स गैम्बिट का सामना किया और सेवियन के सामने कोई ख़ास समस्या खड़ी नहीं कर पाए। बीच के खेल में कई मोहरे हाथ बदलते रहे और जल्द ही बोर्ड पर अंतिम खेल ड्रॉ हो गया। गुकेश भी अपनी सफ़ेद मोहरों का ज़्यादा इस्तेमाल नहीं कर पाए, क्योंकि वाचियर-लाग्रेव ने दिन के एक और रानी मोहरे के खेल में कड़ा प्रतिरोध किया। खेल की शुरुआत में ही रानी मोहरों का लेन-देन हो गया।हालांकि, यह थोड़ा पेचीदा था, लेकिन दोनों खिलाड़ी अपनी-अपनी जगह डटे रहे। इसके बाद हुए रूक एंडगेम में दोनों खिलाड़ियों के पास एक-एक मोहरा होने के कारण कोई खास उम्मीद नहीं दिखी और ड्रॉ एक न्यायसंगत परिणाम रहा। नोदिरबेक की जीत की तलाश जारी रही, क्योंकि कारुआना ने राजा की तरफ़ से किए गए एक बेवजह हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया।

भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाली सीरीज खेलना चाहते हैं रोहित

मुम्बई। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले दोनो ही की ए टीमों के बीच होने वाले मुकाबले खेलना चाहते हैं। वहीं इस बात की चर्चाएं हैं कि इस सीरीज के बाद रोहित और विराट कोहली को संन्यास लेना पड़ेगा पर अब जिस प्रकार से रोहित ने भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाली सीरीज खेलकर अभ्यास करने का फैसला किया है। उससे लगता नहीं है कि अभी उनका खेल को अलविदा कहने का इरादा है। ऐसे में उनके संन्यास की अटकले लगा रहे लोगों को करारा झटका जरुर लगा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एकदिवसीय प्रारुप के भारतीय टीम के कप्तान रोहित भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए के बीच होने वाले तीन अनौपचारिक एकदिवसीय मैचों में खेलने के इच्छुक हैं। ये तीन मैच 30 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच कानपुर में खेले जाएँगे। ये मुकाबले भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से ठीक पहले होंगे। भारतीय टीम को इस दौरे में 3 एकदिवसीय और 5 टी20 मैच खेलने हैं। रोहित ने अंतिम बार इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। उसके बाद से ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। रोहित ने अभ्यास भी शुरु कर दिया है। वह मैच फिटनेस के लिए ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेलना चाहते हैं जिससे सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर सकें और ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए कमज़ोर न पड़ें। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए रोहित से आगे देख रहे हैं।

श्रेयस को एकदिवसीय कप्तान बनाने की कोई बात नहीं हुई : सैकिया

तीनों ही प्रारुपों में एक ही कप्तान बनेगा

मुम्बई,22 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसका इरादा भविष्य में एक ही खिलाड़ी को टीम की कप्तानी देना है। ऐसे में इस प्रकार की रिपोर्ट गलत है जिसमें कहा गया है कि आने वाले समय में एकदिवसीय प्रारुप की कप्तानी श्रेयस अय्यर को सौंपी जाएगी। शुभमन अभी टेस्ट कप्तान और टी20 में उप्तान बनाये गये हैं और भविष्य में उनके ही तीनों प्रारुपों की कमान संभालने की उम्मीद है। वहीं इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बोर्ड अय्यर को एकदिवसीय कप्तान के तौर पर रोहित शर्मा की जगह पर रखना चाहता है। इसमें कहा गया था कि शुभमन को भविष्य में सूर्यकुमार यादव के बाद टी20 की भी कप्तानी सौंपी जाएगी और अय्यर एकदिवसीय की जिम्मेदारी संभालेंगे पर बीसीसीआई ने उन रिपोर्ट्स को गलत बताया है। बोर्ड सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं हुई है। साथ ही कहा कि आगे चलकर तीनों ही प्रारुपों की कमान एक ही खिलाड़ी को मिल सकती है।

रोहित अभी 38 साल के हैं और उनका कैरियर समाप्त होने की ओर है। उन्होंने टी20 और टेस्ट क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया है। ऐसे में उनकी नजर 2027 के एकदिवसीय विश्वकप पर है। इस प्रारुप में वह अभी भी विश्व के सबसे बेहतर बल्लेबाजों में हैं। हालांकि, बढ़ती उम्र की वजह से वह अगले विश्व कप तक खेल पाएंगे इसकी संभावना बेहद कम है। ऐसे में श्रेयस एकदिवसीय में रोहित के उत्तराधिकारी के लिए दावेदार तो हैं प वह बोर्ड की पहली पसंद नहीं हैं। उनकी जगह पर वर्तमान टेस्ट कप्तान शुभमन गिल एकदिवसीय कप्तानी के लिए पहली पसंद हैं। शुभमन का एकदिवसीय में 59 का औसत है और पहले से ही टीम के उपकप्तान हैं। उनकी उम्र भी अभी 25 साल ही है और उनके सामने लंबा समय है। ऐसे में उनके भविष्य में एकदिवसीय कप्तान बनने की सबसे ज्यादा उम्मीद हैं।

महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 का संशोधित कार्यक्रम, मुंबई का डीवाई पाटिल स्टेडियम नया वेन्यू

नई दिल्ली,22 अगस्त (एजेंसियां) ।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए नया कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। इसमें नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम की जगह टूर्नामेंट का नया वेन्यू बनाया गया है। यह स्टेडियम तीन लीग मैचों, एक सेमीफाइनल और संभवत: फाइनल की मेज़बानी करेगा।

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि नवी मुंबई हाल के वर्षों में महिला क्रिकेट का एक सच्चा घर बनकर उभरा है। अंतरराष्ट्रीय मैचों और महिला प्रीमियर लीग के दौरान इसे जो समर्थन मिला है, वह उल्लेखनीय है, जिससे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ता है और प्रशंसकों को प्रेरणा मिलती है। मुझे यकीन है कि यही ऊर्जा आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के बड़े मैचों को परिभाषित करेगी, जो 12 साल बाद भारत लौट रहा है। हम महिला क्रिकेट के सफ़र में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। इस विश्व कप को

उन निर्णायक मील के पत्थरों में से एक के रूप में याद किया जा सकता है, जिसने न केवल भारत में, बल्कि पूरे क्रिकेट जगत में इस खेल के भविष्य को आकार दिया है। हालांकि अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण हमें कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा और एक स्थान बदलना पड़ा, लेकिन अब हमें पांच विश्वस्तरीय स्थानों की एक श्रृंखला पर गर्व है जो महिलाओं के खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। मंच तैयार है और मुझे विश्वास है कि यह टूर्नामेंट कल्पनाओं को जगाएगा और प्रशंसकों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा।

सेमीफाइनल और फाइन

पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में खेला जाएगा, जबकि दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को नवी मुंबई में होगा। फाइनल मुकाबला 2 नवंबर को नवी मुंबई या कोलंबो में खेला जाएगा।

भारत के प्रमुख मुकाबले

- 30 सितंबर: भारत बनाम श्रीलंका, गुवाहाटी
- 5 अक्टूबर: भारत बनाम पाकिस्तान, कोलंबो
- 9 अक्टूबर: भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका, विशाखापत्तनम
- 12 अक्टूबर: भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, विशाखापत्तनम
- 19 अक्टूबर: भारत बनाम इंग्लैंड, इंदौर
- 23 अक्टूबर: भारत बनाम न्यूज़ीलैंड, नवी मुंबई
- 26 अक्टूबर: भारत बनाम बांग्लादेश, नवी मुंबई

वार्म-अप मैच

वार्म-अप मुकाबले 25 से 28 सितंबर तक बेंगलुरु और कोलंबो में होंगे। इनमें भारत, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, न्यूज़ीलैंड, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका शामिल होंगी।

देश में दूध का उत्पादन पांच फीसदी बढ़ने की संभावना

वित्त वर्ष 24 में दूध उत्पादन 3.78 फीसदी बढ़कर 239.3 मिलियन टन तक पहुंचा

नई दिल्ली,22 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में डेयरी उद्योग तेजी से बढ़ रहा है और आने वाले कुछ वर्षों में दूध उत्पादन सालाना 5 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना है, जो वैश्विक औसत से कहीं अधिक है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025 में भी दूध उत्पादन में 5 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 24 में भारत का कुल दूध उत्पादन 3.78 फीसदी बढ़कर 239.3 मिलियन टन तक पहुंच गया। डेयरी उद्योग ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है।

खासकर छोटे और सीमांत किसान तथा महिलाएं इस क्षेत्र की मजबूत आधारशिला हैं। ये किसान डेयरी के माध्यम से अपनी आय बढ़ा रहे हैं, जिससे ग्रामीण आर्थिक विकास को भी मजबूती मिली है। वित्त वर्ष 24 में दूध उत्पादन कुल कृषि उत्पादन का लगभग 19.8 फीसदी हिस्सा था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में प्रति व्यक्ति दूध की उपलब्धता और खपत में वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 20 से 24 के बीच प्रति व्यक्ति दूध की खपत में 3.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है, जबकि 24 में औसतन हर व्यक्ति के लिए 471 ग्राम दूध प्रतिदिन खपत हुई, जो 20 में 406 ग्राम थी। घरेलू खपत दूध और डेयरी उत्पादों की मांग का मुख्य कारण है। विशेषज्ञों के अनुसार वित्त वर्ष 27 तक डेयरी उत्पादों का उत्पादन 10.8 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़कर 4,200.6 बिलियन तक पहुंच सकता है। सहकारी समितियां और संगठित क्षेत्र दूध की खरीद में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत में कुल दूध उत्पादन का लगभग 63 फीसदी बिक्री के लिए होता है, जिसमें से 32 फीसदी हिस्सा संगठित क्षेत्र के पास है। वित्त वर्ष 24 में सहकारी समितियों ने अकेले 24 मिलियन टन दूध का प्रबंधन किया और किसानों को उनकी दूध की कीमत का 80-82 फीसदी सीधे भुगतान किया, जिससे उन्हें नियमित और समय पर आय प्राप्त होती है। यह रिपोर्ट भारतीय डेयरी उद्योग की मजबूती और ग्रामीण विकास में इसके योगदान को उजागर करती है।

न्यूज ब्रीफ

बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में बढ़े रोजगार के अवसर, मिलेंगी 2.5 लाख नई नौकरियां

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर इस वित्त वर्ष में 8.7 फीसदी और 2030 तक लगभग 10 फीसदी की दर से बढ़ेगा। इस वृद्धि से लगभग 2.5 लाख स्थायी नौकरियों के सृजन की उम्मीद है। खास बात यह है कि हायरिंग केवल मेट्रो शहरों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि टियर-2 और टियर-3 शहरों में भी तेजी से भर्ती होगी। 2025 की पहली छमाही में इस सेक्टर में हायरिंग पिछले साल की तुलना में 27 फीसदी बढ़ी है। सबसे अधिक मांग फ्रंटलाइन, डिजिटल और कम्प्लायंस से जुड़ी नौकरियों में देखी जा रही है। मिडिल और सीनियर लेवल पर ईएसजी स्ट्रैटेजी, डिजिटल वेल्थ मैनेजमेंट और एआईएफ या पीएमएस कम्प्लायंस जैसे नए क्षेत्रों में 30 फीसदी तक हायरिंग बढ़ी है। पब्लिक और प्राइवेट बैंक अपने कोर सिस्टम्स को मॉडर्न बनाने, क्लाउड बेस्ड टेक्नोलॉजी और डिजिटल ऐप्स के लिए टैलेंटेड टीम बना रहे हैं। एमएसएमई और ग्रामीण इलाकों में लोन की बढ़ती मांग ने अंडरराइटिंग, कलेक्शन और रेगुलेटरी कम्प्लायंस से जुड़े जॉब्स को बढ़ावा दिया है। म्यूचुअल फंड, ब्रोकरेज और फिनटेक कंपनियां अपने नेटवर्क और टेक टीम्स को मजबूत कर रही हैं। साथ ही, रेगुलेटरी और साइबर रिस्क्स के कारण कम्प्लायंस और फ्रॉड डिटेक्शन एक्सपर्ट्स की मांग भी लगातार बढ़ रही है। इंश्योरेंस इंडस्ट्री में डिजिटल अंडरराइटर्स, एआई क्लेम स्पेशलिस्ट्स और फ्रॉड एनालिस्ट्स की नौकरी में 6-9 फीसदी तक की ग्रोथ दर्ज की गई है। आने वाले वर्षों में हर साल 5-7 फीसदी नई भर्ती होने की उम्मीद है। बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर में करियर के लिए यह सुनहरा मौका है।

आईडीबीआई बैंक का जल्द होगा निजीकरण

नई दिल्ली। सरकारी बैंक आईडीबीआई के निजीकरण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। सरकार और एलआईसी की 95 फीसदी हिस्सेदारी में से लगभग 60.72 फीसदी शेयरों की बिक्री चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। वित्त विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि इच्छुक निवेशकों को योग्य घोषित कर दिया गया है और वैल्यूएशन लगभग तय हो चुका है। इस कदम के तहत आईडीबीआई जल्द ही सरकारी नियंत्रण से बाहर आ जाएगा। अगर डील फाइनल होती है तो 2025 की शुरुआत में आईडीबीआई प्राइवेट बैंक बन जाएगा। इस खबर के बाद बैंक के शेयरों में जबरदस्त उछाल देखा गया है, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। यह कदम भारतीय बैंकिंग सेक्टर के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। सरकार जल्द ही अंतिम बोलीदाताओं के नाम सार्वजनिक कर सकती है, जिससे आगे की प्रक्रिया और स्पष्ट होगी।

आंध्र प्रदेश को लॉजिस्टिक्स हब बनाएगी सरकार, बंदरगाह विकास में 9,000 करोड़ का होगा निवेश

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बताया कि आंध्र प्रदेश की 1,053 किलोमीटर लंबी तटरेखा को देखते हुए सरकार ने हर 50 किलोमीटर पर एक बंदरगाह या हार्बर विकसित करने की रणनीति बनाई है। उन्होंने हाल ही में यह बात आंध्र प्रदेश मैरीटाइम बोर्ड और एक वैश्विक शिपिंग एवं पोर्ट मैनेजमेंट कंपनी की सहायक इकाई के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षर समारोह में कही। इस समझौते के तहत लगभग 9,000 करोड़ रुपये के निवेश से रामयपट्टनम, मछलीपट्टनम और मुलपेटा बंदरगाहों का विकास और आधुनिकीकरण किया जाएगा। कंपनी इन बंदरगाहों पर आधुनिक टर्मिनल और कार्गो हैंडलिंग सिस्टम स्थापित करेगी। इस पहल से लगभग 10,000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है। राज्य सरकार का कहना है कि आंध्र प्रदेश को ईस्ट कोस्ट गेटवे के रूप में विकसित करने का लक्ष्य अब हकीकत बनता जा रहा है। मुख्यमंत्री नायडू ने जोर देकर कहा कि कंपनी की सेवाओं से न केवल अंतरराष्ट्रीय बल्कि घरेलू कार्गो परिवहन को भी लाभ मिलना चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

शुभ-लाभ प्रकाशन...

हिंदी दैनिक शुभ-लाभ, अंग्रेजी दैनिक सिटिजंस ईवनिंग और तेलुगु दैनिक ध्वनि के बृहत्तर परिवार से जुड़े सभी सदस्य और हैदराबाद, बेंगलुरु एवं दिल्ली के पत्रकारों ने श्री गोपाल अग्रवाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। श्री अग्रवाल अखबार और डिजिटल मीडिया के जरिए समाज और देश के लिए विचार-आंदोलन जाग्रत करने में लगातार संलग्न रहे। सामाजिक जगत में वे अग्रवाल शिक्षा समिति हैदराबाद के बोर्ड सदस्य, हिंदू उत्सव समिति हैदराबाद के परामर्शदाता, अग्रवाल समाज के संरक्षक, सिकंदराबाद स्टील्स आयरन एसोसिएशन के सचिव एवं लायन्स क्लब सिकंदराबाद के अध्यक्ष के पद को सुशोभित करते रहे।

श्री गोपाल अग्रवाल अपने पीछे अपनी पत्नी श्रीमती पुष्पा अग्रवाल, बेटे पीयुष अग्रवाल, मयूर अग्रवाल और मृदुल अग्रवाल, बहुएं क्रमशः श्वेता अग्रवाल, निशा अग्रवाल, संजना अग्रवाल, भाई सुरेश कुमार, रमेश कुमार, नंदलाल समेत पोते-पोतियों और रिश्तेदारों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।

चुप रहे तो ...

शेयर कर लिखा था, आज के समय में दोनों देशों के लिए सहयोग और सहमति को बढ़ाना और एशिया व विश्व स्तर पर शांति को बढ़ावा देना समझदारी की बात होगी।

चीन ने भारत के साथ हाल ही में सीमा विवाद को सुलझाने के लिए डब्लूएमसीसी कार्य समूह बनाने, सीमा बाजारों को फिर से खोलने और रिवर डेटा साझा करने जैसे कदम उठाए हैं। चीनी राजदूत ने भारत और चीन को एशिया की डबल इंजन शक्ति बताया और कहा कि दोनों देशों को मिलकर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को मजबूत करना चाहिए। राजदूत फेइहोंग ने बताया, भारतीय तीर्थयात्रियों के लिए चीन की ओर से कैलाश पर्वत और झील की यात्रा फिर से शुरू की है। भारत ने भी चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा फिर से शुरू कर दिया है। इसके जरिए दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और रणनीतिक सहय़ोग को बढ़ाने की और काम किया जा रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह बीजिंग की यात्रा पर जाने वाले हैं। 2018 के बाद ये उनकी पहली चीन यात्रा होगी। इस यात्रा को दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार 21 अगस्त को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से भी फोन पर बातचीत की। दोनों राष्ट्र प्रमुखों में यूक्रेन युद्ध, व्यापार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट समेत सभी क्षेत्रों में अपनी सामरिक साझेदारी बढ़ाने को लेकर बातचीत हुई। मैक्रों हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलकर लौटे हैं। इस बातचीत के बाद पीएम मोदी ने कहा, दोस्त मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। यूक्रेन और पश्चिम एशिया में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों पर विचारों को लेकर बातचीत हुई है। साथ ही, भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

मैक्रों ने इस बातचीत के बाद हिंदी में ट्वीट किया। मैक्रों ने लिखा, हमने यूक्रेन युद्ध पर अपने विचार साझा किए ताकि एक न्यायपूर्ण और स्थाई शांति की ओर बढ़ा जा सके, जिसमें यूक्रेन और यूरोप की सुरक्षा के लिए मजबूत गारंटी हो। व्यापार से जुड़े मामलों में हमने तय किया कि हम अपने आर्थिक संबंध और हर क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे। यही हमारी असली ताकत और स्वतंत्रता की कुंजी है। हमने यह तय किया कि हम 2026 में फ्रांस की अध्यक्षता वाली जी-7 समिट और भारत की अध्यक्षता वाली ब्रिक्स समिट की तैयारी में मिलकर काम करेंगे।

उधर, अमेरिकी दूतावास ने ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़बोलेपन पर तीखी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि भारत में मतदान के लिए 175 करोड़ रुपए देने की ट्रंप की बात बिल्कुल तथ्यहीन है। अमेरिकी दूतावास ने ट्रंप के दावों को खारिज करते हुए साफ किया कि यूएसएड ने भारत में कभी भी मतदान या चुनाव से जुड़ी कोई गतिविधि नहीं की, उसकी सभी योजनाएं केवल विकास और सहयोग पर केंद्रित थीं। टैरिफ विवाद के बीच भारत पर अलग ढंग से व्यापार का दबाव बनाने के लिए ट्रंप ने नया दांव चला। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी एजेंसी यूएसएड ने भारत में मतदान बढ़ाने के लिए 175 करोड़ रुपए दिए। लेकिन नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। अमेरिकी दूतावास ने भारत के विदेश मंत्रालय को बताया कि 2014 से 2024 तक यूएसएड ने भारत में चुनाव या मतदान से जुड़ा कोई काम नहीं किया और न ही ऐसी कोई रकम दी या ली और न ही भारत में मतदान से जुड़ी कोई गतिविधि की।

फरवरी 2025 में विवाद तब शुरू हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (डीअ-ोजीई) की एक समीक्षा का हवाला देते हुए दावा किया कि यूएसएड दुनिया भर में चुनाव और मतदाता संबंधी परियोजनाओं को फंड कर रहा है। ट्रंप ने खास तौर पर कहा कि भारत को भी इसमें शामिल किया गया था और 2.1 करोड़ डॉलर (174.3 करोड़ रुपए) मतदाता संख्या बढ़ाने के लिए रखे गए थे। इस दावे से नई दिल्ली में तुरंत चिंता बढ़ी और भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका से पूरे मामले की विस्तृत जानकारी मांगी। विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास से पिछले दस साल में भारत में चलाए गए सभी यूएसएड कार्यक्रमों की पूरी जानकारी देने को कहा। मंत्रालय ने खर्च का विवरण, सहयोगी संगठनों की जानकारी और यह भी पूछा कि क्या किसी तरह की मतदाता जुटाने से जुड़ी गतिविधियां हुई थीं।

इस पर अमेरिकी दूतावास ने विस्तार से जवाब देते हुए आंकड़े सौंपे थे। दूतावास ने साफ किया था कि सभी कार्यक्रम केवल भारत सरकार के साथ किए गए सात साझेदारी समझौतों के तहत ही चलाए गए हैं। ये कार्यक्रम मुख्य रूप से विकास सहयोग, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा और शासन सुधार से जुड़े थे, न कि मतदान या चुनाव से। अमेरिकी दूतावास ने साफ कहा कि यूएसएड ने 2014 से 2024 के बीच भारत में मतदान के लिए न तो 21 मिलियन डॉलर (175 करोड़ रुपए) लिए और न ही दिए और न ही कोई मतदान संबंधी कोई गतिविधि चलाई।

सुदर्शन रेड्डी ...

अमित शाह ने कहा अगर उस समय दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने गिरफ्तारी के बाद इस्तीफा दे दिया होता, तो नए विधेयक पेश नहीं करने पड़ते।

गृहमंत्री ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि 2013 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के द्वारा लाए गए उस बिल की कॉपी को सार्वजनिक रूप से फाड़ दिया था, जिसका उद्देश्य अयोग्य ठहराए गए या किसी अपराध के लिए दोषी ठहराए गए सांसदों और विधायकों को राहत प्रदान करना था। शाह ने दावा किया कि उस वक्त मनमोहन सिंह सरकार द्वारा लालू प्रसाद यादव की मदद के लिए यह अध्यादेश लाया गया था। तब राहुल गांधी ने नैतिकता के नाम पर, कैबिनेट द्वारा अनुमोदित अध्यादेश की प्रति सार्वजनिक रूप से फाड़ दी थी, लेकिन आज वही राहुल गांधी गांधी मैदान में लालू जी को गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

अमित शाह ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर भी विपक्ष के आरोपों पर पलटवार किया। गृह मंत्री ने कांग्रेस पर 2025 के विधानसभा चुनावों से पहले बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कहा कि कांग्रेस इस प्रक्रिया को लेकर बेवजह का विवाद पैदा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के पास निर्वाचन क्षेत्र, जिला और राज्य स्तर पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए मौका था, लेकिन उन्होंने अभी तक एसआईआर पर कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। इस दौरान अन्य राज्यों में एसआईआर के कार्यान्वयन के बारे में उन्होंने कहा कि यह चुनाव आयोग को तय करना है।

विपक्ष की सारी ...

चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने अदालत से आग्रह किया कि चुनाव आयोग को यह साबित करने के लिए 15 दिन का समय दिया जाए कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है। द्विवेदी ने कहा, राजनीतिक दल शोर मचा रहे हैं, लेकिन स्थिति उतनी खराब नहीं है। हम पर विश्वास रखें और हमें कुछ और समय दें। हम आपको दिखा देंगे कि कोई भी मतदाता सूची से बाहर नहीं है।

14 अगस्त को, शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह बिहार में मसौदा मतदाता सूची से बाहर किए गए 65 लाख मतदाताओं का विवरण 19 अगस्त तक प्रकाशित करे ताकि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में पारदर्शिता बढ़ाई जा सके और पहचान प्रमाण के लिए आधार कार्ड को एक स्वीकार्य दस्तावेज के रूप में अनुमति दी जा सके। बिहार में मतदाता सूची के संशोधन, जो 2003 के बाद पहली बार हुआ है, उसने एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। एसआईआर के बाद बिहार में पंजीकृत मतदाताओं की कुल संख्या, जो इस प्रक्रिया से पहले 7.9 करोड़ थी, घटाकर 7.24 करोड़ रह गई है।

बंगाल में केंद्र ...

पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, बंगाल में विकास कार्यों के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है, चुनौती ये है कि बंगाल के लिए जो पैसा हम सीधे राज्य सरकार को भेजते हैं, उसमें से ज्यादातर हिस्सा लूट लिया जाता है। वह पैसा टीएमसी कैडर पर खर्च होता है। यही वजह है कि गरीब कल्याण की कई योजनाओं में बंगाल देश के दूसरे राज्यों से पीछे है। पश्चिम बंगाल में महिलाओं पर अत्याचार बढ़े हैं। अपराध और भ्रष्टाचार टीएमसी सरकार की पहचान बन गए हैं। जब तक राज्य में टीएमसी सत्ता में है, तब तक प्रदेश का कोई विकास नहीं होगा। असली बदलाव तभी आएगा जब टीएमसी सत्ता से बाहर होगी। अपराधियों और भ्रष्टाचारियों को सत्ता में नहीं, बल्कि जेल में होना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, पश्चिम बंगाल जनसंख्या की दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्यों में से एक है, इसलिए जब तक पश्चिम बंगाल की ताकत नहीं बढ़ेगी, विकसित भारत की यात्रा सफल नहीं होगी क्योंकि भाजपा का दृढ़ विश्वास है, भाजपा का मानना है कि बंगाल के उत्थान से ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा, इसलिए पिछले 11 वर्षों में केंद्र की भाजपा सरकार ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए हर संभव मदद की है। आज पश्चिम बंगाल को नई रौशनी की जरूरत है, उसे सच्चे परिवर्तन की जरूरत है। आजादी के बाद पश्चिम बंगाल ने पहले कांग्रेस और फिर वामपंथ का लंबा दौर देखा है। इसके बाद, 15 साल पहले, पश्चिम बंगाल के लोगों ने परिवर्तन का फैसला किया और मां, माटी, मानुष के नारे पर विश्वास किया, लेकिन स्थिति पहले से भी बदतर हो गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, भाजपा जो संकल्प लेती है उसे सिद्ध करके दिखाती है। इसका ताजा प्रमाण हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देखा। इस बार लाल किले से मैंने घुसपैठ के बढ़ते खतरे पर चिंता व्यक्त की। पश्चिम बंगाल, कोलकाता के लोग समय से आगे की सोचते हैं, इसलिए आपके बीच मैं लगातार इस राष्ट्रीय चुनौती पर चर्चा करता रहा हूं। आजकल आप देखते हैं जिन देशों को विकसित कहा जाता है वहां घुसपैठियों के खिलाफ मुहिम चल रही है, यह देश अब घुसपैठियों को ज्यादा नहीं झेल सकता।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, कोलकाता जैसे हमारे शहर भारत के इतिहास और हमारे भविष्य दोनों की समृद्ध पहचान है। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है तब दमदम, कोलकाता इन शहरों की भूमिका बहुत बड़ी है। मैं ऐसे समय में कोलकाता आया हूं जब दुर्गा पूजा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कुम्हार टोली में मां दुर्गा की प्रतिमा बन रही है, बड़ा बाजार से लेकर पार्क स्ट्रीट तक, कोलकाता को नए रंगों और भव्यता से सजाया जा रहा है। जब आस्था और उत्साह के साथ विकास का उत्सव भी जुड़ जाता है, तो खुशी दोगुनी हो जाती है।

अब 18 वर्ष से ...

बहुत मुश्किल हो जाएगा। सीएम हिमंत ने पिछले महीने बताया था कि राज्य में 2041 तक मुस्लिम जनसंख्या हिंदुओं के बराबर हो जाएगी। 2011 में असम की कुल जनसंख्या 3.12 करोड़ थी, जिसमें मुस्लिम जनसंख्या 1.07 करोड़ (लगभग 34.22 प्रतिशत) और हिंदू जनसंख्या 1.92 करोड़ (लगभग 61.47 प्रतिशत) थी। उन्होंने कहा था कि असम में रहने वाले महज 3 प्रतिशत मुस्लिम ही असमिया मूल के हैं जबकि 31 प्रतिशत मुस्लिम आबादी घुसपैठिए हैं जो मुख्यतः बांग्लादेश से आए हैं। उन्होंने इस बात की भी आशंका जताई कि अगर इसी तरह चलता रहा तो 2021, 2031 और 2041 तक असम की जनसंख्या में 50 फीसदी तबका मुस्लिम होगा और हिंदू समुदाय अल्पसंख्यक बन जाएगा।

हिमंत ने बताया था कि 2001 में असम के 23 जिलों में से 6 मुस्लिम बहुल थे। इनमें धुबरी (74.29), गोलपारा (53.71), बारपेटा (59.37), नगांव (51), करीमगंज (52.3) और हैलाकांडी (57.63) थी। 2011 में जिलों की संख्या 27 हुई और इनमें 9 जिले मुस्लिम बहुल हो गए। सीएम सरमा ने जनसांख्यिकीय बदलाव पर कहा कि ये सिर्फ भूमि जिहाद ही नहीं बल्कि असम को खत्म करने वाला जिहाद है। योजनाबद्ध तरीके से मुस्लिम आबादी सरकारी और जंगलों की जमीन पर भी कब्जा कर रही है। इसके कारण असम की सांस्कृतिक, सामाजिक और राजनीतिक पहचान खतरे में पड़ गई है। अगर यही प्रवृत्ति जारी रही तो अगले 20 वर्षों में असम के मूल निवासी अल्पसंख्यक बन सकते हैं। असम में घुसपैठ से निपटने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। जिनमें बांग्लादेशी घुसपैठियों को पहचानकर वापस उनके देश भेजना और घुसपैठियों द्वारा जबरन कब्जाई गई जमीन को खाली कराना जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। हिमंत ने बीते महीने ही बताया था कि असम में लगभग 29 लाख बीघा जमीन पर बांग्लादेशी घुसपैठिए और संदिग्ध नागरिकों का कब्जा है। उन्होंने कहा था, 2021 में जमीन खाली कराने की योजना शुरू की गई थी जिसके तहत अब तक 77,420 बीघा जमीन को अतिक्रमण से साफ कर दिया गया है। इसमें अधिकतर बंगाल के मुस्लिमों का कब्जा था।

दरंग जिले में अभियान की सफलता के बाद बोरसोल्ला, लुमडिंग, बुरहापहाड़, पाभा, बतद्रा, चापर और पैकन में भी इस अभियान को चलाया गया। पिछले 4 वर्षों में हमने 1.29 लाख बीघा कब्जे वाली जमीन को मुक्त कराया है। अब इस जमीन का एक बड़ा हिस्सा जंगल बनाने के लिए और प्रदेश की जनता के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिए असम का रुख करते हैं। सीएम हिमंत ने इस बात को बार-बार दो-हराया है कि वे बांग्लादेशी घुसपैठियों से असम को मुक्त करना चाहते हैं और इसके लिए वो लगातार अभियान भी चला रहे हैं।

दूसरी तरफ, गुवाहाटी पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पत्रकार और यूट्यूबर अभिसार शर्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। आरोप है कि पत्रकार ने असम और केंद्र सरकार पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता, 2023 (बीएनएस) की धाराओं 152 (राजद्रोह), 196 और 197 के तहत दर्ज किया है। एफआईआर में आरोप लगाया गया है कि उनका वीडियो सांप्रदायिक भावनाएं भड़काता है। यह शिकायत गुवाहाटी के रहने वाले आलोक बरुआ ने दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया कि अभिसार शर्मा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया और उन्होंने राम राज्य के सिद्धांत का मजाक भी उड़ाया। शिकायतकर्ता के अनुसार, अभिसार शर्मा की टिप्पणियां समाज में शांति और सद्भाव को बिगाड़ने का काम सकती हैं।

शनि अमावस्या पर आजमाएं इनमें से कोई एक उपाय, पितरों के साथ शनिदेव होंगे प्रसन्न

भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर पिठोरी अमावस्या पड़ती है, जिसे कुशोत्पाटनी अमावस्या के रूप में भी जाना जाता है। यह इस साल 23 अगस्त, शनिवार के दिन पड़ रही है। शनिवार होने से इस दिन शनि अमावस्या भी है। माना जाता है कि शनि अमावस्या पर शनि का अत्यधिक प्रभाव रहता है।

इस खास तिथि पर पितरों की शांति के लिए पूजा करने का विधान है और शनिदेव का दिन होने से कुछ विशेष उपाय भी किए जा सकते हैं। ऐसा करने से जातक को शनि दोष से मुक्ति मिल सकती है और पितरों के साथ-साथ शनिदेव की कृपा भी प्राप्त होती है। अगर आप शनि अमावस्या पर कुछ आसान उपाय आजमा लें तो इससे आपका बुरा समय दूर हो सकता है और किस्मत साथ देने लगती है।

पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने का उपाय

शनि अमावस्या पर पितरों की शांति के लिए दान-पुण्य और पूजा करने के साथ-साथ आप एक छोटा उपाय कर सकते हैं। इस तिथि पर पितृ स्तोत्र का पाठ करना बेहद लाभदायक माना जाता है। ऐसा करने से पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और पितृ दोष से भी मुक्ति मिल सकती है। ऐसे में जीवन में आने वाली समस्याएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं और रुके हुए काम पूरे होते हैं। अगर आप पिठोरी अमावस्या पर इस उपाय को कर लें तो इससे जीवन में सुख-समृद्धि आने लगती है।

शनि दोष, ढैय्या और साढ़ेसाती के प्रभाव कम करने का उपाय

माना जाता है कि शनि अमावस्या के दिन भगवान शिव की पूजा करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। ऐसे में अगर आप शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या या शनि दोष का सामना कर रहे हैं, तो इसके लिए महामृत्युंजय मंत्र के साथ भगवान शिव की पूजा कर सकते हैं। साथ ही, शिवलिंग का दूध के साथ अभिषेक भी अवश्य करें। ऐसा करने से जातक के जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है और अच्छे वक्त की शुरुआत होने लगती है। इस उपाय को करने से तरक्की में आने वाली रुकावटें भी दूर हो सकती हैं।

धन में वृद्धि व आर्थिक तंगी दूर करने का उपाय

शनि अमावस्या पर पवित्र नदी में स्नान करने का खास महत्व होता है। इसके लिए किसी नदी या तालाब में स्नान करने के पश्चात ऋषियों, देवताओं और पितरों के नाम से तीन-तीन अंजुली जल देना चाहिए। अगर ऐसा करना संभव न हो तो घर के अंदर खुले आसमान में पीतल के लोटे में जल भरकर इस उपाय को कर सकते हैं। ऐसा करने से पितरों का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है और उनकी आत्मा को भी शांति मिलती है। साथ ही, इस उपाय से आर्थिक तंगी दूर होने लगती है और धन में वृद्धि होती है।

शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए करें ये उपाय

इसके लिए शनि अमावस्या के दिन आप किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को सात प्रकार के अन्न और वस्त्रों का दान कर सकते हैं। इस उपाय को करने से जातक को शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है और जीवन से नकारात्मकता दूर होती है। मान्यता है कि शनि अमावस्या पर अन्न और वस्त्र दान करने से शनिदेव जल्दी प्रसन्न होते हैं और जीवन की बाधाओं से भी छुटकारा दिला सकते हैं।

जीवन में सुख-शांति और समृद्धि प्राप्त करने का उपाय

शनि अमावस्या के दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना बेहद अनिवार्य माना गया है और साथ ही, इस दिन सात्विक भोजन ही करना चाहिए। ऐसा करने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है और जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। वहीं, अगर शनि अमावस्या के दिन दोपहर के समय आपके घर कोई मेहमान या पशु आ जाए, तो उसे कुछ न कुछ खिलाकर जरूर विदा करें। ऐसा करने से आपका जीवन सुखों से भर सकता है।

पितृपक्ष, पूर्वजों की अदृश्य सत्ता से संवाद और आशीर्वाद प्राप्ति का समय

श्राद्ध कर्म धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और स्मरण का प्रतीक है। पितृपक्ष में श्रद्धा, दान और तर्पण द्वारा पितरों को तृप्त किया जाता है, जिससे उनका आशीर्वाद प्राप्त होकर पारिवारिक व सामाजिक जीवन में संतुलन और सद्भाव स्थापित होता है। भारतीय संस्कृति में पूर्वजों का स्मरण और उनके प्रति सम्मान एक गहन परंपरा के रूप में स्थापित है। ब्रह्म पुराण, गरुड़ पुराण आदि ग्रंथों में श्राद्ध कर्म का विशेष महत्व बताया गया है। हर शुभ कार्य के आरंभ में माता-पिता और पितरों को नमन करने की परंपरा इसलिए है क्योंकि उनकी कृपा और आशीर्वाद के बिना कोई भी कार्य पूर्ण फलदायी नहीं होता। शास्त्रों के अनुसार देवता भी तभी प्रसन्न होते हैं जब पितरों की तृप्ति होती है।

क्या है श्राद्ध- श्राद्ध का अर्थ केवल भोजन, दान या कर्मकांड तक सीमित नहीं है। पितृ गण यह भी देखते हैं कि उनके वंशज कितनी श्रद्धा और भावनाओं के साथ उन्हें स्मरण कर रहे हैं। सच्चे मन से अर्पित की गई कोई भी वस्तु उन्हें प्रिय होती है और वे तृप्त होकर आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

पितृ सूक्ष्म रूप में रहते हैं उपस्थित- पितृ पक्ष पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता और स्मृति का अवसर है। सम्पूर्ण वर्ष में पंद्रह दिन पितरों के प्रति श्रद्धा-समर्पण, पिंड दान और उनके स्मरण के लिए निर्धारित हैं। लोक मान्यता है कि इन दिनों पितृ अपने-अपने वंशजों के घर सूक्ष्म रूप में उपस्थित रहते हैं और उनकी श्रद्धा से प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं, इसलिए इस समय दान-पुण्य, तर्पण और स्मरण जैसे कर्मों को प्राथमिकता दी जाती है। अघोर पंत साधना से जुड़े साधक इस दौरान पूर्वजों की मृत आत्माओं से संपर्क स्थापित करते हैं। श्राद्धपक्ष का वास्तविक उद्देश्य मनुष्य को सांसारिक मोह-माया से कुछ समय दूर करके आत्मीय भाव से पूर्वजों के प्रति समर्पित करना है। श्राद्ध कर्म हमें यह स्मरण कराता है कि पूर्वजों की मेहनत और संस्कार ही हमारी आज की पहचान का आधार हैं। पितृपक्ष में पितरों को जल आदि देने से हम पितरों को तृप्त करते हैं, सच्चे मन से पितरों को अपनी श्रद्धा अर्पण करने से पितृ गण आशीर्वाद देते हैं, जिससे व्यक्ति के जीवन में आने वाली बाधाओं का शमन होता है और पितृ कृपा से भाग्योदय, सुख-संपत्ति की प्राप्ति होती है। पितृपक्ष के पंद्रह दिन, पूर्वजों के साथ वर्तमान पीढ़ी को जोड़ने का अदृश्य सेतु है।

इन राशियों पर रहेगी शनि की साढेसाती और ढैय्या

जानें किस राशि पर कैसा रहेगा प्रभाव और उपाय

शनि इस समय वक्री अवस्था में चल रहे हैं। ऐसे में शनि का प्रभाव और भी प्रतिकूल है। वहीं, इस साल की शुरुआत में शनि का गोचर मीन राशि में हुआ है। जिस वजह से दो राशियों पर शनि की ढैय्या और 3 राशियों पर शनि की साढ़ेसाती चल रही है। शनि के गोचर से सिंह और धनु राशि पर ढैय्या और कुंभ, मीन और मेष राशि पर साढ़ेसाती चल रही है। अब 28 नवंबर तक शनि वक्री रहने वाले हैं। इसके बाद शनि मार्गी होंगे। बता दें कि 3 जून 2027 तक शनि मीन राशि में गोचर करें और इसके बाद मेष राशि में पहुचेंगे। फिलहाल, शनि की वक्री चाल से इस समय इन राशियों पर शनि का प्रतिकूल प्रभाव और भी अधिक देखने को मिलेगा। लेकिन, 23 अगस्त को शनि अमावस्या के मौके पर कुछ उपाय करने से आप शनि के प्रतिकूल प्रभाव को कम कर सकते हैं।

सिंह –सिंह राशि के लोगों पर मार्च 2025 से शनि की ढैय्या का प्रभाव है। अब शनि की वक्री चाल से और अधिक प्रतिकूल प्रभाव देखने को मिल सकता है। आपको अब और अधिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही आपको पारिवारिक जीवन में भी काफी उतार चढ़ाव देखने को मिलेगा। इस समय शनि के प्रतिकूल प्रभाव और अधिक रहने वाले हैं ऐसे में आपको सलाह है कि इस दौरान अगर आप कोई नया काम शुरू करने का विचार कर रहे हैं तो फिलहाल, रुक जाए वरना आपको नुकसान हो सकता है। आपको सफलता तो मिलेगी लेकिन आपको इस अवधि में काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। 23 अगस्त को शनि अमावस्या पर शनि से संबंधित उपाय करने से आपको थोड़ी राहत मिल सकती है।

उपाय : शनि अमावस्या के मौके पर शनि गायत्री मंत्र का पाठ करें। हर शनिवार इसका पाठ करने से आपको काफी राहत मिलेगी।

धनु–धनु राशि के लोगों पर भी मार्च 2025 से शनि की ढैय्या के कारण करियर से लेकर प्रेम संबंधों तक कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धनु राशि के लोगों को धन हानि और गुप्त चिंताएं सता सकती हैं। इना ही नहीं आपके अपने निकट संबंधियों के कारण काफी तनाव और अचानक ही खर्च आपको परेशान कर सकते हैं। लव लाइफ में भी असफलता मिलने के योग दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि शनि राशि की ढैय्या धनु राशिवालों पर वर्ष 2027 तक रहेगी।

उपाय : मछलियों को आटे की गोलियां खिलाएं। यह उपाय हर शनिवार करना लाभकारी साबित हो सकता है।

मेष – मेष राशिवालों पर इस समय शनि की साढ़ेसाती चल रही है। ऐसे में मेष राशि के लोगों को करियर में काफी उतार चढ़ाव करना पड़ सकता है। इतना ही नहीं आपके ट्रांसफर या नौकरी में बदलाव हो सकता है दो आपके पक्ष में नहीं रहेगा। घर परिवार में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको सलाह है कि अधिक जोखिम लेने से बचें। इस दौरान बहुत ही संभलकर अपने काम करें। आपको सलाह है कि क्रोध और किसी को भी कु शब्दों का प्रयोग न करें।

उपाय : शनि अमावस्या के दिन शनि स्तोत्र का सुबह शाम पाठ करें, 11 बार पाठ उत्तम रहेगा। इसके बाद हर शनिवार कम से कम एक बार इसका पाठ जरूर करें।

कुंभ – कुंभ राशि के जातकों पर शनि की साढ़ेसाती का अंतिम चरण चल रहा है। ऐसे में कुंभ राशि के लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कुंभ राशि वालों की साढ़ेसाती पूरी तरह से वर्ष 2027 में खत्म होगी। बस आपको इस बात पर ध्यान देना है कि यह समय सीखने का है। बस इस बात का ध्यान दें कि आप अपने धर्म सही रखें। शनि की साढ़ेसाती के कारण आपके खर्चों में वृद्धि हो सकती है। साथ ही आपको सलाह है कि इस दौरान अगर नौकरी बदलने का मन बना रहे हैं तो फिलहाल, रुक जाएं। वरना तकलीफ बढ़ सकती है। क्योंकि, आपको कार्यस्थल पर काफी परेशानियां रह सकती है।

उपाय : शनि अमावस्या के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं अथवा लकड़ी का कोयला सवा किलो जल में प्रवाहित कर दें।

मीन – मीन राशि के लोगों पर मार्च 2025 से शनि साढ़ेसाती का दूसरा चरण शुरू हुआ है। ऐसे में शनि राशि के जातकों को शनि साढ़ेसाती के प्रभाव के कारण पारिवारिक जीवन में काफी खर्च करने पड़ सकते हैं। साथ ही आपको शारीरिक कष्ट और मानसिक तनाव का भी सामना करना पडेगा। इस सम. शनि वक्री अवस्था में चल रहे हैं तो शनि के यह प्रभाव और भी प्रतिकूल रहेंगे।

उपाय : शनि अमावस्या के दिन पीपल को दूध के सींचे यानी दूध से अर्घ्य दें। यह उपाय आप हर शनिवार को करेंगे तो लाभ देखने को मिलेगा।

गणेश चतुर्थी पर घर सजाते वक्त वास्तु के इन नियमों का रखें ख्याल, बनने लगेंगे बिगड़े काम

हर साल भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर गणेश चतुर्थी का त्योहार पूरे भारत में बहुत धूमधाम से मनाया जाता है। गणेश पुराण के मुताबिक, इसी तिथि पर गणपति बप्पा का जन्म हुआ था। ऐसे में लोग गणेश चतुर्थी पर बप्पा की प्रतिमा को अपने घर पर भी स्थापित करते हैं और इसके लिए पूरे घर को शानदार तरीके से सजाते हैं। वहीं, अगर आप घर की डेकोरेशन करते वक्त वास्तु के कुछ विशेष नियमों का ख्याल रख लें, तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है और जातक के बिगड़े काम भी बनने शुरू हो सकते हैं।

गणेश चतुर्थी पर मेन गेट सजाने के वास्तु टिप्स

घर सजाते वक्त हम सबसे ज्यादा खूबसूरत मेन गेट को बनाना चाहते हैं। ऐसे में गणेश चतुर्थी के खास अवसर पर आप अपने मुख्य द्वार पर आम के पत्तों का तोरण, स्वास्तिक का चिन्ह बना सकती हैं। साथ ही, मुख्य द्वार पर रंगोली बनाना भी बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से सौभाग्य की प्राप्ति होती है और जीवन में हमेशा खुशहाली बनी रहती है। मेन गेट को आप गेंदे के ताजे फूलों से भी सजा सकते हैं।

चौकी और आसन से जुड़े वास्तु टिप्स

वास्तु के अनुसार, भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करने के लिए लकड़ी से निर्मित चौकी का प्रयोग करना चाहिए। साथ ही, चौकी को उत्तर या उत्तर-पूर्व दिशा में रखना चाहिए और उस पर पीले या लाल रंग का वस्त्र जरूर बिछाएं। इस प्रकार का भगवान गणेश की चौकी सजाना बेहद उत्तम और फलदायी माना गया है। साथ ही, आप जिस भी दीवार के पास चौकी रखें वहां पीछे केले के पत्ते, फूल, तोरण आदि लगा सकते हैं। इससे घर का माहौल सुखद और शांतिपूर्ण बना रहता है।

सजावट के लिए इन रंगों का करें प्रयोग

वास्तुशास्त्र के अनुसार, गणेश चतुर्थी पर घर की सजावट के लिए सही रंगों को उपयोग करना बेहद जरूरी होता है। ऐसा करने से घर में चारों ओर का वातावरण सकारात्मक बना रहता है। माना जाता है कि घर की सजावट के लिए पीले, लाल, हरे आदि शुभ, शांत और हल्के रंगों का प्रयोग करना चाहिए। वहीं, काले, और गाढ़े नीले जैसे गहरे रंगों का उपयोग करने से बचना चाहिए। इन रंगों को शुभ कार्यों के लिए उत्तम नहीं माना जाता है।

इस दिशा में करें गणपतिजी की मूर्ति स्थापित

माना जाता है कि भगवान गणेश की मूर्ति को सही दिशा में स्थापित करना बेहद जरूरी होता है। वास्तु के अनुसार, ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा में गणपति बप्पा की मूर्ति को स्थापित करना सबसे श्रेष्ठ माना गया है। अगर ऐसा संभव न हो तो आप उत्तर दिशा की ओर भी भगवान गणेश की मूर्ति रख सकते हैं। गणेश चतुर्थी पर घर सजाते वक्त इन नियमों का ख्याल रखने से जातक के जीवन से सारे कष्ट और विघ्न दूर हो सकते हैं। साथ ही, भगवान गणेश की विशेष कृपा भी प्राप्त होती है। इसके अलावा, गणेशजी की मूर्ति लेते वक्त उनके रंग पर भी जरूर ध्यान देना चाहिए। सफेद या सिंदूर रंग की मूर्ति लेना सबसे उत्तम माना गया है। भगवान गणेश की प्रतिमा लेते वक्त इस बात का भी ख्याल रखें कि उनकी सूंड बाईं ओर मुड़ी हुई हो। घर लिए इस प्रकार की मूर्ति लेना शुभ माना जाता है।

कुत्ता पालना शुभ या अशुभ, ज्योतिष शास्त्र में क्या है कुत्तों का महत्व है?

सृष्टि में किसी प्राणी, किसी जीव का अपने-अपने स्थान पर बहुत बड़ा महत्व होता है। ज्योतिष में नवग्रहों की चर्चा होती है और नौ ग्रहों का अलग-अलग स्वरूप है, अलग-अलग स्वरूप के साथ उनके अपने-अपने वाहन हैं। कुत्तों के विषय में अगर हम बात करते हैं तो हमारे नवग्रह में ग्रह है राहु और केतु , केतु का संबंध कुत्ते से माना जाता है ।

ज्योतिष में बताया गया है कि अगर शनि ग्रह से पीड़ित हैं तो काले कुत्ते को मिष्ठान, भोजन कराने से शनि ग्रह से जो पीड़ित हैं उनको शांत कर सकते हैं।ऐसे ही केतु का है जो सफेद रंग का कुत्ता है उसको अधिकार माना गया है श्वेत वस्तु खिलाने से केतु ग्रह भी शांत हो जाते है ऐसा हमारे ज्योतिष के एक ज्योतिष सर्व संग्रह में कई प्रकार के उनके उदाहरण मिलते हैं। ज्योतिष के अनुसार जो जो जिस जिस चीज जातक पर सुलभ होता है वैसा ही उपाय बताया जाता है।

कुत्ते की नस्ल का कोई पुराणों में जिक्र नहीं है। आजकल के युग में चल रहा है हमारे यहां तो शब्द केवल कुत्ता है। कुत्ता, कौआ, चींटी गाय देवताओं के लिए हमारे जो नित्य कृत होते हैं उनमें इन सब के विधान दिए हुए हैं जो हमें चींटी को खिलाने से किस ग्रह की शांति होती है ,गाय को खाना खिलाने से किस ग्रह की शांति मिलेगी और कुत्तों को खिलाने से किस ग्रह की शांति मिलेगी या अलग-अलग वर्णन है । इसमें नस्ल का कोई वर्णन नहीं है। इसमें कुछ ज्योतिषियों ने इसका उल्लेख कहीं-कहीं किया है लेकिन प्रमाणिकता कहीं नहीं है कि इस नस्ल के कुत्ते को खिलाएं तो कुछ उपाय होगा , कुत्ता कुत्ता ही होता है, चाहे जैसी भी नस्ल हो उसका जो स्वरूप है उसका स्वाभाविक धर्म है वह जैसा है वैसा ही रहेगा नस्ल चाहे कैसी भी हो।

महाभारत में वर्णन

महाभारत में जब पांडव स्वर्गारोहण के लिए जाते हैं तो वर्णित कथ्य है तो एक-एक करके सब का शरीर छूटता जाता है आगे चलकर के महाराज युधिष्ठिर को जब स्वर्गा रोहन के लिए इंद्र लेने आते हैं तो उन्होंने कहा कि पहले मेरे स्वान (कुत्ता) को आगे ले चलिए तो उन्होंने कहा महाराज स्वर्ग में तो क्या अगर किसी मृत्युलोक कोई व्यक्ति स्पर्श कर लेगा, तो स्वर्ग में नहीं आ सकता है उसके पितृ नर्क में गिर जाएंगे उसके पूर्ण कर्म छीर्ण हो जाएंगे, इसलिए कुत्ते का स्पर्श निषेध है वहां तो भगवान की माया थी जो धर्म का साक्षात स्वरूप था वह फिर रूप में दर्शन दिया और युधिष्ठिर महाराज को स्वर्ग में इंद्रदेव महाराज लेकर चले गए।

कुत्ते को रोटी खिलाना तो पुण्य है। मंत्र में लिखा है कि कुत्ते को खाना खिलाना तो पुण्य है लेकिन कुत्तों को पालना नहीं चाहिए लेकिन आजकल इंसान अपने स्वभाव के अनुसार अलग-अलग नस्ल के कुत्तों को घर में रखते हैं कुत्तों को घर में रखने से अपवित्र रहती है वहां कोई पवित्रता नहीं रह सकती कुत्ता जहां भी रहेगा आप पवित्रता रहेगी अपवित्र कैसे लौकिक व्यवहार से हम देखें कुत्ता सुसु पॉटी करता है तो उसके लिए कोई संसाधन नहीं है। साफ करने का तो अपने मुंह से ही वह सारी चीजों को छूता है अंगों को छूता है स्पर्श करता है चाटता है इसलिए कोई पवित्र नाम की पवित्रता नाम की कोई चीज नहीं है। इसलिए शास्त्रों में भी कुत्ते को पालना निषेध लिखा है खाना खिलाना पुण्यप्रद लिखा है। गाय को खाना खिलाना पुण्य है जबकि आने वाले इस महीने में परंपरा है कि कुत्ते को पुआ बनाकर खिलाया जाता है और जो ग्रामीण अंचल में माताएं हैं पुत्रवती हैं उनके लिए विशेष कर कुत्ते को पूरा बनाकर खिलाना साइंटिफिक रीजन अगर रेशों का देखें तो कुत्तों को प्रजनन क्षमता उसे समय होती है इसलिए माताएं सोचती है उनके लिए भी गर्भावस्था में भोजन की अवस्था है इनको भी भोजन करना चाहिए भोजन करना पुण्यकरण रद्द है लेकिन कुत्ते को पालना घर में रखना निषेध है कुत्ता स्वतंत्र प्राणी है उसको स्वतंत्र करना चाहिए।

गुरु दत्त के कालजयी क्लासिक्स फिल्म प्यासा और साहिब बीबी और गुलाम फिर सिनेमाघरों में लौटी

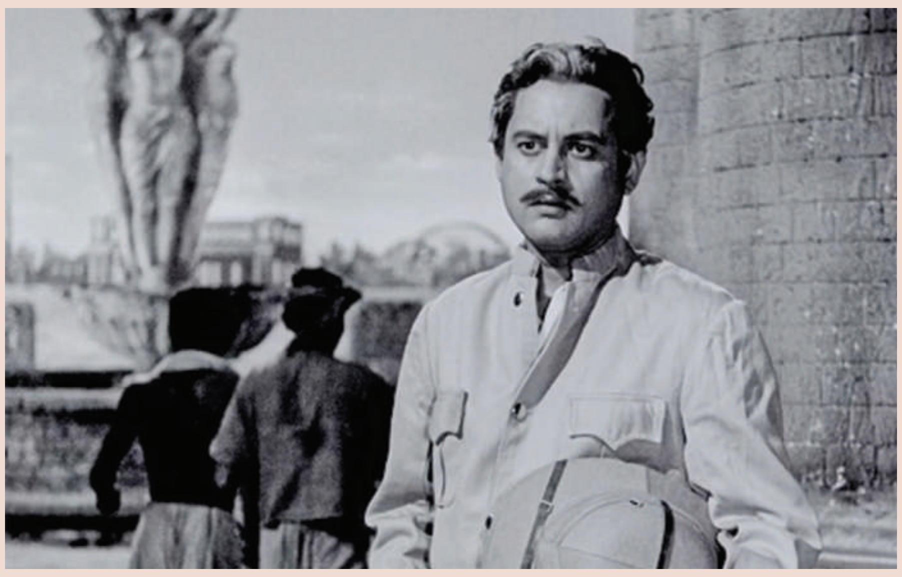

गुरुदत्त के शताब्दी वर्ष के जश्न के हिस्से के रूप में, उनकी दो सबसे प्रतिष्ठित फिल्में प्यासा और साहिब बीबी और गुलाम 22 अगस्त से सिनेमाघरों में दोबारा रिलीज हो रही हैं। यह फैसला दर्शकों की जबरदस्त मांग के बाद लिया गया है, जिन्होंने इसी महीने की शुरुआत में आयोजित गुरु दत्त की फिल्मों के रेट्रोस्पेक्टिव को अपार प्यार दिया था। पहले, 8 अगस्त को पूरे भारत में उनकी छह बेहतरीन फिल्में-'प्यासा', 'साहिब बीबी और गुलाम', 'आर पार', 'चौदहवीं का चाँद', 'मिस्टर एंड मिसेज 55' और 'बाज़'-4घ रिस्टोर्ड वर्जन में जारी की गई थीं। इन क्लासिक्स ने सभी उम्र के दर्शकों, खासकर आज की ॠशप न पीढ़ी, के दिलों को छू लिया। सिनेमा हॉल हर जगह खचाखच भरे थे, जिससे यह साबित हुआ कि गुरु दत्त की कहानियाँ आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी पहले थीं।

प्यासा (1957) एक कवि की मार्मिक कहानी है जो समाज के भौतिकवाद से लड़ते हुए सच्चे प्यार और जीवन के अर्थ की तलाश करता है। वहीं, साहिब बीबी और गुलाम (1962) प्यार, अकेलेपन और सामाजिक पतन पर आधारित एक दिल को छू लेने वाली कहानी है, जिसमें गुरु दत्त और मीना कुमारी के यादगार प्रदर्शन ने इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास का हिस्सा बना दिया है।

अल्ट्रा मीडिया के सीईओ सुशीलकुमार अग्रवाल ने इस दोबारा रिलीज़ पर अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, दर्शकों, खासकर युवाओं को 'प्यासा' और 'साहिब बीबी और गुलाम' से इतने गहरे स्तर पर जुड़ते हुए देखना वाकई आश्चर्यजनक है। ये सिर्फ फिल्में नहीं हैं; ये भावनात्मक अनुभव हैं जो हर पीढ़ी से बात करते हैं।

हम इस दोबारा रिलीज़ के माध्यम से सिनेमा प्रेमियों को गुरु दत्त की कालजयी दृष्टि को बड़े पर्दे पर फिर से जीने का मौका देना चाहते हैं। अगर आप इन कालातीत उत्कृष्ट कृतियों के जादू को फिर से अनुभव करना चाहते हैं, तो इेज्ञचूड्हे पर टिकट उपलब्ध हैं।

सबा खान ने रचाई जोधपुर में शादी, सोशल मीडिया पर साझा की खास तस्वीरें

बिग बॉस 12 फेम और अपनी सादगी से दर्शकों का दिल जीतने वाली सबा खान ने शादी कर ली है। अभिनेत्री ने जोधपुर में एक निजी समारोह में निकाह किया। इस खास मौके पर परिवार और करीबी रिश्तेदार ही शामिल हुए।

सबा खान के जीवनसाथी वसीम नवाब एक व्यवसायी हैं और जोधपुर के नवाब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। सबा की बहन सोमी खान भी उनके साथ बिग बॉस सीजन-12 में नजर आई थीं। वह भी उनकी शादी के समारोह में मौजूद थीं।

गौरतलब है कि सोमी ने भी कुछ महीने पहले ही आदिल खान के साथ शादी की थी।

सबा खान ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शादी की तस्वीरें पोस्ट की, जिसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, कुछ दुआएं चुपचाप कबूल हो जाती हैं। दिल से शुक्रिया। मैं आप सबके साथ अपने निकाह की खुशी बांट रही हूं। जिस लड़की को आपने 'बिग बॉस' में प्यार दिया, आज वह एक नई जिंदगी की शुरुआत कर रही है। दुआओं और प्यार की दरकार है।

सबा के पोस्ट करते ही फैंस और शुभचिंतकों ने तुरंत अपनी प्रतिक्रियाएं दी। कई यूजर्स उन्हें 'हार्ट' और 'फायर' के इमोजी कमेंट सेक्शन में शेयर कर रहे हैं।सबा की बहन सोमी ने उनके पोस्ट में कमेंट किया, दोनों को बधाई हो। मेरी प्यारी सबा, तुम्हें हमेशा दुनिया की सारी खुशियां मिलें, और जीजू अब आप हमारे परिवार का हिस्सा बन गए हैं। आप दोनों एक दूसरे के लिए ही बने हो, बिल्कुल परफेक्ट जोड़ी है।एक यूजर ने लिखा, माशाल्लाह, बधाई हो। एक और यूजर ने लिखा, आप दोनों का जीवन प्यार, खुशियों और एक-दूसरे का साथ देने से भरा रहे।

अन्य यूजर ने लिखा, शादी मुबारक हो।अपनी खुशी साझा करते हुए सबा ने कहा, शादी मेरे जीवन का एक खूबसूरत चैप्टर है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं अपने सपनों से पीछे हट रही हूं। मैं एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम जारी रखूंगी और साथ ही अपने बिजनेस पर भी ध्यान दूंगी। दोनों को बैलेंस करना मेरे लिए रोमांचक है। सबा की यह नई शुरुआत उनके फैंस के लिए खुशी का मौका है, और हर कोई उन्हें आने वाले जीवन के लिए शुभकामनाएं दे रहा है।

ऑल अबाउट हर आज से शुरू, सोहा अली खान का दावा मेरा पॉडकास्ट महिलाओं को बनाएगा सशक्त

अभिनेत्री सोहा अली खान फैंस के लिए एक नया पॉडकास्ट ऑल अबाउट हर लेकर आ रही हैं। इस पॉडकास्ट की खास बात यह है कि इसमें महिलाओं से जुड़ी सेहत, पैसे की समझ, लाइफस्टाइल और दूसरे जरूरी विषयों पर बात की जाएगी। यह खासतौर पर महिलाओं की भलाई और उनकी जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

सोहा ने हाल ही में पॉडकास्ट को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि उनके पॉडकास्ट में बातचीत सुनियोजित और सवाल-जवाब के आधार पर होगी। उनका मानना है कि अनौपचारिक बातचीत में लोग कई बार विषय से भटक जाते हैं, जिससे दर्शकों को स्पष्ट जानकारी नहीं मिलती है। इसलिए, उन्होंने अपने पॉडकास्ट को सही तरीके से तैयार किया है।

अभिनेत्री ने कहा, मैं चाहती हूं कि दर्शक पॉडकास्ट को अच्छे से सुनें और उससे कुछ जरूरी जानकारी लें। जब बातचीत बिना दिशा के होती है, तो कई बार हम कहीं और भटक जाते हैं और सुनने वालों को कुछ समझ में नहीं आता है। इसलिए हमने हर एपिसोड के लिए एक स्क्रिप्ट तैयार की है, जिसमें अच्छी तरह से रिसर्च किए गए सवाल शामिल होंगे। उन्होंने एक खास एपिसोड का जिक्र किया, जिसमें कैंसर जैसे गंभीर विषय पर चर्चा होगी। इस एपिसोड में एक ऑन्कोलॉजिस्ट और एक ऐसी महिला मेहमान शामिल होंगी, जिन्होंने खुद कैंसर से जंग लड़ी है।

सोहा ने कहा, हम पॉडकास्ट में कैंसर जैसे विषयों पर भी बात करेंगे, जैसे ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर और फेफड़ों का कैंसर, जो महिलाओं को ज्यादा प्रभावित करते हैं। हम सवाल पूछेंगे कि कैंसर को कैसे रोका जा सकता है, इसके शुरुआती लक्षण क्या हैं, विभिन्न स्टेज क्या हैं, और इलाज के क्या विकल्प हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा, अक्सर लोग 'कैंसर' सुनते ही डर जाते हैं और सोचते हैं कि ये तो सबसे बुरी बीमारी है। लेकिन सच यह है कि कई तरह के कैंसर का इलाज संभव है। सबसे जरूरी बात है-बचाव। अगर समय रहते जांच करवाई जाए, खुद भी सावधानी रखी जाए और डॉक्टर से सलाह ली जाए, तो ज्यादातर कैंसर का इलाज संभव है। यह पॉडकास्ट महिलाओं को जागरूक करने और उपयोगी जानकारी देने का एक बेहतरीन मंच साबित होने की उम्मीद है।

मैं जल्दबाजी में नहीं, बस सही प्रोजेक्ट चुनना चाहती हूं: सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 16 साल की उम्र से की थी। उनका कहना है कि वह सिर्फ व्यस्त रहने या फिर कैलेंडर भरने के लिए काम नहीं करना चाहती बल्कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहती हैं जो उनको दिल से खुशी दें।अभिनेत्री का मानना है कि उन प्रोजेक्ट्स पर काम करना चाहिए, जो आपको सच में दिल से या रचनात्मक रूप से संतुष्ट करें।

अभिनेत्री ने कहा, मैंने बहुत कम उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। इन सालों में मैंने यही सीखा है कि कई प्रोजेक्ट्स पर काम करने से ज्यादा जरूरी है, कि सही प्रोजेक्ट्स पर काम करें। मैं सिर्फ व्यस्त रहने के लिए काम नहीं करना चाहती हैं। वह कहती हैं, इस समय मैं उन कहानियों पर काम करना चाहती हूं जो मुझे करने में सच में अच्छी लगें, ऐसे किरदार जो मुझे सच में चुनौती दें, और मेरे अंदर के एक कलाकार को अच्छे से निखारें।

सई का मानना है कि प्रोजेक्ट्स में खुद को निखारने, अपनी कला को आजमाने और कुछ अनोखा करने की आजादी मिलनी चाहिए।उन्होंने कहा, जब आप जुनून के साथ काम करते हैं, तो उसका असर आपके काम पर नजर आने लगता है। मैं जल्दबाजी में कोई भी गलत फैसला नहीं लेना चाहती, इसलिए सही मौके का इंतजार कर रही हूं।

अभिनेत्री ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 2012 में मराठी फिल्म 'काक्षपर्श' में खुशी दामले के छोटे से किरदार से की थी। 2019 में उन्होंने सलमान खान के साथ हिंदी एक्शन-कॉमेडी 'दबंग 3' में खुशी चौटाला के किरदार से मुख्य अभिनेत्री के रूप में शुरुआत की थी। फिर, साल 2020 में वह आयुष शर्मा के साथ गाने 'मंझा' के म्यूजिक वीडियो में नजर आईं थीं।2022 में उन्होंने वरुण तेज के साथ तेलुगु फिल्म 'घनी' से तेलुगु सिनेमा में कदम रखा, हालांकि यह फिल्म व्यावसायिक रूप से असफल रही। उसी साल, उन्होंने तेलुगु-हिंदी द्विभाषी बायोपिक मेजर में 'संदीप उन्नीकृष्णन' की प्रेमिका ईशा अग्रवाल का किरदार निभाया। हाल ही में वह गुरु रंधावा के साथ 'कुछ खट्टा हो जाए' में दिखीं।

परफेक्ट होना जरूरी नहीं, गलतियां भी ठीक हैं: अनन्या पांडे

अभिनेत्री अनन्या पांडे का मानना है कि लगातार लोगों की नजरों में रहना कभी-कभी मुश्किल हो सकता है, लेकिन अपने चाहने वालों और लगातार काम पर ध्यान केंद्रित करने से वे संतुलन बनाए रखती हैं। अनन्या ने यह भी कहा कि उनका आत्मविश्वास खुद को स्वीकार करने से आता है और यह जानने से कि परफेक्ट होना जरूरी नहीं है-कभी-कभी गलतियां भी ठीक होती हैं।

अनन्या से पूछा कि वह लगातार लोगों की नजरों के बीच अपने आत्मसम्मान और आत्मविश्वास को कैसे बनाए रखती हैं, तो उन्होंने इस सवाल का जवाब दिया, यह हमेशा आसान नहीं होता। कुछ दिन ऐसे भी होते हैं जब बातें आपको बहुत परेशान करने लगती हैं। समय के साथ उन्होंने यह सीख लिया है कि जिंदगी में सच्चे रिश्तों और पसंद के काम को अहमियत देना जरूरी है।अनन्या ने बताया, मैं जमीन से जुड़ी रहने की कोशिश करती हूं और खुद को याद दिलाती हूं कि परफेक्ट न होना भी ठीक है। आत्मविश्वास तब आता है जब आप अपने अच्छे और बुरे दोनों में खुद को स्वीकार करते हैं। जैसा कि कहा जाता है, 'कोई भी परफेक्ट नहीं होता!नन्या ने हाल ही में 'एयरबीएनबी' के लिए एक खास अनुभव की मेजबानी की, जिसमें उनकी ए-टीम ने हिस्सा लिया। इस अनुभव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, यह मेरे लिए सबसे खास अनुभवों में से एक है, लेकिन मेरे लिए इसमें सबसे खास बात यह है कि यहां पर मेहमानों के अंदर आत्मविश्वास में बदलाव देखना। यह उनके लुक को बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि उनके असल रूप को सेलिब्रेट करने के बारे में है। ग्लैम सेशन के बाद, सभी के साथ समय बिताना, हंसी-मजाक, और मजेदार सेल्फी लेना इसे और भी यादगार बनाता है।

अनन्या की आगामी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में कार्तिक आर्यन, जैकी श्रॉफ, नीना गुप्ता और अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। कार्तिक और अनन्या इससे पहले 2019 में 'पति, पत्नी और वो' में साथ नजर आ चुके हैं। करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, शरीन मंट्री केडिया और किशोर अरोड़ा द्वारा निर्मित यह फिल्म अगले साल 13 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने की संभावना है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे। थकाऊ और उबाऊ दिन को अलविदा कहने के लिए एक बढ़िया डिनर की योजना बनाएँ। उनका साथ आपके शरीर में फिर से ऊर्जा भर देगा। पैसों की कमी आज घर में कलह की वजह बन सकती है, ऐसी स्थिति में अपने घर के लोगों से सोच-समझकर बात करें और उनसे सलाह लें। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। वो आपसे रुठें इससे ही पहले ही अपनी गलती का अहसास कर लें और उन्हें मना लें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज शाम को मंदिर में घी का दीपक अवश्य जलाये जिससे आपके सारे कष्ट दूर हो सके. आपके प्रियजन ख़ुश हैं और आपको शाम के लिए उनके साथ कोई योजना बनानी चाहिए. किसी से आँखें चार होनी की काफ़ी संभावना है. धार्मिक स्थलों पर जाना आपके अच्छा रहेगा. किसी पसंदीदा व्यक्ति से भी संपर्क हो सकता है. अपनी सेहत पर ध्यान दें खान-पान में सावधानी रखें. दाम्पत्य जीवन खुशहाली से परिपूर्ण रहेगा.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

प्रेमियों के लिए समय अनुकूल है. जो लोग प्रेम विवाह की प्रतीक्षा में थे उन्हें भी अब मुंह मांगी मुराद मिलने वाली है. खोई हुई वस्तु के मिलने से ख़ुशी होगी. परीक्षा-प्रतियोगिता के लिए भी समय थोड़ा कमज़ोर है, सफल होने के लिए अधिक और कठिन परिश्रम करें. रिश्तेदारों की तरफ से भी कोई दुखद समाचार का योग है. गलत लोगों की संगत के कारण कुछ गलत कर्मों की ओर रुझान बढ़ेगा ऐसे में क्या करना चाहिए यह निर्णय आप स्वयं लें. किसी के बहकावे में आकर कोई ऐसा निर्णय ना लें जिसके कारण आपको शर्मिंदा होना पड़े.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

करियर में कुछ बदलाव हो सकते हैं. इस दिशा में आज आप प्लानिंग भी शुरू कर दें. आज स्थिति में काफी सुधार भी हो सकता है. आप अपनी कोशिशों में बहुत हद तक सफल रहेंगे. पैसा खर्चा होगा और ये आपके लिए अच्छा भी रहेगा. करीबी लोगों के लिए कुछ त्याग करनापड़े, तो संकोच न करें. पार्टनर से संबंध अच्छे रहेंगे. आपकी सकारात्मक सोच कारगर हा सकती है. कामकाज के बजाए योजना बनाने में ज्यादा समय लगेगा. संतान पर ध्यान दें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही-सुनी बातों पर विश्वास करने से आप- को बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज बच्चों के खास काम में आपके पैसे खर्च होंगे. आपका दिन सामान्य बना रहेगा. काम के मामले में आपको अनुभवी लोगों से सम्पर्क बढ़ाने की जरूरत है. आपको पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ना चाहिए, इससे आपको काम में सफलता मिलेगी. किसी की कही-सुनी बातों पर विश्वास करने से आपको बचना चाहिए. सेहत के मामले में आपको थोड़ा ध्यान रखना चाहिए. जीवन में प्यार बना रहेगा. मन्दिर में चने की दाल दान करें, आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपको उत्कृष्ट परिणाम प्रदान कर सकता है. अगर आप नौकरी की तलाश में हैं तो आपको अब और इंतजार नहीं करना पड़ेगा. यदि आप अपना खुद का व्यवसाय कर रहे हैं या रचनात्मक नौकरियों से जुड़े हैं तो आपको आगे बढ़ने के अच्छे अवसर मिलेंगे. नौकरीपेशा जातकों के लिए पदोन्नति संभव है. भाग्य आपके पक्ष में है इसलिए अपने अवसरों का अधिकतम लाभ उठाएं. काम से संबंधित यात्रा अचानक उत्पन्न हो सकती है जो नए दरवाजे खोलने में मदद करेगी. पारिवारिक सदस्यों एवं मित्रों संग मौज-मस्ती में समय व्यतीत होगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

जरूरी काम हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ शुरू करेंगे. सफलता मिल जाएगी. थोड़ा बहुत त्याग भी करना होगा. वृश्चिक राशि वालों के कॉन्टैक्ट्स अपडेट होंगे. कुछ गुप्त सूचनाएं और जानकारियां आपको मिल सकती हैं. कामकाज निपटाने के लिए थोड़ा बहुत पैसा खर्च करेंगे और आगे बढ़ जाएंगे.

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप कोई नया बिजनेस शुरू सकते हैं . आपको घर के बड़ों से पूरा सपोर्ट मिलेगा. आर्थिक रूप से पिता आपकी मदद करेंगे. आज आप बच्चों को कहीं घूमाने ले जा सकते हैं. परिवार में खुशहाली और तालमेल बना रहेगा. अगर आपकी संतान विवाह के लायक है, तो उनके लिये कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है. सेहत के लिहाज से आप फिट रहेंगे. ऑफिस में अपना काम अच्छे से पूरा करेंगे. शाम को आप परिवार के साथ किसी फंक्शन में जा सकते हैं. मन्दिर में मिट्टी का बर्तन दान करें, आपको सबका सपोर्ट मिलेगा.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज समझौते और धैर्य का मन बना कर चलें. वाणी पर संयम रखें वरना विवाद हो सकता है. जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है. चीजों की नए सिरे से शुरुआत करनी पड़े, लेकिन आपके लिए ये अच्छा रहेगा. आज आप अपने निर्धारित किए गए कार्य को पूरा करेंगे. आपकी सेहत खराब हो सकती है. आप किसी भी कीमत पर अपने लक्ष्य को पाने की आशा ना छोड़ें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप व्यावसायिक रूप से बहुत सफल होंगे और आपका नाम और प्रसिद्धि व्यापक होगी. आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे और आपका आत्मविश्वास भी काफी बढ़ जाएगा. आप अपने वरिष्ठों और सहकर्मियों का ध्यान समान रूप से आकर्षित करेंगे. प्राधिकरण और रैंक के व्यक्ति आपके पक्ष में होंगे और आप एक उच्च जिम्मेदार पद पर आसीन हो सकते हैं. आपकी आमदनी बढ़ेगी. आपका पारिवारिक-जीवन आनंदमय रहेगा और आपके बच्चे आपके लिए गर्व का स्रोत बनेंगे.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

बिना प्लानिंग किए भी कोई बड़ा काम जल्दी हो सकता है. आपके रिश्तों में अचानक बड़े बदलाव होने के योग हैं. मन की बात जताने और रूठे हुए लोगों को मनाने का समय है. इससे आप अच्छा महसूस करेंगे. आप में उत्साह भी बहुत रहेगा. मन में अच्छे विचार आएंगे. लोग आपसे आपके विचारों के बारे में बातें कर सकते हैं. आज आप अपने लिए नए अवसर तलाश करने की पूरी कोशिश करें. कुछ महत्वपूर्ण लोगों से दोस्ती हो सकती है. परिवार से सहयोग मिलता रहेगा.

आज का पंचांग

दिनांक : 23 अगस्त 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या प्रातः 11:38 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 12:55 तक
योग : परिघ दोपहर 01:19 तक
करण : नाग प्रातः 11:38 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:00 सूर्यास्त 06:36 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:36 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:29 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52 ,सूर्यास्त 06:27 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : देव-पितृकार्य शनैश्चरी अमावस्या , सती अमावस्या , गण्डमूल रात्रि 12:55 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

बजट घोषणाओं को कार्ययोजना बनाकर समय से करें पूरा : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय व विदेशी पर्यटकों की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी से हमारा राजस्थान देश में अग्रणी राज्य बन रहा है। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में आ रहे निरंतर बदलाव के अनुरूप प्रदेश में सैलानियों की संख्या में वृद्धि के लिए ऐतिहासिक, प्राकृतिक व धार्मिक स्थलों के विकास कार्यों की कार्ययोजना बनाएं। साथ ही, निरंतर समीक्षा करते हुए समयबद्ध रूप से इन कार्यों को पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों के सुझावों को भी शामिल किया जाए।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पर्यटन व कला एवं संस्कृति विभाग की बजट एवं अन्य महत्वपूर्ण घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजकीय संग्रहालयों के उन्नयन एवं संरक्षण, पैनोरमा निर्माण कार्य, बावड़ी जीर्णोद्धार सहित अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध रूप से पूरा किया जाए। उन्होंने प्रदेश के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के विकास के लिए बनाई जाने वाली डीपीआर में कार्य से संबंधित सभी जरूरी पहलुओं को शामिल करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने इन कार्यों की प्रगति के लिए हर तीन माह में निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के धार्मिक पर्यटन स्थलों पर आधारभूत संरचना के विकास से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर एवं घाटों का विकास कार्ययोजना के आधार पर करने के निर्देश दिए। साथ ही, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चिन्हित स्थानों पर विकास कार्यों की डीपीआर शीघ्र तैयार करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने बजट घोषणा 2025-26 में प्रदेश के प्रमुख हैरिटेज पर्यटन स्थलों पर किए जाने वाले विकास कार्यों की रूपरेखा बनाने के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वॉटर एवं डेजर्ट एडवेंचर एक्टिविटीज को बढ़ावा देने के लिए शीघ्र गाइडलाईन तैयार की जाए तथा वेडिंग डेस्टिनेशन को नई ऊंचाईयां देने के लिए प्रदेश के समृद्ध स्थलों को कार्ययोजना बनाकर बढ़ावा दिया जाए।

शर्मा ने अधिकारियों को उदयपुर व जोधपुर में ट्रेवल मार्ट के आयोजन की रूपरेखा बनाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बेणेश्वर धाम, रामेश्वर घाट एवं बीगोद संगम को त्रिवेणी संगम के रूप में एवं प्रदेश में जनजातीय क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट विकसित करने के निर्देश दिए।

बैठक में पर्यटन व कला एवं संस्कृति विभाग की ओर से प्रदेश में डेढ़ वर्ष में पर्यटन स्थलों पर किए गए विकास कार्यों पर आधारित वीडियो डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत सहित पर्यटन व कला एवं संस्कृति विभाग के उच्चाधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जैसलमेर व बीकानेर में सोलर पार्क की स्थापना के लिए भूमि आवंटन को दी मंजूरी

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए जैसलमेर एवं बीकानेर जिले में अक्षय ऊर्जा आधारित उत्पादन इकाइयों की स्थापना के लिए भूमि आवंटन के प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की है।

प्रस्ताव के अनुसार, जैसलमेर जिले की रामगढ़ तहसील में 5000 मेगावाट क्षमता के सोलर पार्क की स्थापना के लिए कुल 6771.86 हैक्टेयर भूमि एवं 2700 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 5113.99 हैक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति दी गई है। वहीं, फतेहगढ़ तहसील में 12500 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 14026.87 हैक्टेयर भूमि एवं 6200 मेगावाट सोलर पार्क के लिए 8582.42 हैक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी तरह, बीकानेर जिले की पूगल तहसील के दीनसर व बराला गांव में 393.04 हैक्टेयर भूमि आवंटित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं, बीकानेर तहसील के गांव सवाईसर, बज्जू तहसील के गांव बिकोलाई तथा पूगल तहसील के गांव करणीसर भाटियान में कुल 2320.46 हैक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति दी गई है।इसी तरह प्रदेश के सीमावर्ती जिलों में समानान्तर सड़क निर्माण की पहल के तहत मुख्यमंत्री शर्मा ने बाड़मेर की गडरारोड़ तहसील में 158.0792 हैक्टेयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति दी है। वहीं, जैसलमेर सेक्टर में लेटरल सड़क निर्माण के लिए कुल 219.06 हैक्टेयर भूमि आवंटन को स्वीकृति मिली है। उल्लेखनीय है कि यह स्वीकृति केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग की मांग के आधार पर संबंधित जिला कलक्टर के प्रस्ताव पर भारत-पाकिस्तान सीमा पर समानान्तर सड़क निर्माण के संरेखण में आने वाली भूमि से संबंधित है। मुख्यमंत्री ने एक अन्य प्रस्ताव पर निर्णय करते हुए धौलपुर जिले की बाड़ी तहसील के गांव विजौली में औद्योगिक इकाइयों के लिए 38.39 हैक्टयर भूमि के आवंटन को स्वीकृति दी है।

दौसा जिले में बारिश का दौर जारी मोरेल बांध फिर से ओवरफ्लो

दौसा, 22 अगस्त (एजेंसियां)। दौसा जिले में बारिश का दौर शुक्रवार को भी लगातार जारी रहा। कई दिनों की बारिश के बाद जिले का मुख्य जल स्रोत मोरेल बांध एक बार फिर से ओवरफ्लो हो गया है, जिस पर 6 इंच की चादर चल रही है।

प्रमुख क्षेत्रों में भारी बारिश

शुक्रवार सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे के बीच जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक बारिश रामगढ़ पचवारा में हुई, जहां 143 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। अन्य प्रमुख क्षेत्रों में दर्ज बारिश इस प्रकार है:

निर्झरणा: 58 मिमी, महवा: 56 मिमी, लालसोट: 34 मिमी, बसवा: 36 मिमी, बैजूपाडा: 33 मिमी, इसके अलावा, सैंथल, नांगल राजावतान, मंडावर और लवाण जैसे क्षेत्रों में भी 25 से 30 मिमी तक बारिश हुई।लगातार तीन दिनों से हो रही बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिला मुख्यालय पर भी सड़कों और कॉलोनियों में जलभराव की समस्या से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। खेतों में पानी भरने से किसानों को फसलों के नुकसान की भी आशंका है।

राजस्थान में रक्षा उत्पाद इकाइयां लगाने के लिए केन्द्र और राज्य सरकार दे रही सभी सुविधाएं

जयपुर, 22 अगस्त (एजेंसियां)। केन्द्र सरकार द्वारा रक्षा क्षेत्र से संबंधित उत्पादों के विनिर्माण में स्वदेशीकरण को प्रोत्साहित करने हेतु उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव आलोक गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को उद्योग भवन में बैठक हुई। बैठक में सुशील सतपुते, उपमहानिदेशक, रक्षा उत्पादन विभाग, उद्योग आयुक्त रोहित गुप्ता, प्रबंध निदेशक, रीको, शिवांगी स्वर्णकार, निवेश संवर्द्धन ब्यूरो के आयुक्त सुरेश ओला के साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों व राजस्थान में रक्षा क्षेत्र में विनिर्माणरत लगभग 20 औद्योगिक इकाईयों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सुशील सतपुते ने बताया कि वर्तमान में देश के रक्षा क्षेत्र में कार्यरत सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र की इकाइयों द्वारा लगभग 1.50 लाख करोड़ रूपये मूल्य के उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं जिसमें से मित्र देशों को लगभग 23 हजार 600 करोड़ रूपये का निर्यात किया जा रहा है। इस उत्पादन में निजी क्षेत्र का का हिस्सा लगभग 22.5 प्रतिशत है। गत 10 वर्ष में निजी क्षेत्र में रक्षा उत्पादन के लाइसेंस 246 से बढ़कर 742 हो गये हैं। केन्द्र सरकार एमएसएमई क्षेत्र की इकाइयों से स्वदेशीकरण की दिशा में पूर्ण सहयोग करने के लिए तैयार है। डीआरडीओ द्वारा विकसित की गई रक्षा तकनीक भी निजी क्षेत्र की कम्पनियों को हस्तांतरित की जा सकती है।

बैठक में रीको अधिकारियों ने राजस्थान में रक्षा क्षेत्र में निवेश हेतु जमीन की उपलब्धता तथा इस हेतु राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना- 2024 (रिप्स) के अंतर्गत मिलने वाले लाभों का विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि राज्य में रक्षा क्षेत्र में विनिर्माण के लिए स्थापित होने वाली इकाइयां राज्य की स्ट्रेटेजिक लोकेशन के कारण लाभदायक स्थिति में हैं । बैठक में राज्य सरकार की प्रस्तावित 'डिफेंस एयरोस्पेस पॉलिसी' के संबंध में स्टैकहोल्डर्स से चर्चा की गई। उद्यमियों ने द् इकाइयों को विभिन्न प्रकार के लाइसेंस / स्वीकृतियां लेने में आने वाली कठिनाइयों की चर्चा की तथा रक्षा उत्पादन मंत्रालय से आग्रह किया की उनकी ओर से चाहे गए उपकरणों से संबंधित एक्सपो का आयोजन राजस्थान में किया जाए। इसके अतिरिक्त रक्षा उत्पादों की टेस्टिंग से संबंधित पर्याप्त व्यवस्थाएं होने पर पर्याप्त मात्रा में नए उद्यम व निवेश लाने का आश्वासन दिया गया।

विकसित भारत-विकसित हरियाणा में उद्यमियों की अहम भूमिका : सैनी

चंडीगढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए उद्यमी सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

ग्लोबल लीडरशिप समिट-2025 का आयोजन शुक्रवार को चंडीगढ़ में हुआ, जहां विभिन्न राज्यों से आए उद्योग जगत के दिग्गजों और युवा उद्यमियों ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि इतने बड़े पैमाने पर प्रतिभाशाली उद्यमियों का एकत्र होना गर्व की बात है। उन्होंने इस आयोजन के लिए टी.आई.ई. ग्लोबल टीम को बधाई दी और उद्यमिता को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका की सराहना की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा में स्टार्टअप्स और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा औद्योगिक निवेश के लिए देश के सबसे अनुकूल राज्यों में से एक है।ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाने के लिए हरियाणा ने कई सुधार किए हैं। राज्य ने 1100 से अधिक अनुपालनों को कम किया है और 230 ऑनलाइन सेवाओं के साथ सिंगल विंडो सिस्टम लागू किया है। अंत में मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा को स्टार्टअप हब बनाने और निवेशकों के लिए और अधिक अवसर पैदा करने का लक्ष्य है। उन्होंने सभी उद्यमियों से प्रदेश में अधिक निवेश कर 'विकसित भारत - विकसित हरियाणा' के अभियान में भागीदार बनने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री असीम गोयल ने कहा कि हरियाणा पूरी तरह तैयार है राज्य को आगे बढ़ाने के लिए। उन्होंने सभी उद्यमियों को आंतरिक निवेश के लिए आमंत्रित किया और कहा कि आपको यहां एक बेहतर माहौल मिलेगा, जिसमें आप निवेश कर सकते हैं।

भाखड़ा नहर के पानी को लेकर सरकार का दावा और धरातल की हकीकत अलग: सैलजा

चंडीगढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि लोकसभा में उनके द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में जल शक्ति मंत्रालय ने दावा किया है कि हरियाणा में किसानों को सिंचाई जल आपूर्ति पर कोई विपरीत असर नहीं पड़ा और भाखड़ा नहर प्रणाली से रोटेशनल प्रोग्राम के अनुसार पानी की आपूर्ति हो रही है। लेकिन वास्तविकता इससे बिल्कुल उलट है। सांसद ने कहा कि किसानों की पीड़ा को गंभीरता से लिया जाए और केंद्र तथा राज्य सरकारें मिलकर पानी वितरण की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करें। सैलजा ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने समय रहते स्थिति को नहीं सुधारा तो किसानों का आक्रोश और बढ़ेगा।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा के किसानों को नहरों से प्राप्त होने वाला सिंचाई पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा। सिरसा जिले के डबवाली क्षेत्र में कल ही किसानों ने एक खाली नहर में दौडक़र विरोध प्रदर्शन किया, जो इस बात का प्रमाण है कि धरातल पर हालात बेहद खराब हैं।

हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र 27 अगस्त तक चलेगा

चंडीगढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र अब 27 अगस्त तक चलेगा। यह निर्णय शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण की अध्यक्षता में हुई कार्य सलाहकार समिति (इउ) की बैठक में लिया गया। पहले सरकार ने केवल तीन दिन का सत्र चलाने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन बाद में कामकाज को देखते हुए इसे एक दिन और बढ़ाने पर सहमति बनी। बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, ऊर्जा मंत्री अनिल विज, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, सामाजिक कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार सहित विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा और विधायक गीता भुक्कल, सावित्री जिंदल व अर्जुन चौटाला उपस्थित रहे। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले, विधानसभा अध्यक्ष ने सभी दलों के नेताओं के साथ एक बैठक की।

इस बैठक में हाल ही में सदन में आई बाधाओं पर चर्चा की गई और भविष्य में कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बनी। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, और अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहे।

विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने पर्यावरण और नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक पहल की है। उन्होंने सभी विधायकों से 26 अगस्त को विधानसभा में साइकिल या ई-रिक्शा से आने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि इस पहल से समाज और सरकार मिलकर इन मुद्दों पर काम कर पाएंगे। विधानसभा सचिवालय विधायकों के आवास और एमएलए हॉस्टल से विधानसभा भवन तक ई-रिक्शा और साइकिल का इंतजाम करेगा।

हरियाणा विधानसभा सत्र के पहले दिन शोक प्रस्ताव पारित

चंडीगढ़, 22 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा का सत्र भावुक माहौल में शुरू हुआ। सदन में उन महान विभूतियों, स्वतंत्रता सेनानियों और वीर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जो पिछले सत्र से लेकर अब तक इस दुनिया से विदा हो गए। सदस्यों ने शोक प्रस्ताव पारित कर दिवंगत आत्माओं को नमन किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

सर्वप्रथम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शोक प्रस्ताव पढ़ा। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा और आदित्य देवीलाल ने अपनी-अपनी पार्टी की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सदन के सभी सदस्य, अधिकारी, मीडियाकर्मी और कर्मचारी खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगतों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

सदन ने जम्मू-कश्मीर, मेघालय, गोवा, ओडिशा और बिहार के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक, हरियाणा विधानसभा के पूर्व सदस्य इन्द्र सिंह नैन, हरि राम बाल्मीकि और स्वतंत्रता सेनानी मंगल सिंह को श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 26 निर्दोष लोगों और 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए 260 लोगों, जिनमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे, को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

सत्र में हरियाणा के 43 वीर सैनिकों को भी याद किया गया, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

कर्नाटक 5.7 लाख लाभार्थियों के साथ प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना में अग्रणी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हस्तशिल्प उत्पादन में शामिल पारंपरिक कारीगरों को समर्थन देने के लिए केंद्र सरकार की पहल, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत पंजीकरण में कर्नाटक देश में शीर्ष पर है। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय ने पुष्टि की है कि 30 जून, 2025 तक, इस योजना के तहत कुल 2.71 करोड़ आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 29.94 लाख पंजीकरण सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं – जो 30 लाख पंजीकरण लक्ष्य का 99.80 प्रतिशत है। कर्नाटक को देश में सबसे अधिक आवेदन – 32,22,576 – प्राप्त हुए हैं और उसने 5,71,637 पंजीकरण सफलतापूर्वक पूरे किए हैं, जो कुल पंजीकरण का 17.7 प्रतिशत है। मध्य प्रदेश (8.8 प्रतिशत) और महाराष्ट्र (10.4 प्रतिशत) इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों की पहचान करना और उन्हें कौशल प्रशिक्षण, टूलकिट, वित्तीय सहायता और बाजार पहुँच, ब्रांडिंग और पैकेजिंग में सहायता प्रदान करना है। कर्नाटक ने त्रि-स्तरीय सत्यापन प्रक्रिया को पूरा करने में उल्लेखनीय दक्षता प्रदर्शित की है। 32.22 लाख आवेदकों में से, 20.84 लाख ने चरण 1,

10.08 लाख ने चरण 2 और 5.76 लाख ने चरण 3 पूरा किया, जिसके परिणामस्वरूप 5.71 लाख कारीगर पूरी तरह से पंजीकृत हुए। इसके विपरीत, मध्य प्रदेश में 31.66 लाख आवेदनों के साथ केवल 2.77 लाख सफल पंजीकरण हुए। जिलावार, तुमकुरु 65,276 पंजीकरणों के साथ कर्नाटक में सबसे आगे है, उसके बाद कोलार (38,199), चामराजनगर (30,001), चित्रदुर्ग (39,926) और बीदर (32,974) का स्थान है। उडुपी और कोडागु जैसे छोटे जिलों ने भी क्रमशः 7,900 और 2,600 से अधिक पंजीकरणों के साथ उल्लेखनीय भागीदारी दिखाई है। हालांकि, कई जिलों में सफलता दर कम दर्ज की गई। विजयपुरा में 57,000 से अधिक आवेदनों में से केवल 1,670 सफल पंजीकरण हुए, जबकि बागलकोट में लगभग 95,000 में से केवल 3,876 सफल पंजीकरण हुए। बेंगलूरु शहरी क्षेत्र में 1.8 लाख आवेदनों में से 15,001 सफल पंजीकरण हुए। आवेदकों की अधिक संख्या के बावजूद, विजयनगर और यादगीर जैसे जिलों में भी सफल पंजीकरण दर कम रही। इस योजना के माध्यम से, कर्नाटक ने अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। कुल 1,30,256 एससी लाभार्थियों को पंजीकृत किया गया है, जिनमें से 1,06,025 ने बुनियादी प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। इसी प्रकार, 59,900 एसटी लाभार्थियों को पंजीकृत किया गया है, जिनमें से 48,359 ने अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय के बाहर ड्रोन उड़ाने पर दो लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधान सौधा पुलिस ने रविवार रात उच्च न्यायालय के बाहर कथित तौर पर ड्रोन उड़ाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। यह घटना तब सामने आई जब उच्च न्यायालय की सुरक्षा टीम ने उच्च सुरक्षा क्षेत्र में ड्रोन देखा और नियंत्रण कक्ष को सूचित किया। पुलिस नियंत्रण कक्ष ने गश्त पर तैनात होयसला गश्ती वाहनों को सूचित किया। सहायक उप-निरीक्षक श्रीनिवास डी.बी. और उनके सहयोगी तुरंत मौके पर पहुँचे। उन्होंने देखा कि ड्रोन को दो व्यक्ति चला रहे थे जो विधान सौधा की

रिकॉर्डिंग करके सोशल मीडिया पर पोस्ट करने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस ने विशाल और रोहित के खिलाफ बीएनएस धारा 125 (दूसरों की जान या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने वाला कृत्य) और 289 (मशीनरी के संबंध में लापरवाही) के तहत मामला दर्ज किया। पुलिस ने संदिग्धों का पता लगाया और पता चला कि दोनों विधान सौधा की लाइटिंग को बेहतर एंगल से कैद करना चाहते थे। एक अधिकारी ने कहा पुलिस ने दोनों से पूछताछ की है और उन्हें थाने में जमानत पर रिहा करने से पहले उनके बयान दर्ज किए गए हैं। इस इलाके को उच्च सुरक्षा वाला क्षेत्र माना जाता है जहाँ उच्च न्यायालय, विधान सौधा, राज्यपाल निवास, जीपीओ और अन्य सरकारी कार्यालय जैसे प्रमुख प्रतिष्ठान स्थित हैं। पुलिस ने बताया कि यह नो-फ्लाई जोन है और यहाँ अनाधिकृत वीडियो बनाना या ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है।

सार्वजनिक कार्यक्रमों में डीजे के इस्तेमाल की संभावना नहीं: पुलिस आयुक्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने सार्वजनिक समारोहों में डीजे की अनुमति देने से साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा है कि डीजे के इस्तेमाल पर कानून स्पष्ट है और इसमें कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यह बयान दक्षिण कन्नड़ जिला ध्वनि प्रणाली एवं सजावट मालिक संघ की मांगों के जवाब में आया है, जिसमें भीड़ के आकार, आयोजन स्थल और आयोजन की प्रकृति के आधार पर ध्वनि प्रणाली लगाने की अनुमति मांगी गई थी। आयुक्त रेड्डी ने स्पष्ट रूप से कहा कानून स्पष्ट है। इसलिए, किसी भी सार्वजनिक समारोह में डीजे की अनुमति नहीं होगी। संघ ने हाल ही में बहिष्कार की धमकी दी थी और चेतावनी दी थी कि अगर उनकी मांग नहीं मानी गई तो वे सार्वजनिक कार्यक्रमों से ध्वनि प्रणाली हटा देंगे। इस धमकी पर प्रतिक्रिया देते हुए, आयुक्त ने कहा मैं बहिष्कार के किसी भी फैसले से विचलित नहीं हूँ। ये उनके अपने तरीके और विकल्प हैं।

उन्होंने आश्वासन दिया कि जनता, वरिष्ठ नागरिकों या छात्रों को असुविधा पहुँचाए बिना समारोहों को सुचारू रूप से चलाने के लिए व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया मौजूदा नियम लागू हैं, और यद्यपि वैध कारणों से कुछ छूट दी जा सकती है, लेकिन ये मिसाल कायम नहीं करेंगी या नए नियम नहीं बनेंगे।

पर्युषण के तृतीय दिवस सामायिक दिवस का आयोजन

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। पर्युषण के पावन प्रसंग पर आयोजित सामायिक दिवस कार्यक्रम में उपासक सुमेर कोचर और अशोक बुरड ने सम्यक् साधना, आत्मसंयम और अहिंसा के व्यावहारिक आयामों पर प्रेरक उद्बोधन दिया। दोनों वक्ताओं ने समायिक को ''मन-वचन-काय की समता'' का अभ्यास बताते हुए कहा कि यह साधना केवल पूजा-विधि नहीं, बल्कि दैनिक

जीवन का अनुशासन है। समायिक का मर्म समता की साधना है। समायिक का अर्थ है समता में स्थित होना। राग-द्वेष से ऊपर उठकर, क्षमा और करुणा में टिकना।

समता से ही बाह्य आडंबर घटता है और अन्तर्मुखी चिंतन का द्वार खुलता है। छोटे छोटे व्रत, वाणी में संयम, आहार में मर्यादा और समय-पाबंदी यही समायिक के सहारे हैं। एक घंटे की सामायिक को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आग्रह विशेषकर पर्व के बाद भी निरंतर। चिंतन स्वाध्याय प्रतिक्रमण सूत्रों और नवतत्वों का स्वाध्याय कथनी और करनी के बीच की दूरी कम करता है। आत्मावलोकन की डायरी रखने का सुझाव दिया। दिनभर की भूलों को लिखकर क्षमा, परिवार, युवा और डिजिटल संयम रखें। इसी प्रकार से उन्होंने अन्य बातों पर विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम ने उपस्थित जनों में निरंतर अभ्यास का संकल्प जगाया और क्षमायाचना के साथ मंगल परिणति हुई।

कुमारस्वामी ने केंद्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने केंद्रीय राजमार्ग एवं सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और मांड्या लोकसभा क्षेत्र में वर्तमान और भविष्य की राजमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा की।

अपने करीबी अधिकारियों के साथ गडकरी के आवास पर पहुँचे कुमारस्वामी ने मांड्या जिले में पहले से चल रही राजमार्ग परियोजनाओं पर चर्चा की। कई परियोजनाओं के लिए पहले ही अनुरोध किया जा चुका है और अधिकांश परियोजनाओं को राजमार्ग मंत्री द्वारा मंजूरी दे दी गई है। मंत्री ने शेष कुछ परियोजनाओं पर राजमार्ग मंत्री के साथ चर्चा की। इस बीच, नितिन गडकरी ने पांडवपुर चीनी कारखाने के पास सीडीएस नहर से दर्शगुप्पे जल उपचार संयंत्र तक चार लेन वाले राजमार्ग के विकास के लिए आवश्यक अतिरिक्त अनुदान को मंजूरी दे दी।

चुनाव से पहले लालू की पार्टी को झटका, पीएम मोदी के मंच पर नजर आए राजद के दो विधायक

गया/ नवादा। विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी को बड़ा झटका लगा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गया दौरे के दौरान नवादा से राष्ट्रीय जनता दल की वर्तमान विधायक विभा देवी और रजौली विधायक प्रकाश वीर पीएम मोदी के मंच पर दिखाई दिए। इसके बाद सियासी गलियारे में हड़कंप मच गया। दोनों विधायक जल्द ही सीएम नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड का दामन थामने जा रहे हैं। दोनों को विशेष तौर पर पीएम मोदी के मंच पर बुलाया गया था। हालांकि, जदयू की ओर से इसकी औपचारिक घोषणा अब तक नहीं की गई है।

जानकारी के मुताबिक, पूर्व राज्य मंत्री राजवल्लभ प्रसाद यादव की पत्नी विभा देवी लंबे समय से राजद से नाराज चल रही थीं। वहीं, प्रकाश वीर भी पार्टी में अपनी अनदेखी से असंतुष्ट बताए जा रहे हैं। हाल में ही उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और राजद नेताओं पर कई आरोप लगाए थे। हाल में ही विभा देवी प्रेस वार्ता कर कहा था कि ने कहा कि उन्होंने, उनके जेठ कृष्णा प्रसाद, स्व. जेहल प्रसाद या जेल में बंद राजबल्लभ प्रसाद ने कभी वोट का सौदा नहीं किया। यह नवादा है, राघोपुर नहीं, जहां एक दिन में करोड़ों रुपये बांटे जाते हैं। उन्होंने कहा कि नवादा के सैकड़ों परिवारों से उनका नाता है। उन्हें हर बात की जानकारी है।

पूर्व मंत्री राजबल्लभ यादव की पत्नी और नवादा सदर से राजद विधायक विभा देवी ने कहा कि तेजस्वी और उनके कुछ करीबी नेताओं द्वारा उनके और उनके परिवार पर झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। उनके सम्मानित परिवार की छवि को खराब करने की कोशिश की जा रही है। विभा देवी ने कहा कि वह राजनीति में अपना सम्मान बेचकर नहीं आई हैं। उन्होंने कभी घूस नहीं ली और न ही भ्रष्टाचार किया। विभा देवी ने आरोप लगाया कि जब सरकार बनाने-बिगाड़ने का खेल चल रहा था, तब तेजस्वी के साथ रहने वाले उनके कुछ करीबी नेताओं ने उनसे भारी धनराशि की मांग की थी। वह यह रकम नहीं दे सकीं। इसके बावजूद उन्होंने और विधायक प्रकाश वीर ने पार्टी नहीं छोड़ी। जबकि कई नेताओं ने उन्हें पाला बदलने का प्रलोभन दिया था। उन्होंने कहा कि यही उनकी गलती थी कि वह तेजस्वी को गलत काम के लिए पैसा नहीं दे सकीं।

जदयू में शामिल हुए पूर्व विधायक गोपाल अग्रवाल, सीमांचल में पार्टी का बड़ा दांव

पूर्णिया (एजेंसियां)। बिहार के किशनगंज जिले से जदयू को बड़ी सियासी सफलता मिली है। ठाकुरगंज विधानसभा के पूर्व विधायक गोपाल अग्रवाल ने पटना में प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की मौजूदगी में जदयू की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान पार्टी नेता नौशाद आलम और प्रह्लाद सरकार समेत कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि अग्रवाल की एंट्री से सीमांचल में पार्टी की पकड़ और मजबूत होगी। सूत्रों का कहना है कि 2025 विधानसभा चुनाव में गोपाल अग्रवाल को ठाकुरगंज सीट से टिकट मिलने की संभावना है।

किशनगंज जिले की ठाकुरगंज

विधानसभा सीट सामान्य श्रेणी की है, जिसका गठन 1951 में हुआ था। अब तक यहां 15 विधानसभा चुनाव हो चुके हैं। इस सीट में ठाकुरगंज और दिघलबैंक प्रखंड की 13 ग्राम पंचायतें आती हैं।

2020 के चुनाव में राजद उम्मीदवार साउद आलम ने निर्दलीय उम्मीदवार गोपाल अग्रवाल को शिकस्त दी थी। साउद को 79,909 वोट मिले थे, जबकि अग्रवाल को 56,022 वोट मिले। जदयू के नौशाद आलम तीसरे स्थान पर रहे थे।

गोपाल अग्रवाल 2005 में समाजवादी पार्टी से इसी सीट से विधायक रह चुके हैं। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, 2025 का चुनाव मुस्लिम वोटों की एकजुटता पर निर्भर करेगा। पहले भी एआईएमआईएम और निर्दलीय उम्मीदवारों की वजह से वोटों का बंटवारा हुआ है। इस बार मुकाबला सीधे राजद और जदयू के बीच माना जा रहा है।

बिहार सरकार ने खेल विभाग में निकाली बंपर बहाली

प्रशिक्षक से लेकर अधिकारी और लिपिक तक को मिलेगी नौकरी

पटना (एजेंसियां)। खेल में नौकरी के इंतजार में बैठे युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी आ गई है। राज्य सरकार ने खेल विभाग में बंपर बहाली का रास्ता खोल दिया है। ऐसा पहली बार हो रहा है, जब नवगठित खेल विभाग में 824 पदों पर बहाली होने जा रही है। खेल प्रशिक्षक से लेकर क्रीड़ा सेवा संवर्ग में अधिकारी, खेल लिपिक और अन्य पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू होगी। खेल विभाग ने इन नियुक्तियों के लिए बिहार लोक सेवा आयोग, बिहार कर्मचारी चयन आयोग और बिहार तकनीकी सेवा आयोग को सफरिश भेज दी है।

वह युवा जो खेल विभाग में नौकरी की आस लगाए लंबे समय से बैठे थे और खेल के प्रशिक्षक बनना हैं, अब उनकी लॉटरी लगने वाली है। खेल विभाग की

ओर से बिहार खेल अधीनस्थ सेवा संवर्ग में 380 पद स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें से 379 पद अभी खाली हैं। इन सभी पदों पर बहाली के लिए खेल विभाग ने बीएसएससी को प्रस्ताव भेज दिया है। जल्द ही इन पर सीधी बहाली की जाएगी। बिहार खेल सेवा संवर्ग में भी 33 अधिकारियों के लिए 44 नए पदों का सृजन किया गया है। इनमें से 11 पद प्रोन्नति के लिए हैं, जबकि 33 पदों पर सीधी भर्ती होगी है। इन पदों पर नियुक्ति के लिए इझडउ को अधियाचन भेज दिया गया है।

खेल विभाग में लिपिकीय सेवा संवर्ग का भी गठन कर दिया गया है। इसके लिए 80 पदों की स्वीकृति भी मिल गई है। इनमें से 53 रिक्त पद ऐसे हैं जिस पर जल्द बहाली होनी है। जिसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

वहीं, खेल प्राधिकार में भी 301 पदों पर नियुक्ति होनी है। प्रस्ताव को कार्यकारिणी समिति की मंजूरी मिल चुकी है और नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश जारी कर दिया गया है। नियुक्ति प्रक्रिया की सिफारिश बीटीएससी को भी सौंप दी गई है।

इन बहालियों के साथ ही बिहार में खेलों के क्षेत्र में बड़ा बदलाव तय है। खेल प्रशिक्षकों की तैनाती से गांव-गांव और शहर-शहर में खेल प्रतिभाओं को निखरने का मौका मिलेगा। वहीं, खेल सेवा संवर्ग और प्राधिकार के अधिकारियों की नियुक्ति से खेल प्रशासन को नई गति मिलेगी। बिहार में यह अब तक का सबसे बड़ा खेल बहाली अभियान है, जिससे हजारों युवाओं को रोजगार और राज्य को नई खेल पहचान मिलने वाली है।

खेल प्रेमियों और नौकरी के इच्छुक युवाओं के लिए यह खबर किसी बंपर खुशखबरी से कम नहीं।

राम जानकी मठ के संचालक पर दो नाबालिग बच्चियों से अश्लील हरकत का आरोप, पुलिस ने किया गिरफ्तार

पटना (एजेंसियां)। पटना के पालीगंज स्थित ऐतिहासिक बौद्धकालीन राम जानकी मठ के प्रबंधन समिति के संचालक सुरेश कश्यप को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन पर एक महिला ने अपनी दो नाबालिग बेटियों से अश्लील हरकत करने का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के सामने आने के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है।

पालीगंज अनुमंडल क्षेत्र में रहने वाली महिला अपने नैहर आई थी। आरोप है कि इस दौरान उसकी दोनों नाबालिग बेटियां मठ के नीचे खेल रही थीं। तभी मठ प्रबंधन समिति के संचालक सुरेश कश्यप ने चॉकलेट देने का झांसा देकर बच्चियों को अपने कमरे में बुलाया। महिला का आरोप है कि वहां उन्होंने बच्चियों के साथ अश्लील हरकत की और आपत्तिजनक वीडियो भी दिखाया। महिला ने शोर मचाया तो आसपास के लोग वहां इकट्ठा हो गए। भीड़ देखकर आरोपी मौके से भाग निकला। इसके बाद महिला ने पालीगंज थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छापामारी की और सुरेश कश्यप को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। गिरफ्तार संचालक सुरेश कश्यप ने खुद पर लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि मठ की जमीन हड़पने की नीयत से उन्हें फंसाया गया है।

पालीगंज डीएसपी राजीव चंद्र सिंह, एसडीओ गरिमा लोहिया और अन्य पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर मठ का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार का बयान दर्ज किया और आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करने की पुष्टि की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com